दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
भिंड ■ मंगलवार 01 अप्रैल 2025 ■ वर्ष -17 ■ अंक-271 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सुविचार

जिंदगी की जंग जीतनी है तो तूफान के गुजर जाने का इंतजार मत करो, तूफान में कश्ती किनारे लगाने का हौसला रखो।

सीएम मोहन यादव का एतिहासिक कदम | **प्रदेश में 1 अप्रैल से नई आबकारी नीति-2025 लागू हो जाएगी** | **बड़ा फैसला: उज्जैन काल भैरव मंदिर की दुकान भी होगी बंद**

प्रदेश के 19 धार्मिक शहरों में शराबबंदी

- राज्य सरकार को लगभग 450 करोड़ का राजस्व नुकसान होगा
- देशभर में आधी रात से टोल टैक्स की दरें लागू, अब जेब ढीली
- एनएचएआई ने प्रति ट्रिप पांच से दस रुपए तक शुल्क बढ़ाया

सत्ता सुधार ■ भोपाल/नई दिल्ली

मंगलवार से नए टैक्स ईयर की शुरुआत होने जा रही है। हर महीने की तरह महीने के पहले दिन से देश में कई बड़े बदलाव भी लागू होंगे, जिनका असर हर घर हर जेब पर देखने को मिल सकता है। इन बदलावों में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों, बैंक खाते, डेबिट कार्ड से लेकर क्रेडिट कार्ड पर देखने को मिलेगा। यही नहीं, हाइवे पर यात्रा करना भी महंगा हो जाएगा। क्योंकि कई रूट पर टोल टैक्स में इजाफा किया गया है। इसमें सबसे खास बात यह है कि मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के 19 धार्मिक शहरों में शराब की दुकानों को बंद करने का फैसला लिया था, जो 1 अप्रैल से लागू होगा। अब यह दुकाने दूसरी जगह शिफ्ट भी नहीं होगी। दरअसल, मध्य प्रदेश में 1 अप्रैल से नई आबकारी नीति-2025 लागू हो जाएगी। इस नीति के तहत मोहन सरकार ने 19 धार्मिक क्षेत्रों में शराब दुकाने बंद करने का निर्णय लिया है, जिसके अनुसार 31 मार्च की आधी रात से इन क्षेत्रों की 47 दुकाने बंद कर दी गई हैं। यहां पर बार और शराब बैठा कर पीलाने की व्यवस्था भी बंद होगी। इन इलाकों में शराब और वाइन आउटलेट्स के लिए नए लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे और न ही इनका संचालन की अनुमति होगी।

मध्यप्रदेश के 19 धार्मिक नगरों और ग्राम पंचायतों में की गई शराब बंदी की घोषणा पर एक अप्रैल से अमल शुरू हो जाएगा। 24 जनवरी को लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में हुई कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। राज्य सरकार द्वारा नशामुक्ति की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया। जिन स्थानों पर शराब बंदी का निर्णय लिया उसमें एक नगर निगम, छह नगर पालिका, छह नगर परिषद और छह ग्राम पंचायतें हैं।

डॉ. मोहन यादव, सीएम

मध्यप्रदेश की 19 धार्मिक क्षेत्रों की 47 दुकानें 1 अप्रैल से बंद हो जाएंगी। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में संचालित बार भी बंद होंगे। उज्जैन के भैरव मंदिर परिसर में भी शराब की दुकान है, वह भी बंद होगी। क्योंकि यह शराब काउंटर नगर निगम की परिसीमा में आते हैं।

अभिजीत अग्रवाल, आयुक्त, आबकारी, मप्र

उज्जैन काल भैरव मंदिर के सामने लगे शराब के काउंटर को हटाया जाएगा। रही काल भैरव के पूजन और भोग परंपरा की तो इसकी जिम्मेदारी मंदिर प्रबंध समिति की रहेगी। भगवान को लगाए जाने वाले मदिरा के भोग की व्यवस्था हमेशा की तरह मंदिर समिति करेगी।

नीरज कुमार सिंह, कलेक्टर, उज्जैन

यहां बंद होंगी शराब दुकानें

उज्जैन नगर निगम, ओंकारेश्वर नगर पंचायत, महेश्वर नगर पंचायत, मंडलेश्वर नगर पंचायत, ओरछा नगर पंचायत, मैहर नगर पालिका, चित्रकूट नगर पंचायत, दतिया नगर पालिका, पन्ना नगर पालिका, मंडला नगर पालिका, मुलताई नगर पालिका, मंदसौर नगर पालिका, अमरकंटक नगर पंचायत, सलकनपुर ग्राम पंचायत, बरमान कला ग्राम पंचायत, लिंगा ग्राम पंचायत, बरमान खुर्द ग्राम पंचायत, कुंडलपुर ग्राम पंचायत और बांदकपुर ग्राम पंचायत शामिल हैं।

13 शहरी और 6 ग्रामीण क्षेत्र शामिल

प्रदेश के 19 पवित्र क्षेत्रों में पूरी तरह से शराब की ब्रिकी नहीं करने का निर्णय लिया गया है, जिनमें राज्य के 13 शहरी और 6 ग्रामीण क्षेत्र शामिल हैं। इनमें उज्जैन नगर निगम भी शामिल है, जहां काल भैरव मंदिर में प्राचीन समय से बाबा के दर्शन में मदिरा का भोग लगाने की परंपरा है। मंदिर परिसर की दुकान भी बंद होगी। अब भक्तों को बाहर से शराब लोकर भोग लगाना होगा।

एलपीजी की कीमतें

हर महीने की पहली तारीख को ऑयल एंड गैस डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में संशोधन करती हैं। 1 अप्रैल को भी इनमें बदलाव देखने को मिल सकता है। लोगों को 14 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमतों में राहत भरे बदलाव की उम्मीद है।

सीएनजी-पीएनजी के दाम

सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में भी पहली तारीख से संशोधन देखने को मिल सकता है। वहीं कंपनियां एयर टर्बाइन फ्यूल यानी एटीएफ के भाव में भी बदलाव कर सकती हैं। एटीएफ की कीमतों में बढ़ोतरी से हवाई यात्रा महंगी हो जाएगी।

यूपीआई आईडी होंगी बंद

जिन मोबाइल नंबरों से जुड़े यूपीआई अकाउंट्स लंबे समय से एक्टिव नहीं हैं, बैंक रिकॉर्ड से हटाया जाएगा। अगर लोगों का फोन नंबर यूपीआई ऐप से जुड़ा है और आपने लंबे समय से इसका इस्तेमाल नहीं किया है तो इसकी सेवाएं बंद कर दी जाएंगी।

बड़ा बदलाव : टोल टैक्स में इजाफा

एनएचएआई ने 1 अप्रैल से विभिन्न टोल प्लाजा पर बढ़ी हुई दरें लागू करने का आदेश जारी किया है। लखनऊ से गुजरने वाले हाईवे पर हल्के वाहनों के लिए टोल 5 से 10 रुपए तक बढ़ाया गया है। वहीं भारी वाहनों के लिए यह बढ़ोतरी 20 से 25 रुपए तक की गई है। लखनऊ-कानपुर, अयोध्या, रायबरेली और बाराबंकी जैसे राजमार्गों पर स्थित कई टोल प्लाजा पर ये नई दरें आधी रात से लागू हो गई हैं। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और एनएच-9 से गुजरने वाले यात्रियों को भी टोल टैक्स के तौर पर ज्यादा पैसे देने पड़ेंगे।

यूपीएस की शुरुआत

नए टैक्स ईयर की शुरुआत के साथ पहली अप्रैल से केंद्रीय कर्मचारियों को गारंटीकृत पेंशन देने वाली यूनिफाइड पेंशन स्कीम यानी यूपीएस की शुरुआत होने जा रही है। पोर्टल पर आज से केंद्रीय सरकारी कर्मचारी अप्लाई कर सकेंगे।

टैक्स स्लैब के नियम

नए टैक्स स्लैब के तहत सालाना 12 लाख तक कमाने वाले व्यक्तियों को टैक्स का भुगतान करने से छूट दी जाएगी। वेतनभोगी कर्मचारी 75,000 रुपए की स्टैंडर्ड डिडक्शन के लिए पात्र होंगे। 12.75 लाख तक की वेतन आय अब टैक्स से मुक्त हो जाएगी।

ब्रीफ न्यूज

म्यांमार में भूकंप से अब तक 2056 लोगों की मौत

नई दिल्ली। म्यांमार में 28 मार्च को आए भीषण भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,056 हो गई है, जबकि 3,900 से अधिक लोग घायल हैं और 270 लोग अब भी लापता हैं। सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी।

दंतेवाड़ा में 25 लाख की इनामी महिला नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता मिली है, उन्होंने 25 लाख की इनामी महिला नक्सली रेणुका उर्फ बानु को एनकाउंटर में मार गिराया है।

नोबेल प्राइज के लिए नामित पूर्व पीएम इमरान

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को मानवाधिकार और लोकतंत्र के लिए उनकी कोशिशों के लिए नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेशन किया गया है।

चेतावनी: अप्रैल-जून में 15+ राज्यों में गर्मी का कहर

नई दिल्ली। मौसम विभाग देश के कई हिस्सों में 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुके तापमान के बीच इस साल भीषण गर्मी और लू को लेकर चेतावनी दी है।इस साल लू के थपेड़े दोगुने होंगे। अप्रैल-जून में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है। 15 से अधिक राज्यों में गर्म हवाओं का कहर दिखेगा।

वक्फ संशोधन बिल दो अप्रैल को होगा पेश!

- रिजिजू बोले- हम इसकी तैयारी कर रहे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वक्फ संशोधन बिल को 2 अप्रैल को संसद में पेश किया जा सकता है। सरकार पहले लोकसभा में बिल पेश करेगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। बिल पर संसद के बाहर खूब विचार-विमर्श हुए हैं। हमें सदन में बहस और चर्चा में भी जरूर भाग लेना चाहिए। रिजिजू ने कहा कि बिल पर बनी जेपीसी ने लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा परामर्श प्रक्रिया का रिकॉर्ड बनाया है। सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध है कि लोगों को गुमराह न करें। भोले-भाले मुसलमानों को यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि सरकार मुसलमानों की संपत्ति और अधिकार छीनने जा रही है।

भोपाल और मेरठ में फिलिस्तीन के समर्थन का दिखाया बैनर

- मंत्री ने कहा-ऐसी फिरकापरस्ती की मानसिकता नहीं चलेगी
- सहारनपुर में नमाज के बाद लहराया फिलिस्तीन का झंडा

सत्ता सुधार ■ भोपाल/सहारनपुर

ईद की नमाज के बाद सोमवार को मुस्लिम समुदाय ने सहारनपुर में शाही ईदगाह से शहर के घंटाघर चौक तक जुलूस निकाला। इस दौरान फिलिस्तीन का झंडा लहराकर समर्थन में नारा ए तदबीर अल्लाह हू अकबर के नारे लगाए गए। वहीं, मेरठ में भी नमाज पढ़ने पहुंचे लोगों ने फलिस्तीन के समर्थन का बैनर दिखाया। इतना ही नहीं, फलस्तीन का झंडा लहराकर समर्थन में खूब नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद भारी पुलिसबल की मौजूदगी के चलते मुस्लिम समुदाय के लोग चंद मिनटों बाद ही आगे बढ़ गए। इधर, भोपाल में ईदगाह और मोती मस्जिद में युवाओं ने फिलीस्तीन के समर्थन में पोस्टर लहराए। मैं फिलिस्तीन के साथ खड़ा हूं जैसे संदेश वाले पोस्टर दिखाए। वहीं मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि फिरकापरस्त विचारधारा को उन्माद फैलाने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

मोनालिसा को फिल्म का ऑफर देने वाला डायरेक्टर गिरफ्तार

- रेप का केस: सनोज मिश्रा ने हीरोइन बनाने का दिया लालच
- लिव इन रिलेशनशिप के दौरान तीन बार गर्भपात भी कराया
- दिल्ली हाईकोर्ट ने मिश्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी

सत्ता सुधार ■ गाजियाबाद

महाकुंभ में वायरल हुई मप्र के महेश्वर की मोनालिसा को फिल्म ऑफर देने वाले बॉलीवुड डायरेक्टर सनोज मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सनोज के खिलाफ एक युवती ने गाजियाबाद थाने में रेप का केस दर्ज कराया है। युवती के मुताबिक हीरोइन बनाने के नाम पर सनोज ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। मुंबई में उसके साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहने के दौरान तीन बार गर्भपात भी कराया। जिस घटना को लेकर केस दर्ज किया गया है, वह 18 फरवरी 2025 को हुई। पीड़िता के मुताबिक सनोज मिश्रा उसे लेकर नबी करीम के होटल पहुंचा। इस दौरान उसने संबंध बनाए और फिर छोड़ दिया। इसके बाद पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में मिश्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके बाद सेंट्रल दिल्ली के नबी करीम थाने की पुलिस ने गाजियाबाद से सनोज को गिरफ्तार कर लिया।

बिहार में नीतीश कुमार को सीएम बनाने पर बनी सहमति

- शाह के सामने सभी नेताओं ने एक चेहरे पर भरी हामी
- 40 मिनट की बैठक में बिहार की लिखी गई पटकथा

एजेंसी ■ पटना

बिहार में एनडीए की बैठक में चुनावी रणनीति और सीट बंटवारे पर चर्चा हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सहयोगी दलों के साथ मंथन किया और नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने पर सहमति बनी। वहीं नीतीश कुमार ने कहा कि दो बार गलती हो गई, अब इधर उधर नहीं होगा। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे के साथ ही एनडीए बिहार में इसी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में आगे बढ़ेगा। चुनाव के बाद भी एनडीए उनके नेतृत्व में एकजुट रहेगा। नीतीश कुमार के नाम पर एकजुटता दिखाने को लेकर मुख्यमंत्री आवास में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल पर एनडीए के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। लगभग 40 मिनट तक यह बैठक चली। बैठक के बाद सभी नेताओं ने नीतीश कुमार के नेतृत्व पर अपनी सहमति जतायी। गृह मंत्री ने एनडीए को एकजुट होकर चुनाव में सक्रिय रहने की बात कही। यह बात भी सामने आयी कि नीतीश कुमार के नेतृत्व को लेकर किसी तरह का कोई संशय नहीं है।

- आग वाली बोगी को अलग कर रवाना की गाड़ी
- सवा घंटे खड़ी रही ट्रेन...यात्रियों में मचा हड़कंप

इटारसी में अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस ट्रेन में लगी आग

सत्ता सुधार ■ नर्मदापुरम

मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में इटारसी के पास चलती ट्रेन की बोगी में आग लग गई। ये घटना सोमवार शाम 4 बजे इटारसी और बानापुरा के बीच में खुटवासा रेलवे स्टेशन के पास की है। घटना अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में हुई है। अहमदाबाद से चलकर बरौनी जाने वाली ट्रेन दोपहर 2 बजे खंडवा से इटारसी की ओर रवाना हुई थी। धरमकुंडी स्टेशन निकलने के बाद खंबा नंबर 724/12 के पास ट्रेन गार्ड ने धुआं निकलते देखा। जिसके बाद ट्रेन को अचानक रोका गया। ट्रेन के रुकने और आग की सूचना से यात्रियों में हड़कंप मच गया। आग लगने के बाद ट्रेन करीब सवा घंटे तक खड़ी रखी। बाद में आग वाले कोच को अलग कर ट्रेन को रवाना कर दिया गया। आग लगने की इस घटना के कारण खंडवा से इटारसी आने वाला रेलवे डाउन ट्रैक पर यातायात बंद हो गया।

जनरेटर-पार्सल बोगी में आग

ट्रेन के सबसे आखिरी में जनरेटर और पार्सल बोगी में आग लगी। यह बोगी स्टील के बर्तन के कार्टूनों से भरी थी। इस कारण आग के साथ काफी धुआं उठने लगा। जिसके बाद जनरेटर कोच में काम करने वाले कर्मचारी भी तुरंत बाहर निकले। सूचना के बाद दमकल को बुलाया गया।

बयान | संघ के भैयाजी जोशी बोले- औरंगजेब की मौत भारत में हुई थी, इसलिए उसकी कब्र यहीं बनाई गई

बिना बात औरंगजेब के मकबरे को मिला तूल... जिसकी जहां आस्था वहीं जाएगा... छत्रपति शिवाजी ने ही बनवाई थी अफजल खान की कब्र

- राज ठाकरे ने कहा- इतिहास को जाति और धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए

एजेंसी ■ नागपुर

पिछले कुछ दिनों में औरंगजेब को लेकर काफी विवाद देखने को मिला है। नागपुर में मुगल शासक औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर हिंसा भी देखने को मिली। इस बीच पूरे प्रकरण पर आरएसएस का महत्वपूर्ण बयान सामने आया है। दरअसल,

आरएसएस नेता सुरेश 'भैयाजी' जोशी ने कहा कि औरंगजेब मकबरे का मामला अनावश्यक रूप से उठाया जा रहा है।

नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए आरएसएस नेता जोशी ने कहा कि जो भी व्यक्ति आस्था रखता है, वह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में स्थित इस ढांचे के दर्शन करेगा। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे की टिप्पणियों और मुगल शासक की कब्र के मुद्दे पर पूछे जाने के बारे में संघ नेता सुरेश जोशी ने कहा कि औरंगजेब की कब्र का विषय अनावश्यक रूप से उठाया गया है। उनकी मृत्यु यहीं (भारत में) हुई थी, इसलिए उनकी कब्र यहीं बनाई गई है। जिनकी आस्था है, वे जाएंगे।

पूर्व आरएसएस महासचिव ने कहा कि हमारे पास छत्रपति शिवाजी महाराज का आदर्श (रोल मॉडल) है, उन्होंने अफजल खान की कब्र बनवाई थी। यह भारत की उदारता और समावेशिता का प्रतीक है। कब्र बनी रहेगी, जो जाना चाहेगा, जाएगा।

व्हाट्सएप पर ना करें भरोसा

इधर, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने औरंगजेब की कब्र को लेकर सांप्रदायिक तनाव भड़काने के प्रयासों की निंदा की और कहा कि इतिहास को जाति और धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। ऐतिहासिक जानकारी के लिए कभी भी व्हाट्सएप पर भरोसा ना करें। मुगल शासक हमेशा शिवाजी नामक विचारों को मारना चाहते थे। हालांकि, वह सफल नहीं हो सके थे। बीजापुर के सेनापति अफजल खान को प्रतापगढ़ किले के पास दफनाया गया था और छत्रपति शिवाजी महाराज की अनुमति के बिना ऐसा नहीं किया जा सकता था।

दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज का उद्घाटन 19 को

- कटरा-श्रीनगर वंदे भारत का भी होगा श्रीगणेश
- सौगात देने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उधमपुर जाएंगे

एजेंसी ■ श्रीनगर

पीएम नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। सबसे पहले वे उधमपुर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज (चिनाब ब्रिज) का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे कटरा (माता वैष्णो देवी) पहुंचकर जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल जम्मू रेलवे स्टेशन पर मरम्मत का काम चल रहा है, इस वजह से ट्रेन सेवा अस्थायी रूप से कटरा से शुरू की जा रही है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अगस्त से यह ट्रेन जम्मू से चलना शुरू करेगी। कटरा-श्रीनगर पर ट्रेन का ट्रायल 25 जनवरी को किया गया था, जो सफल रहा। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे कश्मीर के अंतिम स्टेशन श्रीनगर पहुंची। यानी 160 किलोमीटर का सफर 3 घंटे में पूरा किया।

sattasudharbpl@gmail.com | satta_sudhar | facebook.com/satta.sudhar.7 | www.sattasudhar.in
पांच राज्यों से एक साथ प्रकाशित

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री ने दी गणगौर पर्व और ईद की बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अखंड सौभाग्य, सुख, समृद्धि के पावन पर्व गणगौर की सभी को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपने संदेश में बाबा महादेव एवं मां पार्वती से प्रार्थना की है कि गणगौर सबके जीवन में संपन्नता, शुभत्व और मंगल की उत्तरोत्तर वृद्धि लेकर आए। उन्होंने गणगौर पर कामना की है कि माता-बहनों और सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों। वहीं मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी मुस्लिम भाईयों को ईद-उल-फितर की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

डॉ. आनंदी की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को देश की पहली महिला डॉक्टर आनंदी गोपाल जोशी की जयंती पर उनका पुण्य-स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि नारी सशक्तिकरण, शिक्षा एवं समाजसेवा के प्रति डॉ. आनंदी गोपाल जोशी का समर्पण राष्ट्र के विकास में महिलाओं की भागीदारी को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

बैतूल में एमपी ट्रांस्को के कार्मिकों ने सीखी जीवन रक्षक तकनीक

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) स्थानीय जिला चिकित्सालयों और मेडिकल कॉलेजों के सहयोग से मध्यप्रदेश में एमपी ट्रांसको के कर्मियों के लिए 'सीपीआर एवं अन्य ऐसे ही जीवन रक्षक तकनीकों' पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में एक प्रशिक्षण कार्यशाला बैतूल में आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यशाला में कंपनी के बैतूल स्थित सबस्टेशन एवं अति उच्चदाब संधारण बैतूल के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियो को मेडिकल आफिसर डॉ. रानू वर्मा द्वारा व्यवहारिक और उपयोगी प्रशिक्षण दिया गया। कंपनी के कार्मिकों एवं समाज के लिए बहुउपयोगी एवं जीवनरक्षक इस कार्यशाला के सफल आयोजन में एमपी ट्रांसको के करीब 30 मेंटनेन्स, ऑपरेटिंग एवं सुरक्षा कर्मियों ने हिस्सा लिया। सीपीआर प्रशिक्षण के लिए उपयोग किये जाने वाले मानव पुतले एवं कुछ वीडियों की सहायता से सीपीआर तकनीक का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

भाजपा का 'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान 7 अप्रैल से होगा शुरू

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी आगामी 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक 'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान की शुरुआत करेगी, जिसमें पार्टी के कार्यकर्ता विभिन्न सामाजिक और सेवा कार्यों में भाग लेंगे। इस अभियान का उद्देश्य भाजपा को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाना और जमीनी स्तर पर पार्टी की सक्रियता को बढ़ाना है। भाजपा 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक 'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान संचालित करेगी। इस दौरान कार्यकर्ता विभिन्न सामाजिक और सेवा कार्यों में भाग लेंगे। 2 अप्रैल को भोपाल में प्रदेश स्तरीय बैठक होगी, जिसमें अभियान, भाजपा स्थापना दिवस 6 अप्रैल और डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती 14 अप्रैल से जुड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा बनेगी। 6 अप्रैल को कार्यकर्ता अपने घर और कार्यालयों में पार्टी का झंडा लगाएंगे।

इंदौर। इंदौर में दैनिक सत्ता सुधार समाचार पत्र का अवलोकन करते हुए भाजपा के पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव।

नर्मदा मैया ने किया है दोनों राज्यों को समृद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- दोनों राज्यों के बीच परस्पर सहयोग की सुदृढ़ परम्परा है : पटेल
- 'सदाकाल गुजरात-भोपाल' कार्यक्रम में शामिल गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल
- सीएम ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल पुष्प-गुच्छ से किया स्वागत

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार की शाम स्टेट हैंगर भोपाल पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात के गृहमंत्री हर्ष संघवी के आगमन पर उनका पुष्प-गुच्छ और अंगवस्त्र से स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल और गृह मंत्री संघवी को राजा भोज की प्रतिमा भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा मैया ने मध्यप्रदेश और गुजरात को समद्ध बनाने का कार्य किया है। मध्यप्रदेश में अनेक नगरों में बड़ी संख्या में गुजराती बंधु निवास करते हैं। गुजरात के साथ ही मध्यप्रदेश से भी अन्य देशों तक जाकर गुजराती समाज के उद्यमियों और प्रोफेशनल्स ने परिश्रम से स्थान बनाया है। गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्वागत से भाव-विभोर होकर कहा कि उन्हें यहां आकर आत्मीयता का अहसास हुआ है। गुजरात और मध्यप्रदेश के बीच परस्पर सहयोग की सुदृढ़ परम्परा है। 'सदाकाल गुजरात-भोपाल' के माध्यम से इन संबंधों में नया आयाम जुड़ रहा है। गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल 'सदाकाल गुजरात-भोपाल' कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए भोपाल पधारे हैं। गुजरात और मध्यप्रदेश के संबंधों में एक नया आयाम सदाकाल गुजरात कार्यक्रम के माध्यम से जुड़ रहा है। गुजरात से बाहर बसने वाले गुजरातियों के योगदान को सम्मानित करने के लिए सदाकाल गुजरात-भोपाल का कार्यक्रम किया गया। इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही गुजराती व्यंजनों का उत्सव भी आयोजित किया गया है। इस अवसर पर गुजरात के अनेक मंदिरों के वर्चुअल दर्शन की व्यवस्था भी रविंद्र भवन भोपाल में की गई। गुजरात सरकार ने गुजरात स्टेट नॉन रेजिडेंट गुजराती फाउंडेशन के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया है।

स्टेट हैंगर परिसर में किया पौधरोपण, गुजराती समाज ने की भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल ने स्टेट हैंगर परिसर में संयुक्त रूप से आम का पौधा लगाया। इस अवसर पर गुजराती समाज भोपाल के संजय पटेल, हर्षद, प्रिया पाटीदार, चेतन पटेल, रेनका मेहता और अन्य पदाधिकारियों ने गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल से सौजन्य भेंट की। गुजरात के मुख्यमंत्री से राहुल कोठारी एवं अन्य जन-प्रतिनिधियों ने भी भेंट कर उनका स्वागत किया।

भाजपा कार्यालय में नेताओं की अहम बैठक, स्थापना दिवस की तैयारी पर हुई चर्चा

मध्यप्रदेश के भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को अहम बैठक हुई। इस बैठक में जिला अध्यक्ष, पूर्व जिला अध्यक्ष, संभाग और जिला प्रभारी, प्रदेश पदाधिकारी सहित सीएम डॉ मोहन यादव भी शामिल हुए। सीएम के साथ बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मुख्य रूप से मौजूद थे। बैठक में जिला अध्यक्षों से मंडल पदाधिकारियों और कार्यसमिति के गठन की जानकारी मांगी गई। इसके साथ उनके जिले के हिसाब से मंडल कार्यसमिति और पदाधिकारियों की नियुक्ति पर सवाल किए गए। बता दे कि जिला अध्यक्षों और प्रभारियों को पहले ही जरूरी जानकारी साथ लाने के निर्देश दिए गए थे।

तीन अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

- आजीवन सहयोग निधि की जिलेवार समीक्षा।
- 6 अप्रैल को बीजेपी के स्थापना दिवस की तैयारी पर चर्चा।
- 14 अप्रैल को भीमराव अंबेडकर की जयंती के कार्यक्रमों की तैयारी पर चर्चा।

कई प्रमुख नेता हुए बैठक में शामिल

भिंड सांसद संध्या राय, सागर सांसद लता वानखेड़े, होशंगाबाद सांसद दर्शन सिंह चौधरी, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, राज्यसभा सांसद माया नरोलिया, सुमित्रा बाल्मीक, विधायक चिंतामणि मालवीय, अनिल जैन कालूहेड़ा, हरिशंकर खटीक सहित पार्टी के कई तमाम पदाधिकारी मौजूद रहें।

प्रदेश में परिवहन सेवाओं को और बेहतर बनाया जाएगा

- मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पर सैद्धांतिक सहमति
- मंत्रि-परिषद से अनुमोदन उपरांत अमल में लाया जाएगा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के ग्रामीण, शहरी और इंटरसिटी परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा प्रारंभ की जाएगी। योजना का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। सबके साथ विस्तृत विचार-विमर्श, सुझाव एवं सहमति के बाद शीघ्र ही इस योजना प्रस्ताव को अनुमोदन के लिये मंत्रि-परिषद की बैठक में लाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में नवीन परिवहन सेवा (मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा) के संबंध में प्रारंभिक चर्चा के लिए आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में परिवहन सेवाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर प्रदेश के सभी जनजातीय क्षेत्रों में सुगम यात्री परिवहन के लिए सरकार हर जरूरी प्रयास करेगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, नगरीय विकास एवं प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बैठक में वर्चुअली सहभागिता की। समत्व में हुई बैठक में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं प्रशासन संजय कुमार शुक्ल, सचिव परिवहन मनीष सिंह, सचिव मुख्यमंत्री सिबी चक्रवर्ती एवं संचालक जनसम्पर्क अंशुल गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बसों के संचालन की त्रि-स्तरीय मॉनिटरिंग की जाएगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की यात्री परिवहन संबंधी भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर इस नवीन योजना के सभी पक्षों पर गहनता से अध्ययन करें, जिससे यात्रियों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। सचिव परिवहन मनीष सिंह ने नवीन परिवहन सेवा योजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई परिवहन योजना में प्रदेश में यात्री बसों के संचालन की त्रि-स्तरीय मॉनिटरिंग की जाएगी।

लोकमाता अहिल्या बाई के कार्य प्रेरणादायक

'राष्ट्रसमर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा' नाटक का मंचन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई ने 300 वर्ष पहले जनकल्याण के जो काम किए और सभी संकटों को पार कर सुशासन के प्रतिमान स्थापित किए हैं, वे आज हम सब के लिए प्रेरणादायक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को लोकमाता देवी अहिल्या की नगरी खरगोन जिले के महेश्वर में विश्व मांगल्य सभा द्वारा 'राष्ट्रसमर्था देवी अहिल्याबाई की पुण्य गाथा' नाटक के मंचन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुषी जैन द्वारा देवी अहिल्या बाई की जीवनगाथा पर लिखी गई पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवी अहिल्या बाई ने होल्कर साम्राज्य के साथ ही सम्पूर्ण देश में जन-कल्याण के कार्य किए हैं। मुगल काल में सनातन संस्कृति को नष्ट करने का काम किया गया, लेकिन नर्मदा पुत्री देवी अहिल्याबाई ने सनातन संस्कृति की रक्षा का काम किया। उन्होंने सोमनाथ, काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिरों की पुनर्स्थापना को बनाने का कार्य किया है। किसानों की मदद की और न्याय एवं सुशासन के कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

जल संवर्धन के साथ उसका संरक्षण आज की महती आवश्यकता : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकतंत्र में जनता ही सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। जनता को साथ लेकर प्रदेश के चहुंमुखी विकास की ओर हम आगे बढ़ रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट निर्माण में भी प्रदेश की जनता को जोड़ते हुए उनसे सुझाव आमंत्रित किए गए। प्रदेश में सभी प्रमुख त्यौहार भी प्रदेशवासियों को साथ लेकर मनाने की शुरूआत की गई है। अब 30 मार्च से प्रारंभ हुए राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान में भी जन-भागीदारी को प्राथमिकता के साथ जोड़ा गया है। जल संकट को दूर करने बारिश के जल को अधिक से अधिक संग्रहण करने 30 मार्च से प्रांत व्यापी 'जल गंगा संवर्धन' अभियान की शुरूआत की गई है। यह अभियान 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन' अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ महाकाल की नगरी उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट से किया गया।

इसमें राज्यपाल मंगुभाई पटेल और केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री डॉ. अर्जुनराम मेघवाल भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का 'जल गंगा संवर्धन' महा अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान प्रति दिन छोटी-बड़ी जल संरचनाएं निर्मित कर लोकार्पित की जाएंगी। जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश के भू-जल स्तर में सुधार आएगा। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से मानवता ही नहीं समूची प्रकृति का जीवन अस्तित्व बचाए रखने के लिए पानी की बूंद-बूंद बचाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा है कि पीएम मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बन चुका है। राज्य सरकार भी (खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में) के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें।

मुख्यमंत्री आज करेंगे स्कूल चलें हम अभियान का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक अप्रैल मंगलवार को शासकीय नवीन उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी (ओल्ड कैंपियन) में सुबह 9 बजे 'स्कूल चलें हम' अभियान-2025 का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम भी होगा। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप भी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम के डिजिटल प्लेटफार्म पर लाइव प्रसारण की व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करेंगे। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल 3.0 का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मीडिल, हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

एजुकेशन पोर्टल 3.0 : इस वर्ष एक अप्रैल से नवीन शैक्षणिक सत्र शुरू होने जा रहा है। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2025 के माध्यम से समस्त शासकीय-अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश की कार्रवाही एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर 'स्टूडेंड डायरेक्ट्री मैनेजमेंट सिस्टम' प्रणाली पर की जा रही है। एजुकेशन पोर्टल में स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित सभी कार्यों को शामिल किया गया है। विभाग से संबंधित जानकारी पोर्टल के माध्यम से सुलभ तरीके से प्राप्त की जा सकेगी।

समस्त जिलों में भी होगा प्रवेशोत्सव कार्यक्रम : प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में एक अप्रैल को शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित शाला में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक-सत्र की शुरूआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी और मैदानी अमले को विभाग द्वारा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जाएगा। कक्षा-1 से 8 तक सभी शालाओं में एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जायेगा। इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

बदलाव संपदा-2.0 पर ही होगी संपत्तियों की रजिस्ट्री

प्रदेश में संपदा-1.0 पोर्टल आज से पूरी तरह होगा बंद

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में रजिस्ट्री और स्टांपिंग की प्रक्रिया संपदा-2.0 पोर्टल पर ही होगी। संपदा-1.0 पोर्टल 1 अप्रैल से बंद हो जाएगा। अभी संपदा-2.0 के साथ संपदा-1.0 भी समानांतर संचालित था। प्रदेश में सिर्फ पायलट प्रोजेक्ट वाले चार जिले गुना, रतलाम, हरदा और डिंडोरी में ही पूरी तरह से संपदा-2.0 पर काम हो रहा था। मध्य प्रदेश में ई-पंजीयन प्रणाली में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। एक अप्रैल 2025 से संपदा-1 पोर्टल पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा और केवल संपदा-2 के माध्यम से ही रजिस्ट्री एवं स्टॉम्पिंग की प्रक्रिया होगी। महानिरीक्षक पंजीयन कार्यालय की तरफ से कहा गया कि संपदा-2.0 अधिक सुरक्षित और आधुनिक प्रणाली है। अब तक पायलट प्रोजेक्ट वाले चार जिलों गुना, रतलाम, हरदा और डिंडोरी में ही पूरी तरह से संपदा-2.0 पर काम हो रहा था, बाकी जिलों में संपदा-2.0 के साथ संपदा-1.0 में भी समानांतर रूप से पंजीयन कार्यालयों में पंजीयन का काम किया जा रहा था।

S@MPADA 2.0
e-registry Portal — Govt. of M.P.

कोई भी रजिस्ट्री संपदा-1.0 के माध्यम से नहीं होगी

1 अप्रैल से कोई भी रजिस्ट्री संपदा-1.0 के माध्यम से नहीं हो सकेगी। प्रदेश में रजिस्ट्री और स्टॉम्पिंग की प्रक्रिया 1 अप्रैल से पूरी तरह डिजिटल और नई प्रणाली संपदा-2 पर आधारित होगी। स्टाम्प वेंडरों के लिए यह बदलाव शुरुआत में चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन प्रशासन ने इसे लागू करने का निर्णय ले लिया है। बता दें, 'संपदा-2.0' यह उन्नत तकनीक पर आधारित सॉफ्टवेयर है। इसमें राजस्व वित्त विभाग और नगरीय प्रशासन के साथ जीएसटी और यूनिक आईडी आधार से भी जोड़ा गया है। जमीन की रजिस्ट्री के लिए कलेक्टर की गाइडलाइन दर एप में लोकेशन के माध्यम से मालूम करने की सुविधा है। सॉफ्टवेयर से संपत्ति की जीआईसी मैपिंग, बायोमैट्रिक पहचान और दस्तावेजों की फॉर्मेटिंग की भी सुविधा है। दस्तावेजों के पंजीयन के लिए व्यक्तिगत मौजूदगी की जरूरत नहीं होने की भी सुविधा है।

पशुपालन राज्य मंत्री पटेल ने बुल मदर फार्म का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

बुल मदर फार्म और भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला सौर्य ऊर्जा से होगी रोशन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल द्वारा सोमवार को बुल मदर फार्म एवं भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला, भोपाल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने विभिन्न नस्लों गिर, थारपारकर एवं राठी नस्ल की गायों को देखा और फार्म पर किये जा रहे विभिन्न कार्यों के बारे में डॉ. राजू रावत, प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम एवं डॉ. अमिताब बैनर्जी, प्रबंधक, बुल मदर फार्म से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान राज्य मंत्री पटेल ने मदर फार्म एवं भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला के शेड की छतों पर सोलर पैनल लगवाने के निर्देश दिए, जिससे बिजली उत्पादन कर आय बढ़ाई जा सके। साथ ही आईवीएफ के आवर्ती व्यय के लिए राशि उपलब्ध कराने के लिए परियोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक डॉ. राजू ने बताया कि विभागीय मंत्री द्वारा पूर्व में भ्रमण के दौरान बुल मदर फॉर्म के सुदृढ़ीकरण एवं नए पशु लाने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के अनुपालन में प्रोजेक्ट तैयार कर लिया गया है, जिसे भारत सरकार को भेजे जाने के लिए बैठक में रखा जाएगा। इसी प्रकार अधिक दुग्ध उत्पादन के लिए पशुओं को साइलेज खिलाने के निर्देश भी दिए गए थे।

प्रत्यारोपण प्रयोगशाला के शेड की छतों पर सोलर पैनल लगवाने के निर्देश दिए,

ब्रीफ न्यूज

सलमपुरा में कुश्ती मेला चार अप्रैल को

मौ। नगर परिषद मौ के वार्ड नंबर 15 सलमपुरा में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्व. बाबू सिंह यादव की स्मृति में विशाल दंगल (कुश्ती मेला) का आयोजन आगामी चार अप्रैल शुक्रवार को किया जा रहा है, जिससे राष्ट्रीय स्तर के नामी गिरामी पहलवानों की कुश्तियां होंगी। दंगल मेला के आयोजक उदयभान सिंह यादव निरीक्षक कृषि उपज मंडी समिति मौ ने बताया कि आखिरी कुश्ती विजेता पहलवान को कुश्ती मेला कमेटी की ओर से 21 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की गई है। बताया गया है कि इस बार रोमांचक दंगल मेला में महिला पहलवान भी भाग लेंगी। दंगल मेला कमेटी के भारत सिंह यादव, किलेदार सिंह, बाबू सिंह, रामदास यादव, केशरी सिंह, विचित्र सिंह, दिनेश सिंह, मिठू सिंह, विजेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, कमलेश पुजारी, गोविंद सिंह खैरटिया, कमलेश सोनी, निम्मो सिंह गुर्जर ककइया, सुंदर यादव आदि ने कुश्ती मेला प्रेमियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में नियत समय पर दंगल मेला में शामिल होने की अपेक्षा की है।

ज्ञान मंदिर समिति की नवीन कार्यकारिणी गठित

आलमपुर। ज्ञान मंदिर समिति आलमपुर की नवीन कार्यकारिणी का गत दिवस गठन हुआ। जिसमें अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष भगत सिंह राठौर, सचिव कवि ग्यासीराम गुप्ता, कोषाध्यक्ष बलराम राठौर, मीडिया प्रभारी कृष्ण मुरारी दीवौलिया एवं कार्यकारी प्रबंधक रामजीवन कौरव बनाये गये हैं। नवीन कार्यकारिणी के निर्वाचन का कार्य तेज सिंह तेज एवं केके पठान द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस अवसर समिति से जुड़े अन्य सदस्य गण व नगर के लोग भी मौजूद थे। नवीन कार्यकारिणी गठन के पश्चात नववर्ष के उपलक्ष्य में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय कवियों द्वारा श्रेष्ठ कविताओं का वाचन किया गया। जिन्हें सुनकर श्रोताओं ने जमकर तालिया बजाई। कवि गोष्ठी का संचालन कवि ग्यासीराम गुप्ता अटल ने किया।

आवास योजना में लहार अब्बल, 2943 प्रधानमंत्री आवास मंजूर

लहार/भिण्ड। केन्द्र सरकार द्वारा देश के पात्र हितग्राहियों के लिए विभिन्न योजनाओं को चलाया जा रहा है, जिसके तहत अभी ऐसे लोग जिनके पास रहने के लिए छत नहीं है, उनके लिए आवास योजना की लिंक को खोलकर एवं जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए आदेशित किया गया। जिसमें भिंड जिले में आजतक के इतिहास में पहली बार मुख्यमंत्री मोहन यादव के मार्गदर्शन में लहार विधायक अम्बरीष शर्मा गुडडू द्वारा जिले में सबसे अधिक 2943 आवास लहार विधानसभा के हितग्राहियों को लाभान्वित कराने का काम किया गया। यह पहला मौका है जब पहले ही फेस में लहार विधानसभा को जिले में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसके लिए विधायक के मार्गदर्शन में संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों ने पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित कराया है, इसके लिए लहार की प्रशंसा हो रही है।

बड़े हनुमान जी मंदिर पर हुआ गीता स्वाध्याय का आयोजन

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा एवं सनातनी नव वर्ष के अवसर पर बड़े हनुमान जी न्यास द्वारा मंदिर प्रांगण में गीता स्वाध्याय पाठ का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम रात 8 बजे से प्रारंभ होकर देर रात 10.30 तक चलता रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान कृष्ण और हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। विष्णु कुमार शर्मा द्वारा स्वाध्याय पत्र वाचन किया गया। मंचासीन राम प्रकाश शर्मा पूर्व सरपंच ने भगवान के नाम के महत्व को समझाया। गीता के मुख्य वक्ता रघुराज दैपुरिया ने उपस्थित श्रोताओं से घर पर गीता स्वाध्याय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा

कि गीता जी को भली भांति पढ़कर अर्थ और भाव सहित अंतःकरण में धारण कर लेना ही व्यक्ति का मुख्य कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि मनुष्य की समस्त इंद्रियों को कृष्ण भावनामृत में लगा रहना चाहिए क्योंकि मन को वश में करने की यही सही एवं सरल विधि है।

उन्होंने बताया कि जिस प्रकार विशाल समुद्र जल से भरपूर होता है और वर्षा ऋतु में हजारों नदियों का जल समुद्र में मिलता है फिर भी समुद्र उतने पर ही स्थिर रहता है वह तट की सीमा का उल्लंघन नहीं करता। यही स्थिति कृष्ण भावना में लीन व्यक्ति की है। उन्होंने कहा कि जो मनुष्य संपूर्ण कामनाओं को त्याग कर ममता और अहंकार रहित हुआ विचारता है वही शांति को प्राप्त होता है।

मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष दीपक सिंह भदौरिया ने गीता के बारे में बताया कि गीता स्वाध्याय से मनुष्य किस प्रकार अपने जीवन का कल्याण कर सकता है। उन्होंने नियमित गीता स्वाध्याय पर जोर दिया। सचिव राहुल सिंह भदौरिया ने सभी सुधी जनों से प्रतिदिन घर पर गीता स्वाध्याय का आह्वान किया। इस अवसर पर बड़े हनुमान जी मंदिर की विभिन्न सेवा कार्यों में लगे हुए लोगों का सम्मान किया गया।

कन्या पूजन एवं वृद्ध दंपति पूजन भी इस मौके पर किया गया। मां गीता की आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर केदार शर्मा पूर्व सरपंच, धर्म सिंह भदौरिया अमित चौधरी, बलदेव शर्मा, शैलेंद्र सिंह भदौरिया, शैलेश सक्सेना, अंकित बंसल, महेंद्र शर्मा सहित अनेक गीता प्रेमी उपस्थित रहे।

ईद पर अदा की नमाज, गले लगकर दी मुबारकबाद

सजदे में झुके सिर, अमन चैन के लिए की दुआ

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

शहर की मस्जिदों और ईदगाह पर ईद-उल-फितर की नमाज अदा की गई। शहर की हर एक मस्जिद, मदरसा व ईदगाह पर बढ़ी तादाद में मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे। हर एक मस्जिद पर नमाज का समय अलग-अलग निर्धारित किया गया। मौके पर लोगों ने एक-दूसरे को गले लगकर बधाई दी गई। एक माह से चला आ रहा पवित्र रमजान, ईद-उल- फितर पर्व के साथ सम्पन्न हो गया। मुस्लिम समाज ने इस मौके पर आसपास के मस्जिद व ईदगाहों पर एकत्रित होकर नमाज अदा की। इबादत के बाद शहर काजी इरफान नवी रजवी ने कहा कि रमजान माह इबादत का माह होता है। इस पवित्र माह में लोग रोजा रखते हैं, इबादत करते हैं। आज ईद उल फितर पर जिलेभर के मुस्लिम समाज ने देश के अमन चैन के लिए दुआ की। देश की प्रगति और समृद्धि के लिए दुआ की गई।

बच्चों में दिखा उत्साह

भिण्ड में ईद उल फितर पर लोगों में खास उत्साह रहा। लोग ईद के मौके पर नए कपड़े पहनकर इबादत करने पहुंचे। सबसे ज्यादा उत्साह बच्चों में देखने को मिले। नमाज के बाद लोग एक दूसरे के गले मिले। वहीं युवाओं ने भी एक दूसरे को बधाई दी। बुजुर्ग भी इबादत के बाद परिचित व रिश्तेदारों को फोन कॉल व घरों पर पहुंचकर बधाई देते नजर आए।

विधायक पहुंचे ईदगाह

शहर के ईदगाह पर भिंड विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह पहुंचे। यहां उन्होंने मुस्लिम समाज के लोगों को बधाई दी। विधायक ने मुलाकात करते हुए उनके हाल चाल जाना। इसी तरह से भिंड एएसपी संजीव पाठक ने भी लोगों को ईद की मुबारकबाद दी।

इन मस्जिदों में हुई नमाज

शहर के जामा मस्जिद, दरगाह मस्तान शाह सदर बाजार, जामा मस्जिद नयापुरा, छोटी मस्जिद वनखण्डेश्वर रोड, शाही मस्जिद किला, मस्जिद सुभाष नगर छत्तीसा, मस्जिद खिड़किया मोहल्ला, भवानीपुरा मस्जिद, हाजी नगर डायवर्सन रोड, मस्जिद बीटीआई रोड, मदरसा हेवतपुरा रोड के अलावा जिले के विभिन्न कस्बों एवं नगरों में स्थित मस्जिदों में नमाज अदा की गई।

उप जेल लहार, गोहद एवं मेहगांव का हुआ औचक निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड उमेश पाण्डव द्वारा उपजेल लहार, गोहद एवं मेहगांव का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त जेल निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष द्वारा बंदियों को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं जैसे भोजन, जल, बिस्तर, साफ-सफाई आदि का विधिवत रूप से जायजा लिया गया तथा विद्यमान कमियों को दूर करने का निर्देश जेल प्रशासन को दिया गया। इसके साथ ही विधिक सहायता के संबंध में बंदियों से पूछताछ की गई तथा ऐसे बंदी जिन्होंने विधिक सहायता की मांग की। उन्हें निशुल्क अधिवक्ता प्रदाय किये जाने हेतु तहसील विधिक सेवा समिति लहार, गोहद एवं मेहगांव को निर्देशित भी किया गया।

उक्त अवसर पर तहसील विधिक सेवा समितियों के अध्यक्ष राकेश बसंल जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील लहार, अनिल कुमार नामदेव जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील मेहगांव, श्रीमती आरती ए शुक्ला जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील गोहद जिला भिण्ड एवं अन्य न्यायिक अधिकारीगण एवं सौरभ कुमार दुबे, जिला विधिक सहायता अधिकारी जिला प्राधिकरण भिण्ड एवं उपजेल लहार, गोहद एवं मेहगांव के उपजेल अधीक्षक एवं उपजेलों तथा विधिक सेवा समितियों का समस्त स्टॉफ भी उपस्थित रहा।

जामा मस्जिद में कंट्रक्शन के चलते अन्य मस्जिदों में कराई नमाज

सत्ता सुधार ■ गोहद

सोमवार को ईद के चलते ईदगाह, बाबा कपूर, छोटी मस्जिद, खपरिया मस्जिद एवं कादरी मस्जिद में नमाज अदा की गई। एक दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी, लेकिन जामा मस्जिद में नमाज पढ़ने को लेकर विवादित स्थिति बनी, लेकिन पुलिस व प्रशासन के दखल के बाद मामला मैनेज हो गया।

दरअसल कुछ लोग जामा मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए पहुंचे थे, लेकिन मस्जिद में निर्माण कार्य चलने के कारण रविवार को थाना गोहद में बैठक आयोजित कर आपसी सहमति के चलते जामा मस्जिद में नमाज न पढ़ने का निर्णय लिया गया था, लेकिन जानकारी के अभाव में कुछ लोग सोमवार को ईद की नमाज के लिए जामा मस्जिद पहुंच गए।

जिसकी सूचना मिलते ही एसडीएम पराग जैन, एसडीओपी सौरभ कुमार, तहसीलदार विश्राम शाक्य, थाना प्रभारी मनीष धाकड़ राजस्व निरीक्षक, पटवारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और सभी लोगों को समझाइश दी गई। जिसके बाद सभी लोग मान गए और दूसरी मस्जिद में जाकर नमाज अदा की।

गर्मी में पेयजल व्यवस्था हेतु नियंत्रण प्रकोष्ठ कंट्रोल रूम गठित

कन्ट्रोल रूम कार्यपालन यंत्री पीएचई विभाग भिण्ड में स्थापित

भिण्ड। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग भिण्ड ने जिले में ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुये पेयजल व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से नियंत्रण प्रकोष्ठ कन्ट्रोल रूम का गठन कर कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड भिण्ड में (कन्ट्रोल रूम) स्थापित किया है। जिसका फोन नं. 07534-244633 है। कंट्रोल रूम प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक चालू रहेगा जिसके प्रभारी केएन शर्मा प्रभारी सहायक यंत्री मोबाइल नं. 6263632215 है। गठित नियंत्रण प्रकोष्ठ (कन्ट्रोल रूम) पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिसमें सोमवार से शुक्रवार शासकीय अवकाश को छोड़कर सुबह 8 बजे से दोपहर दो बजे तक पंप अटेंडर अनिल जैन मो. 9826463384 एवं दोपहर दो बजे से रात्रि 8 बजे तक हैण्डपम्प टैक्नीशियन गुरुदास यादव मो. 8435666136 की ड्यूटी तथा शासकीय अवकाश के दिन सुबह 8 बजे से दोपहर दो बजे तक बिल क्लर्क सुरेश सिंह भदौरिया मो. 8964911184 एवं दोपहर दो बजे से रात्रि 8 बजे तक संविदा हैण्डपम्प टैक्नीशियन लाखन सिंह रायपुरिया मो. 7828221165 की ड्यूटी लगाई गई है।

बालाजी मेले में किया फायर, आरोपी गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

मिहोना कस्बे के बालाजी मंदिर पर लगे मेले में रविवार शाम को एक युवक ने कट्टे से फायर कर दिया। इससे मेले में आए सैलानियों के बीच दहशत फैल गई। हालांकि यहां मौजूद लोगों ने युवक और उसके दोस्तों को पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। जानकारी के अनुसार मेला के झूला सेक्टर में रविवार शाम को सैलानियों की भीड़ थी। एक झूले के पास रंगदारी दिखाते हुए भूरे भारद्वाज ने कट्टे से फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली किसी को लगी नहीं। इसके बाद यहां सैलानी दहशत में आ गए। फायरिंग करने वाला युवक भूरे भारद्वाज और उसके साथी यहां से भाग पाते उससे पहले ही कुछ लोगों ने इन्हें पकड़ लिया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस इनको थाने लेकर आई। भूरे भारद्वाज के पास से एक कट्टा बरामद हुआ। बताया गया है कि पुलिस ने इसके खिलाफ केस दर्ज किया है।

धरना प्रदर्शन का 239वां दिन

पूर्व नेता प्रतिपक्ष की कोठी के अंदर आम रास्ता पर अतिक्रमण हटाने चल रहा धरना प्रदर्शन

लहार। अनुसूचित जाति संघर्ष समिति लहार द्वारा लहार की शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 2711, 2715 का सीमांकन उपरांत अतिक्रमणकारियों के कब्जे से मुक्त नहीं कराये जाने के विरोध में दिनांक 05.08.2024 से दशहरा मैदान भाटनताल पर अनुसूचित जाति व अन्य समाज के लोगों द्वारा अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन चल रहा है। सोमवार को धरना प्रदर्शन का 239वां दिन है। बाबूलाल टैगोर के नेतृत्व में चल रहा धरना प्रदर्शन पिछले 239 दिन से लगातार जारी है। जिसमें सोमवार को बच्चूलाल विश्वकर्मा, रामनारायण नेताजी, हरगोविंद सिंह बघेल, सोनू नागर, देवेंद्र सिंह, सोनेलाल रायपुरिया, जसमंत सिंह कुशवाह, रामदास जाटव, बंटू सिंह कुशवाह, छोटे सिंह राजावत, डॉ. सरनाम सिंह, सुरेंद्र राठौर, संजय सिंह कुशवाह, बालकिशुन दोहरे, गिरजा शंकर बघेल, रामकुमार राठौर, आदि समर्थन देने पहुंचे।

धार्मिक अनुष्ठान, हवन, भजन-कीर्तन, प्रवचन हुए

प्रकर्ष फाउंडेशन मनाया हिंदू नववर्ष एवं गुड़ी पड़वा

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

प्रकर्ष फाउंडेशन भिंड ने सगरा ताल स्थित रामजानकी मंदिर में हिंदू नववर्ष एवं गुड़ी पड़वा के पावन पर्व को अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। इस भव्य आयोजन में अनेक महान संतों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिन्होंने अपने आशीर्वचनों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान, हवन, भजन-कीर्तन और प्रवचन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

हिंदू नववर्ष उत्सव के पश्चात प्रकर्ष फाउंडेशन के सदस्यों ने मंदिर

परिसर स्थित गौशाला का भ्रमण किया और वहां की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। इस दौरान उन्होंने गौशाला में गौवंश की देखभाल, चारे-पानी की व्यवस्था एवं उनकी सेवा-सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। फाउंडेशन के सदस्यों ने गौसेवा का संकल्प लेते हुए कहा कि गौमाता केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन में भी अहम भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हिंदू संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि समाज में आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए ऐसे आयोजनों की निरंतरता आवश्यक है।

भविष्य में भी प्रकर्ष फाउंडेशन धार्मिक, सामाजिक एवं गौसेवा से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। इस अवसर पर फाउंडेशन की अध्यक्ष आरती सिंह, सचिव मोहन सिंह, कोषाध्यक्ष उमेश सिंह, बोर्ड मेंबर नितिन सिंह, संजय सिंह कुशवाह, राजीव सिंह कुशवाह, अभिजीत सिंह कुशवाह एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चिराग बने अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के ब्लॉक अध्यक्ष

सत्ता सुधार ■ दबोह

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गोयल के निर्देश एवं प्रदेश अध्यक्ष युवा इकाई राहुल गुप्ता की अनुशंसा पर सामाजिक कार्य एवं गतिविधियों को देखते हुए दबोह निवासी चिराग गुप्ता गोलू को अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश की युवा इकाई में लहार तहसील का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

चिराग गुप्ता ने बहुत ही कम उम्र व समय में व्यापार व पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। वर्तमान में चिराग दबोह में पत्रकारिता कर रहे हैं। जिसके चलते उन्हें अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की मध्यप्रदेश की युवा इकाई में ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। इससे पहले चिराग गहोई नवयुवक मंडल दबोह में मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी का निर्वाहन भी कर चुके हैं। चिराग को ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर उनके मित्रगण व वैश्य समाज ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद, सेवइयां खिलाकर मुंह मीठा कराया

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

चांद दिखने के बाद सोमवार को ईद उल फितर मनाई गई। सुबह 7.30 बजे से 9.15 बजे तक ग्वालियर की आधा सैकड़ा से ज्यादा मस्जिद, ईदगाहों पर एक साथ ईद की विशेष नमाज अदा की गई। नमाज के बाद मस्जिद से बाहर आए मुस्लिम समाज के युवाओं, बुजुर्ग और बच्चों ने एक दूसरे के गले लगकर ईद उल फितर की मुबारकबाद दी। ईद के मौके पर शहर में हर तरफ खुशी का माहौल देखा गया। कोई अप्रिय घटना न घटे, इसके लिए पुलिस फोर्स भी तैनात रहा।

रूयते हिलाल कमेटी के सदर शहर काजी अब्दुल अजीज कादरी ने बताया कि सोमवार को ईद का पर्व मनाया गया। शहर की सबसे बड़ी मस्जिद फूलबाग की मोती मस्जिद में सुबह 9 बजे ईद उल फितर की विशेष नमाज पढ़ी गई। इसके बाद बाहर निकलकर बच्चों और बड़ों ने एक दूसरे को गले सज गये थे। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद के मौके पर कपड़े, गहने खरीदे। इतिहास में बताया गया है कि रोजा रखकर ही पैगंबर मुहम्मद ने अपने अनुयायियों के साथ दुश्मन की भारी भरकम सेना को भी धूल चटा दी थी। जंग-ए-बद्र की जीत के बाद खुशी में लोगों का मुंह मीठा करवाया गया था, जिसके बाद से इस दिन को मीठी ईद या ईद-उल-फितर के रूप में मनाया जाता है। ईद उल फितर पर मुस्लिम समुदाय के लोग एक दूसरे को मीठी सेवइयां खिलाकर मुंह मीठा कराते हैं।

गर्मी के तीखे तेवर, शिक्षा विभाग ने बदला स्कूल संचालन का समय

ग्वालियर। प्रदेश में शुरुआत से ही गर्मी का तेज असर दिखना शुरू हो गया है। इसको देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा एक अप्रैल से स्कूलों में क्लास लगाने को लेकर नए निर्देश जारी किए गए हैं। अप्रैल महीने में स्कूलों में दोपहर की सिफ्ट नहीं लगाई जाएगी। जिला प्रशासन की तरफ से जारी किए गए आदेश के मुताबिक 1 अप्रैल से स्कूलों में कक्षाएं बदले हुए समय से संचालित की जाएंगी।

नए दिशा निर्देशों के बाद अब दोपहर में स्कूल संचालित नहीं होंगे। प्ले ग्रुप से कक्षा 2 तक के स्कूल अब सुबह 8 बजे से लगेंगे और दोपहर 12 बजे छुट्टी हो जाएगी। वहीं कक्षा 3 से 12वीं तक के स्कूल सुबह 8 बजे से खुलेंगे और दोपहर में 1 बजकर 30 मिनट तक ही संचालित होंगे। ग्वालियर जिला शिक्षा अधिकारी की तरफ से सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के लिए यह आदेश जारी कर दिए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि गर्मी का असर होने की वजह से छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसके चलते स्कूलों का समय बदला गया है।

सामूहिक परिवार बिखरने से रिश्ते टूट रहे हैं : ऐरन

सम्मेलन में 300 परिवारों ने बच्चों के रिश्ते करने की बात की

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा 123वां युवक युवती परिचय सम्मेलन श्योपुर की अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान अग्रसेन की पूजा अर्चना कर किया गया। कार्यक्रम में अग्रवाल परिचय पत्रिका का विमोचन भी किया गया। पत्रिका के माध्यम से सभागार में उपस्थित 300 परिवारों ने अपने बच्चों के रिश्ते की बात एक-दूसरे से की। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने कहा कि आज समाज के सामने बच्चों के रिश्ते को मजबूत बनाये रखने की चुनौती है। वर्तमान में ज्यादातर लोग एकल परिवार के रूप में रह रहे हैं, जिसकी वजह सामूहिक चर्चा और बातचीत का पारिवारिक माहौल समाप्त होता जा रहा है। हमें रिश्तों को मजबूत बनाये रखने के लिए गंभीरतापूर्वक विचार करना होगा। कार्यक्रम को मुकेश सिंघल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, नरेश जिन्दल राष्ट्रीय सह सचिव, अमरनाथ गोयल प्रदेश उपाध्यक्ष ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अनिल गर्ग प्रदेश उपाध्यक्ष, विजय गोयल उपाध्यक्ष सहित श्योपुर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनोज गुप्ता, केके गर्ग सचिव, दीपक मित्तल उपाध्यक्ष, शंभूदयाल गोयल, भगवती मंगल, मुकेश गोयल, डॉ. विष्णु कुमार गर्ग, राजीव गर्ग, किशन सिंघल, महेश सिंघल, कमलेश अग्रवाल, पवन गर्ग, मनोज गोयल, नरेश गर्ग, कुशल गोयल, उमेश मंगल, अमित मंगल, मदनमोहन गर्ग, जगदीश गर्ग, दिनेश बंसल, उद्धव गर्ग, दिनेश गोयल उपस्थित थे।

सम्मेलन में मध्यप्रदेश के साथ राजस्थान के जयपुर, कोटा, बारां, अलवर के अग्रबंधुओं ने बच्चों के रिश्ते तलाश किये। इस अवसर पर हर्षिता सिंघल, श्रुति गुप्ता, अन्नू गर्ग, भूमि गोयल सहित 11 महिलाओं को सामाजिक सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

पेंशन वृद्धि को लेकर विकलांगजनों ने किया सुंदरकांड पाठ

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

पूर्व घोषणा के तहत विगत रोज रविवार को कांग्रेस विकलांग कल्याण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय शसक्त दिव्यांग आत्मनिर्भर ट्रस्ट के तत्वावधान में विकलांग, वृद्ध, विधवा निराश्रितों की राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन में इन्दौर उच्चतम न्यायालय की डबल बेंच द्वारा 2023 में सरकार को दिए गए आदेश अनुसार मप्र सरकार द्वारा विकलांगजनों की अपेक्षा लाड़ली बहनाओं को आर्थिक सहायता के रूप में हर माह 1250 जो सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं उससे 25 प्रतिशत अधिक 600 रुपए से बढ़ाकर 1562 रुपये मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन विकलांग जनों की किये जाने को लेकर मध्यप्रदेश सरकार को 45 दिनों में निर्णय लेकर शीघ्र विकलांग जनों को लाभ दिये जाने का आदेश दिया था।

इतना ही नहीं बीजेपी ने 2023 में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के अपने मेनीफेस्टो में भी घोषणा की थी कि हमारी सरकार बनने के बाद विकलांग, वृद्ध, विधवा एवं परित्यागता निराश्रितों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1500 रुपए माह दिये जाने की चुनावी मंचों से घोषणा की थी, जो आज दिनांक तक पूरी नहीं की गई। बीजेपी सरकार द्वारा अपने किए गए वादे और उच्चतम न्यायालय के आदेश का मान रखने के लिए मप्र सरकार को सद्बुद्धि दिये जाने को लेकर फूलबाग गांधी प्राणी उद्यान गेट पर दृष्टिबाधित विकलांग मुकुंद यादव एवं निशिकांत कौरव की भजन मंडली द्वारा गांधीवादी तरीके से सुन्दरकाण्ड का शांति पाठ किया गया। पेंशन वृद्धि को शीघ्र लागू नहीं किये जाने को लेकर शहर जिला कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनूप जौहरी एवं जिला अध्यक्ष जीतू यादव ने कहा कि अगर इसके बाद भी विकलांगजनों की पेंशन में शीघ्र वृद्धि नहीं की गई तो हमारा संगठन उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने के विरुद्ध शीघ्र ही उच्चतम न्यायालय में अवमानना याचिका दायर करने की रणनीति तैयार करेगा। इस मौके पर परमार सिंह कुशवाह, कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष वीर सिंह तोमर, वरिष्ठ नेता रामनिवास शर्मा, रामनरेश तिवारी, सुरेश चौहान आदि थे।

जेसीआई ग्वालियर मृगनयनी ने दी ईपीएस ट्रेनिंग

ग्वालियर। जेसीआई ग्वालियर मृगनयनी द्वारा अपने अध्याय के मेंबर्स के लिए इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग (ईपीएस) ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। जेसी हनी शर्मा ने बताया कि नेशनल ट्रेनर के रूप मे अंजलि बत्रा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस मौके पर नये तरीके से ट्रेनिंग के माध्यम से मेंबर्स के अंदर बोलने की कला को निखारा एवं उनके अंदर के माइक के डर और झिझक को दूर किया। ट्रेनिंग देने ओर लेने की रूचि का आलम ये था कि ये ट्रेनिंग करीब चार घंटे तक लगातार चली। ट्रेनिंग में अध्याय की पास्ट प्रेसिडेंट जेसी अमृता शर्मा, सीमा भार्गव, प्रोग्राम कोर्डिनेटर प्रीती नामदेव, सचिव शैली अग्रवाल के साथ ट्रेनिंग में पार्टिसिपेंट्स के रूप में संस्था के 30 सदस्य उपस्थित रहे।

भाविप शाखा समर्पण की नई कार्यकारिणी गठित

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भारत विकास परिषद के प्रांतीय आदेशानुसार शाखा समर्पण के निर्वाचन शाखा संरक्षक अरविंद दूदावत, संस्थापक संजय धवन और क्षेत्रीय संयुक्त सचिव अनूप अगवाल की उपस्थिति में निर्वाचन अधिकारी अशोक गर्ग ने परिषद् की रीति नीति के अनुसार सम्पन्न कराए। इसमें सर्वसहमति से 2025-26 के लिए अध्यक्ष पर विम्मी सचदेवा, सचिव लता गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष पद पर मनीषा श्रीवास्तव को चुना गया। साथ ही उपाध्यक्ष पद पर वंदना भूपेन्द्र प्रेमी, ज्योति शर्मा, पंकज शर्मा, महेश धीमान को बनाए गए। चुनाव अधिकारी अशोक गर्ग ने सभी नवीन दायित्वधारियों को बधाई दी। कार्यक्रम की राष्ट्रगीत वंदेमातरम और समापन राष्ट्रगान से हुआ। सभी को चंदन, तिलक लगाकर नव संवत्सर की बधाई दी। इस अवसर पर अशोक गर्ग कहा कि शाखा समर्पण ने इस वर्ष दस गरीब बेटियों की शादी का संकल्प पूरा किया। आगे भी शाखा सेवा के कार्य करती रहेगी। निर्वाचन उपरांत अध्यक्ष गुलाब प्रजापति ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पंकज शर्मा, महेश धीमान, कैलाशचन्द अग्रवाल, सुनील मिश्रा, देवेन्द्र शिवहरे, संजय श्रीवास्तव, अंकुर गुप्ता, भूपेंद्र प्रेमी, डीसी तिवारी, प्रवीण पवार, श्याम मांडिल, विजय शर्मा, मातृशक्ति श्रीमती मधु धवन, पुष्पा प्रजापति, वंदना प्रेमी, मधु धीमान, ज्योति शर्मा, विम्मी सचदेवा, लता गुप्ता, रुपल शिवहरे, नीरु शर्मा आदि उपस्थित रहे।

नमो नमो मोर्चा के पदाधिकारियों ने जिला उपाध्यक्ष से की भेंट

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

नमो नमो मोर्चा के पदाधिकारियों ने भाजपा के जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर भदौरिया से सौजन्य भेंट की। पदाधिकारियों ने कहा कि यह भेंट न केवल संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक थी, बल्कि युवा नेताओं के मार्गदर्शन और अनुभव प्राप्त करने का एक सुनहरा अवसर भी था। इस अवसर पर अमित श्रीवास्तव भाजपा जिला सह संयोजक आईटी, पिंटू परिहार पूर्व जिला कार्यालय मंत्री किसान मोर्चा, अनिल सोनी

डॉ. भीमराव अंबेडकर मंडल संयोजक आईटी, राकेश पुष्पद वरिष्ठ भाजपा नेता, राजीव श्रीवास्तव पूर्व जिला सह संयोजक मुख्यमंत्री जन कल्याण प्रकोष्ठ, कृष्णा थानेश्वर भाजपा युवा नेता एवं नमो नमो मोर्चा मंडल मंत्री, विनोद कुशवाह भाजपा युवा नेता सहित सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती और जनसेवा को लेकर अपने विचार रखे। इस मुलाकात से कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने और समाज के हित में कार्य करने की नई ऊर्जा मिली।

मप्र भ्रष्टाचार और अपराध में प्रथम स्थान पर: सिकरवार

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार और अपराध में प्रथम स्थान पर है, जिसका पूरा श्रेय भाजपा सरकार को जाता है, पूरा प्रदेश भाजपा सरकार ने कर्ज में डूबो दिया है, विकास कार्य ठप पड़े हैं। जनता को बुनियादी सुविधायें नही मिल रही है, क्योंकि सरकार के पास जनता की समस्याओं के बारे में सोचने का समय नहीं है। यह सरकार केवल उद्योगपतियों के लिये काम कर रही है। लेकिन कांग्रेस पार्टी जनता की समस्याओं के निराकण और न्याय दिलाने के लिये कोई कसर नही छोड़ेगी। अगर जरूरत पडी तो कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेगा। यह विचार विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 22 के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कही। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मेला ग्राउण्ड के वार्ड क्रमांक 22 की बैठक सुबह 10 बजे लोट्स स्कूल, न्यू तरूण विहार में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह नेताजी, ब्लॉक अध्यक्ष महादेव अपोरिया, पार्षद प्रमोद खरे, रामगोपाल मिलन, कैप्टन रामसिया शाक्य, जिलाध्यक्ष आई.टी. सेल आदित्य सेंगर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेमिनार सीए स्टूडेंट्स को बैंक ऑडिट की बारीकियों से कराया अवगत

वित्तीय विवरणों का तुलनात्मक अध्ययन करना जरूरी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की सिकासा ग्वालियर ब्रांच ने स्टूडेंट्स के लिए बैंक ऑडिट पर सेमिनार का आयोजन किया। बैंक ऑडिट के सेमिनार में स्टूडेंट्स को बैंक ऑडिट करते समय किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए इसके बारे में बताया गया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य आर्टिकलशिप ट्रेनिंग कर रहे स्टूडेंट्स को बैंक ऑडिट के संबंध में व्यवहारिक और वास्तविक ज्ञान देना था। ब्रांच के सिकासा चैयरमेन सीए पंकज शर्मा ने सभी स्टूडेंट्स और मुख्य वक्ताओं का स्वागत किया। सेमिनार में मुख्य वक्ता ग्वालियर ब्रांच के पूर्व चैयरमेन एवं वरिष्ठ फेकल्टी सीए अरुण डागा एवं कोर बैंकिंग आईटी फील्ड की गहन जानकारी रखने वाले सीए संदीप अग्रवाल रहे। सीए अरुण डागा ने सीए स्टूडेंट्स को बताया कि ऑडिटर के रूप में हमें परिस्थितियों का अवलोकन करना आना चाहिए, आर्टिकलशिप के दौरान जब हम अपने प्रिंसिपल के साथ ऑडिट पर जाते हैं तो उस काम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए और सवाल जवाब करना बेहद जरूरी है इससे नए निष्कर्ष निकल कर आने की संभावना अधिक हो जाती है। सीए स्टूडेंट्स को बैंक के वित्तीय विवरणों का तुलनात्मक अध्ययन करना चाहिए और बड़े अंतरों की जांच करनी चाहिए। वहीं दूसरे वक्ता सीए संदीप अग्रवाल में बैंक केसीबीएस (कोर बैंकिंग सॉल्यूशन) के अंदर ऑडिट करने के तरीकों की बात करते हुए बैंकिंग सॉफ्टवेयर फिनेकल, बैंक्स, फ्लेक्स क्यूब सॉफ्टवेयर के यूजर मेन्यू और जरूरी कमांड्स के बारे मे समझाया। केवल सिस्टम के भरोसे न रहने की सलाह दी और मास्टर डेटा को चेक करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन सीए स्टूडेंट मुस्कान वर्मा ने किया।वहीं धन्यवाद प्रस्ताव सिकासा मेंबर सीए नगेन्द्र सिंह कुशवाह ने दिया। इस मौके पर ब्रांच के सिकासा अध्यक्ष सीए पंकज शर्मा, सचिव सीए गगन जैन, सिकासा मेंबर सीए नगेन्द्र सिंह कुशवाह, कोषाध्यक्ष सीए विवेक कुमार जैन एवं सिकासा ब्रांच कमेटी के सदस्य आयुष गुप्ता एवं नमन अग्रवाल उपस्थित रहे।

चेम्बर भवन में 1 करोड़ के राजस्व की हुई प्राप्ति

ग्वालियर। नगर निगम के सहयोग से सभी 66 वार्डों के नागरिकों की सुविधा हेतु अपर आयुक्त नगर निगम अनिल दुबे के सानिध्य में सम्पत्ति कर शिविर का आयोजन चेम्बर भवन में किया गया। शिविर में नगर निगम को सम्पत्ति कर के रूप में 1 करोड़ 20 लाख रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई। चेम्बर अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष हेमन्त गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष संदीप नारायण अग्रवाल ने कहा कि सम्पत्तिकर शिविर में जो विसंगतियां सामने आई हैं, उन्हें भविष्य में आयोजित किए जाने वाले सम्पत्ति कर शिविर में ठीक किया जाएगा।

कार्यालय नगर परिषद दबोह जिला भिण्ड (म.प्र.)

NIT No.173/UADD/2025/DABOH/e-tendering दबोह,दिनांक 28.03.2025

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना (चतुर्थ आमंत्रण)

एतद् द्वारा केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि इस निकाय द्वारा **अमृत 2.0 योजनान्तर्गत पार्क निर्माण कार्य हेतु** निविदायें आमंत्रित की जाती है। जिस हेतु ऑनलाइन टेण्डर आई. डी क्र. **2025_UAD_413468_1** नविदायें ई–टेण्डरिंग के माध्यम से इच्छुक ठेकेदार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के 02 अगस्त 2021 से प्रभावी ***ISSR*** (भवन, रोड एवं पेयजल) पर आज दिनांक तक संशोधित सहित निविदा प्रपत्र अपेन्डिक्स 2.10 पर प्रतिशत दरों के आधार पर ऑनलाइन निविदा दिनांक **16.04.2025** सायं **05:30** बजे तक क्रय एवं प्रस्तुत कर सकते है। उपरोक्त निविदा का प्रकाशन नगरीय प्रशासन की बेवसाइट www.mpurban.gov.in पर अवलोकन कर सकते है। निविदा में किया गया कोई भी संशोधन उक्त बेबसाइट पर किया जावेगा। पृथक से कोई भी प्रकाशन नहीं किया जावेगा। अतः सम्बंधित जानकारी उक्त बेबसाइट पर देखी जावे, निविदा से सम्बंधित अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में सम्बंधित शाखा में देखी जा सकती है उपरोक्त सूचना विभाग की बेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

(विमला दुधारिया)
अध्यक्ष
नगर परिषद–दबोह

(प्रमोद कुमार बरुआ)
मु.न.पा.अधिकारी
नगर परिषद–दबोह

ब्रीफ न्यूज

जेलेंस्की और पुतिन को धमकाने में लगे ट्रंप, दोनों के झगड़े का फायदा उठा रहे

वॉशिंगटन। कहते हैं दो के झगड़े में तीसरा फायदा उठाता है। रूस और यूक्रेन युद्ध में भी कुछ इसी तरह हो रहा है। जहां अमेरिका इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पर निशाना साधा है। ट्रंप ने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है कि जेलेंस्की खनिज संसाधन डील से पीछे हटने की कोशिश कर रहे हैं अगर ऐसा होता है तो यह उनके लिए बहुत बड़ी समस्याएं लेकर आएगा। इससे पहले ट्रंप ने रूस के ऊपर भी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रंप ने कहा कि अगर पुतिन शांति समझौते के लिए तैयार नहीं होते हैं और ऐसे ही इसे टालते रहते हैं तो फिर अमेरिका रूसी तेल के ऊपर 25 से 30 फीसदी का सेकेंडरी टैरिफ लगाएगा। मीडिया से ट्रंप ने कहा, जेलेंस्की, मुझे लगता है वह इस डील से पीछे हटने की कोशिश कर रहे हैं। हम यह डील कर चुके हैं लेकिन अब वह कह रहे हैं कि हम फिर से बात करेंगे। वह नाटो का सदस्य बनना चाहते हैं। हालांकि यह उन्हें भी पता है कि वह कभी भी नाटो के सदस्य नहीं बनेंगे। अगर इसके बाद भी वह ऐसा करते हैं और डील से पीछे हटते हैं तो यह उनके लिए हकीकत में बड़ी समस्याएं लेकर आने वाला है।

चीन में शादी की दर में भारी गिरावट दर्ज

बीजिंग। पिछले कुछ सालों में चीन में शादी की दर में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बढ़ती महंगाई, बदलते सामाजिक मूल्यों और महिलाओं की स्वतंत्रता की ओर बढ़ती सोच के चलते शादी से दूरी बनाने का चलन बढ़ रहा है। 2024 में केवल 6.1 मिलियन जोड़ों ने शादी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया, जो 2023 की तुलना में 20 प्रतिशत कम है। यह संख्या 1986 के बाद की सबसे कम है।

गाजा में थम नहीं रहे हमले ....

ईद पर भी इजरायल ने बरपाया कहर, मारे गए 64 लोग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ईद उल फितर को लेकर दुनिया भर में जश्न का माहौल है। हालांकि, गाजा के लोगों के लिए ईद का दिन भी राहत की खबर लेकर नहीं आया है। इजरायल ने ईद के मौके पर भी गाजा पर हमले जारी रखे हैं। इन हमलों में गाजा में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने अलग-अलग इलाकों पर भीषण बमबारी की है जिसमें दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं।

इजरायल ने जारी किया नया फरमान

इस बीच इजरायल की सेना ने गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर रफा के अधिकांश हिस्सों को खाली करने के आदेश जारी किए हैं। सोमवार को जारी किए गए ये आदेश इजरायल द्वारा युद्धविराम समाप्त करने और इस महीने की शुरुआत में हमास के खिलाफ हवाई एवं जमीनी युद्ध को फिर से शुरू करने

के बाद आए हैं।

हमास ने की आलोचना

हमास ने ईद के मौके पर इजरायली हमलों की जमकर आलोचना की है। हमास ने कहा है कि यह हमले इजराइल की गलत सोच को दर्शाते हैं। रविवार को फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने 14 लापता इमरजेंसी वर्कर्स के शव बरामद किए हैं। समूह ने बताया है कि पिछले सप्ताह गाजा में इजरायली सेना के हमलों में उनकी मौत हुई थी। गाजा में लोगों का कहना है कि उनके पास खाने के लिए अनाज तक नहीं है और वो किसी तरह जिंदा रहने की कशिश कर रहे हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम समझौते को लेकर एक नया प्रस्ताव पेश किया है। नेतन्याहू ने कहा है कि हमास को अपने हथियार डाल देने चाहिए और युद्धविराम के अंतिम चरण तक पहुंचने के लिए गाजा की सुरक्षा इजरायल को सौंप देनी चाहिए। इजरायल और हमास के बीच जंग में 50,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं और 1,13,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

ट्रंप की भीषण बमबारी की धमकी के बाद ईरान मिसाइल दागने के लिए तैयार

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता है तो उसे भीषण बमबारी का सामना करना पड़ेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दुनिया में जल्द ही एक और बड़ा युद्ध छिड़ने के आसार दिख रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह नए परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता है तो उसे भीषण बमबारी और आर्थिक दबाव सहित गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। वहीं, ट्रंप की धमकी के बाद ईरान भी मिसाइल दागने के लिए तैयार है। तेहरान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अपनी भूमिगत मिसाइल सिटी में सभी लॉन्चर लोड कर लिए हैं और हमला करने के लिए तैयार है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश को धमकी दी थी कि अगर वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं करता है तो वह उस पर बमबारी कर देगा। हालांकि मिसाइल हमले को लेकर ईरान की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। ईरान ने हाल ही में ट्रंप से बातचीत करने से भी इनकार कर दिया है। ये घटनाक्रम ऐसे समय पर

हो रहा है जब अमेरिका यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर हवाई हमले कर रहा है। ऐसे में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाते हुए सैन्य कार्रवाई किए जाने का खतरा बना हुआ है।

ट्रंप ने दी खुली धमकी

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा था कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर उनके साथ समझौता नहीं करता है तो ईरान पर बमबारी की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने ईरान पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बात भी कही है। एनबीसी न्यूज से बातचीत में ट्रंप ने कहा, यदि वे समझौता नहीं करते हैं, तो बमबारी होगी। लेकिन इस बात की भी संभावना है कि यदि वे समझौता नहीं करते हैं, तो मैं उन पर सेकेंडरी टैरिफ लगा दूंगा, जैसा मैंने चार साल पहले किया था। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में ईरान के साथ परमाणु समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था। इस समझौते में प्रतिबंधों में राहत के बदले में तेहरान की विवादित परमाणु गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध लगाए गए थे। समझौता खत्म होने के बाद, ईरान ने जमकर यूरेनियम का भंडार किया है। ईरान गैर परमाणु शक्ति वाले देशों के लिए तय सीमा से काफी ज्यादा यूरेनियम इकट्ठा कर रखा है।

अमेरिका से सीधी बातचीत नहीं: ईरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने रविवार को कहा कि ईरान अपने तेज़ी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ सीधी बातचीत को सिरे से ख़ारिज करता है. समाचार एजेंसी एपी के मुताबिक़, यह अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के देश के सर्वोच्च नेता को भेजे गए पत्र पर तेहरान की पहली प्रतिक्रिया है. राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने कहा कि ओमान के ज़रिए ईरान ने अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष बातचीत की संभावना को खुला छोड़ दिया है. ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2018 में ईरान के साथ साल 2015 में हुए परमाणु समझौते को रद्द कर दिया था. इसके बाद उन्होंने ईरान पर अपनी अधिकतम दबाव रणनीति के तहत प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया. 2015 के समझौते के अनुसार, ईरान अपनी संवेदनशील परमाणु गतिविधियों को सीमित करने और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षकों को आने की अनुमति दी थी।

तालिबान ने सुना दिया फरमान, कहा अफगानिस्तान में पश्चिमी कानूनों की कोई जरूरत नहीं

एजेंसी ■ काबुल

तालिबान के एक नेता ने कहा है कि अफगानिस्तान में पश्चिमी देशों के कानूनों की कोई जरूरत नहीं है और जब तक शरिया कानून प्रभावी हैं, तब तक लोकतंत्र का अस्तित्व नहीं है। तालिबानी नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने कंधार स्थित ईदगाह मस्जिद में ईद-उल-फितर पर उपदेश देते हुए यह टिप्पणी की। हिबतुल्ला अखुंदजादा के कथन से जुड़ा 50 मिनट का ऑडियो तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया है। अखुंदजादा ने इस्लामी कानूनों के महत्व पर जोर देते हुए कहा, पश्चिमी देशों के कानूनों की कोई जरूरत नहीं है। हम अपने कानून खुद बनाएंगे। अखुंदजादा ने पश्चिम की आलोचना करते हुए कहा कि गैर-मुसलमान मुसलमानों के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। तालिबानी नेता ने गाजा में इजरायल-हमास युद्ध का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका एवं अन्य देशों ने मिलकर इस्लाम के प्रति शत्रुता दिखाई है। अखुंदजादा ने कहा कि अफगानिस्तान में लोकतंत्र समाप्त हो चुका है और शरिया लागू है। बता दें कि तालिबान में शरिया कानून के चलते अफगान महिलाओं और लड़कियों पर कई प्रतिबंध लागू किए गए हैं, जिसके कारण उन्हें शिक्षा, नौकरियों और अधिकांश सार्वजनिक स्थानों से वंचित कर दिया गया है। इन उपायों ने तालिबान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर दिया है, हालांकि, उन्होंने चीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे कुछ देशों के साथ राजनयिक संबंध बनाए हैं।

चोर का धन चांडाल खाए

बहुत पुरानी कहावत है चोर का धन चांडाल खाए पापी मुंह देखता रह जाए यह कहावत पीढ़ी दर पीढ़ी सुनाई जाती है। यह कहावत वर्तमान युग में भी ज्यादा सटीक बैठती है। वर्तमान समय में चोर, सूदखोर, लालची और अनैतिक ढंग से पाप का पैसा कमाने वाले लोगों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पाप की कमाई का धन वह स्वयं तो नहीं खा पाते हैं। उस धन का उपयोग चांडाल के भाग्य और ऐसो-आराम में होता हैं। जिसका धन होता है, वह डर और भय के मारे उसका उपयोग ही नहीं कर पाता है। वह जिसके पास और जहां धन रखता है। वह उसी का होकर रह जाता है। आज यह संपादकीय लिखने का मन इसलिए हुआ। दुबई से संचालित फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनियों में लाखों भारतीयों ने अपने काले धन को निवेश किया है। ब्याज और ज्यादा कमाई के लालच में अपनी पाप की कमाई को भारतीय, ऐसी कंपनियों में निवेश कर रहे हैं। जो ज्यादा ब्याज और मुनाफा देने का लालच देती हैं। महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए लोग अनैतिक रूप से भारी कमाई करते हैं। उस कमाई को छिपाने के लिए वह अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और बेनामी लोगों के नाम पर संपत्ति खरीद लेते हैं। ज्यादा कमाई और ब्याज के लालच में सूदखोरों के पास जमा करा देते हैं। कमाई के चक्कर में वह अपने अर्जित धन को स्वयं के उपर खर्च भी नहीं कर पाते हैं। चोर को हमेशा भय रहता है, चोरी का माल उसने खर्च किया, तो वह पकड़ लिया जाएगा। रिश्वतखोरों को डर रहता है, कि यदि उसने अपनी कमाई से ज्यादा खर्च किया, तो वह पकड़ा जाएगा। सूदखोर अपने धन का उपयोग इसलिए नहीं कर पाता है। उसे हमेशा लगा रहता है, यदि यह पैसा ब्याज में चला देंगे, तो इतनी कमाई होगी। करोड़ों रुपए कमाने वाला सूदखोर भी अपने और अपने परिवार के ऊपर धन को खर्च नहीं कर पाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति बड़े-बड़े उच्च पदों और सरकारी पदों पर बैठे हुए लोगों की होती है। जिनकी कमाई बहुत होती है, वह इसलिए खर्च नहीं कर पाते हैं। यदि वह खर्च करेंगे तो लोगों की नजर में आ जाएंगे। उनका पद खतरे में पड़ जाएगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारी जो पति-पत्नी के रिश्ते में थे। उन्होंने अरबो रुपए की कमाई रिश्वत के रूप में की थी। दोनों जब पकड़े गए और प्रकरण चलते-चलते दोनों की मृत्यु भी हो गई। वह अपने धन का उपयोग नहीं कर पाए। वर्तमान में लोगों का लालच इतना बढ़ गया है। वह अपने धन का उपयोग करने के स्थान पर ज्यादा कमाने के चक्कर में ऐसी कंपनियों में निवेश कर देते हैं, जहां से ज्यादा लाभ मिलने की संभावना होती है। दुबई से संचालित कंपनियों में अरबो रुपए का निवेश भारतीयों द्वारा किया गया है। कंपनी के संचालकों ने पहले भारत में धोखाधड़ी की, भारत से कमाया हुआ धोखाधड़ी का धन लेकर दुबई चले गए। नए नामो से कंपनियां खोल लीं। उनके एजेंट भारत में लालच देकर बड़े-बड़े धन्ना सेठों और अवैध कमाई वालों को दुबई लेकर जाते हैं। उनके ऊपर लाखों रुपए खर्च करते हैं। लालच देकर उनसे अरबो रुपए का निवेश करा लेते हैं, उसके बाद उनकी कंपनी और कर्ता-धर्ता गायब हो जाते है। उनके फोन भी बंद हो जाते हैं। जमा मूलधन गायब हो जाता है। धन वापसी के लिए वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। उन्होंने अनैतिक तरीके से वह धन कमाया होता है। भारत जैसे देश में आयकर विभाग से कमाई छिपाते हैं, टैक्स नहीं देते हैं। गलत तरीके से पैसा विदेश भेज देते हैं। ईड़ी और अन्य जांच एजेंसियों के डर से वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। अवैध तरीके से कमाया हुआ चोरी का धन उनके हाथ से निकलकर चांडलो के पास पहुंच जाता है। वही चांडाल उस पैसे पर ऐश करते हैं। देश और विदेशों में इस तरह के चांडाल बड़ी मात्रा में कुकुरमुत्ता की तरह लोगों के लालच को जगाते हैं। फिर उनका जमा धन हड़प कर लेते हैं। जब धन चला जाता है, तो वह रो भी नहीं पाते हैं। यदि वह रोएंगे तो मूर्ख भी समझे जाएंगे। सरकार उल्टा टैक्स वसूल करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। जो होगा वह भी चला जाएगा।

नैतिक पतन के चलते खतरे में इंसानी रिश्ते

समाज में कितना पतन बाकी है? यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है? महिला ने जेठ के साथ मिलकर अपने दो वर्ष के बेटे को मरवा दिया। पत्नी ने प्रेमी सँग मिलकर मर्चेंट नेवी मे अफसर पति के टुकड़े-टुकड़े किये। पिता ने नौकर से अपने बेटे की हत्या करवायी। माँ,बाप,भाई, दोस्त,पार्टनर को मारने की खबरें आम हैं। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। अपराध और नैतिक पतन की ये घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्य और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएँ समाचारों में ज़्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं। हमें ज़रूरत है कि हम अच्छाई को भी उतना ही महत्त्व दें और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। इस पतन के कारणों को समझकर समाधान निकालना ज़रूरी है–परिवारों में संवाद बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, नैतिक शिक्षा को मज़बूत करना और अपराध रोकने के लिए सख्त क़दम उठाना। हमें यह भी सोचना होगा कि हम किस तरह के मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा समाज बना रहे हैं। समाज के पतन को पूरी तरह रोकना कठिन हो सकता है, लेकिन हम सब मिलकर इसे धीमा कर सकते हैं और सही दिशा में मोड़ सकते हैं।

आज के समय में जब हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर नज़र डालते हैं, तो चारों ओर अपराध, धोखा, हिंसा और नैतिक पतन की ख़बरें देखने को मिलती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज घोर कलयुग के प्रभाव में प्रवेश कर चुका है। पारिवारिक सम्बंधों में विश्वास की कमी, नैतिक मूल्यों का ह्रास और भौतिक सुखों की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को कमजोर कर दिया है। समाज में नैतिकता, रिश्तों की अहमियत और मानवीय संवेदनाएँ धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही हैं। हत्या, विश्वासघात, स्वार्थ, लालच और नैतिक पतन की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

यह देखकर ऐसा लगता है कि समाज एक अंधकारमय दौर की ओर बढ़ रहा है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। समाज में जिस तरह से नैतिक पतन बढ़ रहा है, वह केवल अपराधों की संख्या नहीं बल्कि पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने के टूटने का संकेत भी देता है।

समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहाँ रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और दोस्तों के बीच भी आजकल स्वार्थ और लालच हावी होता जा रहा है। परिवार, जो पहले प्रेम और सहयोग का केंद्र हुआ करता था, अब झगड़ों और आपसी मतभेदों का शिकार बनता जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर हत्या, बलात्कार, लूटपाट और धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य तक एक-दूसरे के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का शोषण ही क्यों न करना पड़े। पहले लोग जीवन में धैर्य रखते थे, कठिनाइयों को सहन करते थे, लेकिन आजकल गुस्सा और अधीरता लोगों पर हावी हो गई है। छोटे-छोटे विवाद हिंसक रूप लेने लगे हैं। धर्म केवल दिखावे का साधन बनता जा रहा है, जबकि नैतिकता और ईमानदारी की क़ीमत घटती जा रही है। लोग दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं लेकिन ख़ुद सही राह पर नहीं चलते। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जहाँ बुजुर्गों का मार्गदर्शन रहता था। लेकिन अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर पारिवारिक मूल्यों में कमी आ रही है। आर्थिक दबाव, रिश्तों में तनाव और व्यक्तिगत इच्छाओं के टकराव से लोग मानसिक रूप से अस्थिर हो रहे हैं, जिससे वे ग़लत फैसले लेते हैं। इंटरनेट पर हिंसा, अपराध और अनैतिकता को कहीं न कहीं सामान्य बना दिया गया है। लोग बिना सोचे-समझे चरम क़दम उठा लेते हैं। स्कूलों और परिवारों में बच्चों को सही और ग़लत का फ़र्क़ कम सिखाया जा रहा है। लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। अपराधी जानते हैं कि सजा मिलने में देरी होगी या बचने का रास्ता मिल जाएगा, जिससे अपराधों की संख्या बढ़ रही है। समाज में जो घटनाएँ हो रही हैं, उन्हें देखकर यही लगता है कि हम घोर कलयुग के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। जहाँ पहले रिश्ते, प्रेम, सम्मान और नैतिकता को महत्त्व दिया जाता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच, क्रोध और हिंसा हावी होते जा रहे हैं। समाज में बढ़ते अपराधों को देखकर ऐसा लगता है कि इंसानियत, सहनशीलता और प्रेम धीरे-धीरे ख़त्म होते जा रहे हैं। लेकिन अगर परिवार, समाज और सरकार मिलकर सही क़दम उठाएँ, तो इस गिरावट को रोका जा सकता है।

जीवन की कठिनाइयों से डरो मत, दुर्बलता को त्यागकर उनका सामना करो

ओमप्रकाश श्रीवास्तव

गीता के दूसरे अध्याय का नाम है सांख्ययोग। गीता का सांख्य, कपिल मुनि के सांख्य दर्शन, जो वेदांत के छ-दर्शनों में से एक है, से भिन्न है। गीता की विशेषता है कि वह प्राचीन शब्दों को नए अर्थों में प्रयुक्त करती है। आगे चलकर हम गीता में धर्म, यज्ञ, संन्यास, आदि को नए अर्थों में प्रयुक्त होते देखेंगे, ऐसे नए अर्थ जो दार्शनिक विवादों से परे सीधे जीवन से जुड़े हैं। इसी तरह यहाँ सांख्य का अर्थ है –

बुद्धि, विवेक । सामान्यतः विभिन्न मतों, संप्रदायों के धार्मिक ग्रंथ अपनी बातों पर विश्वास करने पर जोर देते हैं पर गीता इस मामले में विलक्षण है। वह बुद्धि-विवेक जाग्रत करने, उन्हें शुद्ध बनाने और अनुभव करने पर जोर देती है। इस प्रकार गीता का सांख्ययोग, वह योग है, जो बुद्धि और विवेक से सधता है।

अभी तक अर्जुन अपने को 'देह' मान रहा था और 'देह' के कारण बने संबंध अर्थात् नाते-रिश्तेदार, धन-संपत्ति, राज्य, भौतिक सुखभोग को ही सत्य मान रहा था। उसकी दृष्टि शरीर व संसार तक ही सीमित थी। अर्जुन के इस अज्ञान को दूर करने के लिए इस अध्याय में भगवान् उसे आत्मा की अमरता, देह का नश्वर होना, जीवन में सुख-दुःख की अपरिहार्यता आदि बातें बताएँगे। जीवन की वास्तविकता का यह ज्ञान, शुद्ध बुद्धि में प्रविष्ट होकर, विवेक विचार के माध्यम से अंतर में दृढ़ हो जाता है तब व्यक्ति संसार के परिवर्तनों को साक्षी भाव से देखता है और वह अज्ञान जनित मोह व दुःख से परे हो जाता है।

भगवान् ने अर्जुन के पूरे तर्क सुने, बीच में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। जब अर्जुन चुप होकर, धनुष-बाण का त्यागकर, बैठ गया तब भगवान् श्रीकृष्ण की बारी आई। संजय कहते हैं - इस प्रकार दयनीयता से व्याप्त, बैचेन और आँसू भरी आँखों वाले, उदास मन, अर्जुन से मधुसूदन ने यह बात कही (गीता 2.1)। श्री भगवान् ने कहा कि इस संकट में तेरे में यह विषादरूपी दोष कहाँ से आया यह आचरण अनार्यों से सेवित है और यह स्वर्ग नहीं अपयश देनेवाला है (गीता 2.2)

अर्जुन ने युद्ध के जो परिणाम बताए थे, भगवान् ने उनका प्रतिवाद नहीं किया। सांसारिक दृष्टि से देखें तो युद्ध के परिणाम वैसे ही निकले जैसे अर्जुन ने कहे थे। परन्तु भगवान् की दृष्टि संसार तक सीमित नहीं है। जीवन में आने वाले सुख-दुःख व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास के लिए परिस्थितियाँ उपलब्ध कराते हैं। व्यक्ति इन परिस्थितयों का तभी उपयोग कर सकता है जब वह जीवन की वास्तविकता को समझता हो इसलिए भगवान् अर्जुन को सत्य का बोध कराते हुए आगे बढ़ते हैं। अर्जुन में यह करुणा स्वाभाविक नहीं थी, वह वाह्य कारणों से आरोपित हुई थी और यह कारण था कर्तव्य कर्म से प्राप्त होने वाली मानसिक वेदना से बचना। स्वजनों के मोह में भ्रमित होकर अर्जुन की बुद्धि धर्म-अधर्म, कर्तव्य-अकर्तव्य का निर्णय नहीं कर पा रही थी। इसलिए अर्जुन जिसे अपना ज्ञान समझ रहा था भगवान् ने उसे दोष कहा है।

अर्जुन के मन में था कि भगवान् उसके विचारों का अनुमोदन करें, सहानुभूति प्रकट करें पर यहाँ तो भगवान् ने पहले वाक्य में ही अर्जुन को जोरदार झटका दे दिया। भगवान् ने आश्चर्य व्यक्त किया कि युद्ध जैसी परिस्थिति में ऐसे हीन विचार कहाँ से आ गये और एक साथ तीन आघात किये - ऐसा आचरण तो अनार्य लोग करते हैं न कि आर्य लोग, ऐसे आचरण से स्वर्ग भी नहीं मिलता और अपयश ही हाथ आता। अर्जुन अपने समय का प्रसिद्ध योद्धा था। वह अपना कर्तव्यकर्म छोड़ता और युद्ध से विमुख होता तो यह तीनों परिणाम होना अवश्यंभावी थे।

इसके बाद गीता का प्रसिद्ध श्लोक आता है जो जीवन संग्राम में पुरुषार्थ और आत्मविश्वास को प्रथम स्थान देता है। भगवान्, जीवन संग्राम से पलायन न करने और विषम परिस्थितियों का सामना पुरुषार्थ से करने की प्रेरणा दे रहे हैं। भगवान् कहते हैं कि - हे पार्थ ! नपुंसकता की ओर मत जा। यह तुझ में शोभा नहीं देती। हे परंतप ! हृदय की इस तुच्छ दुर्बलता को त्यागकर उठ खड़ा हो जा (गीता 2.3)। शिक्षा देने का श्रेष्ठ तरीका है कि शिष्य की कमियों को इस पृष्ठभूमि में बताया जाये कि तुम तो इतने अच्छे हो, गुणवान् हो इसलिए तुम्हें ऐसी गलतियाँ शोभा नहीं देतीं। इससे शिष्य हीनभावना से ग्रस्त नहीं होगा और उसमें आत्मविश्वास जाग्रत होगा। इसी पद्धति का उपयोग करते हुए भगवान् कह रहे हैं कि तुम तो इतने वीर हो, कुलीन हो इसलिए ऐसी नपुंसकता तुम्हें उचित नहीं है। यहाँ नपुंसकता का भाव है शौर्य, तेज और धैर्य से रहित अवस्था। यहीं भगवान् ने अर्जुन को परंतप शब्द से संबोधित किया जिसका अर्थ है अपनी वीरता से शत्रुओं को संतप्त करने वाला। भगवान् हर शब्द का उपयोग अर्जुन को उसके सर्वश्रेष्ठ गुणों की याद दिलाने में कर रहे हैं। अर्जुन का मूल स्वभाव मोह से उत्पन्न दुर्बलता से दब सा गया था और भगवान् उसी की याद दिला रहे हैं। मनुष्य मूलतः सत्, चित् और आनन्द के स्वरूप परमात्मा का अंश है अतः शक्तिहीनता, कायरता और विषाद उसका मूल स्वभाव नहीं है। हम इस सत्य को समझ जाते हैं तो हमें अपने बल का ज्ञान हो जाता है तब जीवन में आने वाली समस्याओं पर रोना-धोना समाप्त हो जाता है। व्यक्ति सिंह की तरह गर्जन करके उन समस्याओं का सामना करता है। रामायण में जाम्बवान् ने हनुमान जी को उनके बल और बुद्धि-विवेक की याद दिलाई तभी वे सीता माता की खोज में समुद्र लाँघ सके।

भगवान् हृदय की दुर्बलता का त्याग करने को कहते हैं। यह तभी हो सकता है जब हृदय में अपनी शक्तियों का विश्वास होगा और आत्मश्रद्धा होगी। खड़े होने का अर्थ है जो परिस्थिति आई है उसका सामना करो। संसार का सामना करने के लिए साहस, धैर्य और बल चाहिए। यह सब सद्गुण हैं। दुर्बलता कदापि सद्गुण नहीं हो सकती। गीता, शक्ति और अभय का संदेश देती है।

स्वामी विवेकानन्द कहते हैं कि अगर आप गीता के इन दो श्लोकों (2.2 और 2.3) की भावना को समझ जाते हैं तो सम्पूर्ण गीता के भाव को समझ जाते हैं। जीवन में पुरुषार्थ और आत्मविश्वास का सर्वप्रथम स्थान है। भगवान् चाहते तो यहीं कह सकते थे कि मेरे निमित्त बनकर युद्ध करो या सभी कुछ मुझे समर्पित कर दो। परंतु ऐसा नहीं कहा क्योंकि इन अवस्थाओं का उचित समय तब आता है जब व्यक्ति अपने पुरुषार्थ के चरम तक प्रयास कर लेता है। इसलिए ईश्वर का निमित्त बनने की बात गीता में लगभग मध्य में (11.33) तथा ईश्वर के समक्ष पूर्ण समर्पण की बात गीता के अंत में (18.66) आई। जीवन में इस क्रम को समझना आवश्यक है अन्यथा हम ईश्वर को समर्पण के बहाने भी पलायन का रास्ता खोज लेते हैं। (क्रमशः)

राजकाज

बातचीत से सुलझाएंगे जज, मणिपुर का मुद्दा

सुप्रीम कोर्ट के छह जज हाल ही में मणिपुर के दौरे पर थे। वहां जाकर सुप्रीम कोर्ट के जजों ने दोनों समुदाय के लोगों से बात की है। एक जज साहब जो मणिपुर के थे। वह दूसरे समुदाय के इलाके में नहीं जा पाए। इससे सुप्रीम कोर्ट के जजों को समझ आ गया,मणिपुर का मुद्दा बहुत जटिल है। इसे डर-भय अथवा कानूनी तरीके से नहीं सुलझाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के जज अब दोनों पक्षों के साथ वार्ता करके दोनों पक्षों की वास्तविक समस्याओं को जानने, उनका विश्वास प्राप्त करने के बाद दोनों समुदाय के विवाद का समाधान निकालने की कोशिश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार और राजनीतिक दबाव से दूर रहेगी। तो निश्चित रूप से मणिपुर विवाद का कोई अच्छा हल निकल सकता है। इस बात की संभावना दिखने लगी है।

भारतीयों की नसों में गुलामी का खून?

भारत में हमेशा से राजा महाराजाओं का राज रहा है। हजारों लाखों वर्षों से भारतीय गुलामी में रहते आए हैं। गुलामी का खून हमारी नसों में बहता है। 1950 के बाद स्वतंत्रता मिली। वह भारत वासियों के लिए मुफीद साबित नहीं हो पा रही है। स्वतंत्रता का स्वाद चखने के बाद भारतीय अराजक हो गए। कर्म करना और कर्तव्य का पालन करना भूल गए। हरि कृपा से बिना कुछ किये सब कुछ पाने की आकांक्षा ने एक बार फिर हमें गुलाम बना दिया है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और दो टाइम भोजन की बात भी लोंगो को प्रभावित नहीं करती है। जिस तरह से गडरिए, भेड़ों को इशारे से एक के पीछे एक चलाते हैं। बड़े सर झुकाए एक के पीछे एक चली जाती हैं। वैसे ही साधु संत गरीबों को भेड़ की तरह हाँक रहे हैं। भगवान का भय कहो, या साधु संतों का भय,आम जनता उनके पीछे सर झुकाए चली जा रही है। यही हमारे रक्त में गुलामी की निशानी है। जेनेटिक बीमारी इतनी आसानी से नहीं जाती है। लोग अब यह कहने लगे हैं।

इतनी प्रसिद्धि मिले तो कोई भी कांड किया जा सकता है

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर पर 15 लाख रुपए के नोट मिलने और जलने की बात का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। हाल ही में बर्मा के घर के बाहर सफाई कर्मचारियों को 500-500 रूपये के जले हुए नोट मिलने के समाचार सामने आए हैं। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा करोड़ों रुपए की नगदी मामले को लेकर सारे देश एवं दुनिया में छाए हुए हैं। इस समय उनकी टीआरपी सबसे ज्यादा है। संसद, सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, नेशनल मीडिया, सोशल मीडिया, आम जनता और गोदी मीडिया में बिना किसी भेदभाव के सबसे ज्यादा कवरेज पाने वाले जस्टिस यशवंत वर्मा हैं। जितनी चर्चा इनकी हो रही है। उसको देखते हुए कई लोगों को जलन होने लगी है। यदि इतनी प्रसिद्धि मिले, तो इस तरह के कारनामे तो किये ही जा सकते हैं। अरबों रूपया खर्च करने के बाद भी यह पहचान नहीं बन पाती, जो 15 करोड़ के नोटों ने बना दी है।

फीचर

एक पौधा लगाने से भी मिलता है पुण्य

हमारे धर्म में वृक्षों की महत्ता है कि जो पुण्य अनेकानेक यज्ञ करवाने अथवा तालाब खुदवाने या फिर देवाराधना से भी अप्राप्य है, वह पुण्य महज एक पौधे को लगाने से सहज ही प्राप्त हो जाता है।

इससे कई प्राणियों को जीवनदान मिलता है। ज्योतिष और वास्तुशास्त्र में भी वृक्षों का मनुष्य से संबंध निरूपित किया गया है। जानिए ज्योतिष अनुसार कैसे करें पौधारोपण –

- पौधारोपण हेतु उत्तरा, स्वाति, हस्त, रोहिणी और मूल नक्षत्र अत्यंत शुभ होते हैं। इनमें रोपे गए पौधों का रोपण निष्फल नहीं होता है।
- घर के नैऋत्य अथवा अग्निकोण में बगीचा न लगाएं तथा जिन घरों में बगीचा लगाने की जगह निकाली जा रही हो, वहां घर के वाम पार्श्व में ही उद्यान लगाना चाहिए। घर के पूर्व में विशाल वृक्षों का न होना या कम होना शुभ है। फिर भी यदि हो तो उन्हें काटने के बजाय घरके उत्तर की ओर उनके दुष्प्रभावों को संतुलित करने हेतु आंवला, अमलतास, हरश्रृंगार, तुलसी, वन तुलसी के पौधों में से किसी भी एक को लगाया जा सकता है।
- जिन वृक्षों में फल लगना बंद हो गए हों या कम लगते हों उन्हें कुलथी, उड़द, मूंग, तिल और जौ मिले जल से सींचना चाहिए।
- जिस वृक्ष के तने के चारों ओर सूअर की हड्डी का एक-एक टुकड़ा गाड़ दिया जाता है, वह सदैव हरा रहता है, कभी सूखता नहीं है।
- जिस घर की सीमा में निर्गुंडी का पौधा होता है, वहां हमेशा अमन-चैन रहता है। इसी प्रकार अंगूर, पनस, पाकड़ तथा महुआ के पौधों का भी घर की सीमा में रोपण शुभ होता है।

प्रेरणा

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं।

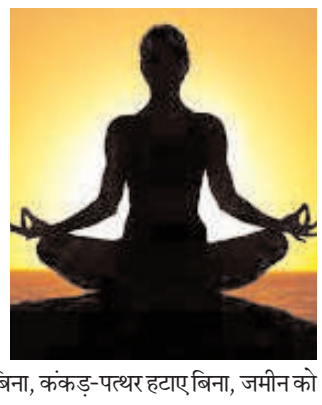

प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है।

अपनी बात

पीएम मोदी ने कहा हमारी सरकार कितनी तेजी से अपनी गारंटियां पूरी कर रही है। छत्तीसगढ़ की बहनों से जो हमने वादा किया था, वो पूरा करके दिखाया है। धान किसानों से दो साल का बकाया बोनस मिला है। बढ़े हुए एमएसपी पर धान की खरीदी की गई है। इसे लाखों किसान परिवारों को हजारों करोड़ रुपए मिले हैं। कांग्रेस की सरकार में यहां भर्ती परीक्षाओं में भी खूब घोटाले हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन कई मायनों में हम सब के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उज्जैन नगरी सात पवित्रतम नगरियों में से एक है। हर कल्प में इसका विशेष महत्व रहा है। आज भारतीय नव वर्ष प्रतिपदा पर हम सब हर्षोल्लास के साथ गुड़ी पड़वा और चैटी चंड पर्व मना रहे हैं। आज उज्जैन का गौरव दिवस भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय अब सम्राट विक्रमादित्य के नाम से जाना जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

वरिष्ठजन केंद्र पर भारत माता की आरती एवं नव संवत्सर उत्सव आयोजित

गुना। सेवा भारती आनंद धाम वरिष्ठ जन केंद्र पर नव संवत्सर विक्रम संवत 2082 के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आनंद धाम प्रांगण में स्थित महादेव मंदिर में भारत माता की आरती एवं भगवान महादेव की पूजा-अर्चना से हुई। इस दौरान आनंद धाम में निवासरत वरिष्ठजनों का माला पहनाकर एवं तिलक लगाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सोलंकी उपस्थित रहे और उन्होंने सभी को अपने प्रेरणादायक विचारों से मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अमित कलावत मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में समिति के सचिव महेश अग्रवाल, जिला सचिव अखिलेश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष सुनील पांडे, कार्यालय प्रमुख नरेंद्र सेंगर और कार्यालय अधीक्षक मुन्ना लाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर नववर्ष की एक-दूसरे को बधाई दी और भारतीय संस्कृति के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समर्पण की भावना के साथ हुआ।

श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ, कलश यात्रा के साथ उमड़ा भक्ति भाव

गुना। पिपरोदा रोड स्थित कुशवाह गार्डन में आज दोपहर श्रीमद् भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ। कथा से पहले भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। यह आयोजन धार्मिक श्रद्धा और भक्ति भाव से परिपूर्ण रहा।

सुबह स्थानीय कोल्हूपुरा स्थित शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ कलश यात्रा की शुरुआत हुई। मुख्य यजमान ने श्रीमद् भागवत ग्रंथ को सिर पर धारण किया और उनके पीछे महिलाएं सिर पर कलश रखकर मंगल गीत गाती हुई चलीं। बैंड-बाजों की धुन पर श्रद्धालु भजन गाते और नृत्य करते हुए उत्साहपूर्वक आगे बढ़े। यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर पिपरोदा रोड स्थित कुशवाह गार्डन पहुंची, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत की गई।

कथा वाचक पंडित राकेश बाबा श्रीधाम वृंदावन ने व्यास गादी से कथा का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत का श्रवण न केवल जीवन को सुखमय बनाता है, बल्कि परलोक सुधारने का भी मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने बताया कि यह कथा 7 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक चलेगी, जिसमें श्रद्धालु ईश्वरीय कथा का रसपान कर सकेंगे। कथा शुभारंभ के अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे और पूरे माहौल में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार देखने को मिला। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं को सुविधाएं देने के लिए विशेष प्रबंध किए हैं, जिससे वे बिना किसी बाधा के कथा का आनंद ले सकें।

माज के बाद सभी ने अल्लाह से देश और दुनिया में अमन की दुआ मांगी

हर्षोल्लास से मनाया गया ईद का त्यौहार, गले मिलकर भुलाए गिले शिकवे

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले भर में सोमवार को ईद-उल-फितर का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। नए कपड़े और सिर पर टोपी पहने मुस्लिम धर्मावलंबियों का रैला ईदगाहों और मस्जिदों में पहुंचा। जहां एक साथ सैंकड़ों सिर अल्लाह की बारगाह में झुके। नमाज के बाद सभी ने अल्लाह से देश और दुनिया में अमन की दुआ मांगी। इसके बाद सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाईयां दी।सोमवार को सुबह से ही मुस्लिम धर्मावलंबियों में ईद का उत्साह नजर आ रहा था। सुबह 8 बजे से ही सभी ईदगाहों पर नमाजियों का पहुंचना शुरू हो गया था। जिला मुख्यालय पर सबसे पहले घोसीपुरा ईदगाह पर सुबह 8.45 बजे नमाज पढ़ी गई। इसके बाद कैंट ईदगाह पर सुबह 9 बजे और फिर छावनी व हड्डी मिल ईदगाह पर सुबह 9.30 बजे नमाज अदा की गई। ईदगाहों के अलावा नमाजियों की सुविधा के लिए विभिन्न मस्जिदों में भी

ईद की नमाज की व्यवस्था की गई थी। इनमें सबसे पहले बरबटपुरा स्थित जामिया इब्ने अब्बास मस्जिद में ईद की नमाज हुई।इस मौके पर शहर काजी नूर उल्लाह यूसुफ जई ने लोगों संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह हमने रमजान उल मुबारक अल्लाह की इबादत की है। उसी तरह सालभर इबादत करें और मस्जिदों को आबाद रखें। नेक काम करते रहें। जितना हो सकता है, लोगों की मदद करें। सभी के साथ मोहब्बत से रहें।हमारे कार्य देश और इंसानियत के काम आएं।देश में हो खुशहाली और अमन-चैन कीईद की नमाज के बाद दुआ मांगी गई। जिसमें सबसे पहले रमजान के दौरान की गई इबादत को कुबुल करने की दुआ हुई। इसके बाद इमाम ने गरीबों व मजलूमों की मदद करने, नेक बंदों पर रहम और करम करने, बीमारों को बीमारी से निजात दिलाने, गुनाहों से बचने की तौफीक देने और जो लोग इस दुनिया से जा चुके हैं, उनकी मगफिरत करने की दुआ मांगी गई। इसके साथ ही देश और दुनिया में अमन और खुशहाली भी अल्लाह से मांगी गई। अल्लाह से दुआ की गई कि देश में सभी लोग मिल-जुल कर भाई चारे के साथ रहें। इसके बाद इमाम के द्वारा खुतबा पढ़ा गया। जिसे सभी ने शांति से बैठकर सुना। ईदी की खुशी और पकवानों का जायकाईद की नमाज के बाद मुस्लिम धर्मावलंबी अपने घर पहुंचे और रिश्तेदारों व परिवार जनों को ईद की बधाईयां दीं। इसके साथ ही एक-दूसरे के घर पहुंचकर सेवईयों का आनंद उठाया। इसके अलावा फैनी, शीर-खुरमा और अन्य पकवान भी घरों में बनाए गए। ईद को लेकर बच्चों का उत्साह भी देखते ही बन रहा था। मस्जिद से घर पहुंचते ही आस-पड़ोस में बच्चे सलाम करते नजर आए। जिसके बदले में उन्हें ईदी (रुपयों की शक्ल में मिलने वाला उपहार) मिली। ईदी मिलने की खुशी बच्चों के चेहरे पर साफ झलक रही थी।

वायरल वीडियो : आदिवासी समाज के साथ झूमे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

सत्ता सुधार ■ गुना

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का एक नया और दिलचस्प रूप देखने को मिला, जब वे बमोरी प्रवास के दौरान आदिवासी समाज के साथ झूमते नजर आए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में सिंधिया भील और भिलाला आदिवासी समाज के पारंपरिक नृत्य में पूरे जोश के साथ शामिल होते दिखे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विकास जैन नखराली के अनुसार, राजनीति में अपनी सक्रियता और सौम्य छवि के लिए पहचाने जाने वाले सिंधिया इस बार अलग ही अंदाज में दिखे, जिससे वहां मौजूद लोग उत्साहित हो गए।

आदिवासी समाज को दिया सम्मान

डिगडोली गांव में आयोजित इस कार्यक्रम में सिंधिया ने न केवल नृत्य किया, बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपराओं की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा, ÷जो आज भारतवर्ष का नाम है, उस पर ताज मेरा आदिवासी समाज है !÷ इसके साथ ही उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों को भी नमन किया। इस मौके पर जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, स्थानीय जनप्रतिनिधि और भाजपा के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। इस आयोजन ने ग्रामीणों के बीच खासा उत्साह पैदा कर दिया, और बड़ी संख्या में लोग सिंधिया को देखने के लिए इकट्ठा हुए। बमोरी प्रवास के दौरान सिंधिया ने जनसुनवाई का आयोजन भी किया, जहां 750 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 115 मामलों का निवारण मौके पर ही अधिकारियों की मदद से किया गया। ग्राम शेखपुर के चिंटूदास की भूमि से जुड़ी नामांतरण की समस्या को तुरंत हल करवाकर सिंधिया ने अपनी तत्परता साबित की। बाकी आवेदनों को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को सभी आवेदनों का बैग सौंपते हुए कहा कि इन्हें शीघ्र अति शीघ्र निपटाया जाए। ग्रामीणों ने मंत्री के इस व्यवहार की सराहना की और अपनी समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई होते देख राहत महसूस की।

ग्रामीण जीवन में घुले-मिले सिंधिया

सिर्फ राजनीति ही नहीं, बल्कि सिंधिया का यह दौरा ग्रामीण जीवन से जुड़ने का एक अवसर भी बना। उन्होंने बमोरी में स्वसहायता समूह द्वारा संचालित रोजगार केंद्र का दौरा किया, जहां महिलाओं द्वारा चलाई जा रही आटा चक्की और अन्य उद्यमों को देखा। इस दौरान, उन्होंने प्रदर्शनी में लगे स्वनिर्मित उत्पादों से 205 रुपये का सामान भी खरीदा और ऑनलाइन भुगतान कर स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहित किया।

होली मिलन समारोह में गुलाल से बरसे रंग

डिगडोली गांव में आयोजित होली मिलन समारोह में भी सिंधिया पूरे जोश के साथ शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों के साथ गुलाल खेला और होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच खुशी का माहौल था, और सिंधिया का आत्मीय व्यवहार देखकर ग्रामीणों में उनके प्रति और अधिक सम्मान बढ़ गया।

सिंधिया का तूफानी दौरा बना चर्चा का विषय

बीती रात गुना पहुंचने के बाद से ही सिंधिया का दौरा बेहद व्यस्त और ऊर्जा से भरा रहा। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, जनसमस्याएं सुनीं, स्वसहायता समूहों को बढ़ावा दिया, आदिवासी समाज के साथ नृत्य किया और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उनकी यह सक्रियता सोशल मीडिया और स्थानीय जनमानस में चर्चा का विषय बनी हुई है। वायरल हो चुके वीडियो ने एक बार फिर साबित कर दिया कि ज्योतिरादित्य सिंधिया केवल राजनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे जनता से सीधे जुड़ने और उनकी परंपराओं का सम्मान करने में भी आगे रहते हैं।

कॉलेज में फीस वृद्धि के खिलाफ डीएसओ ने सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ गुना

छात्र संगठन डीएसओ की कॉलेज समिति ने गुना-शिवपुरी सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया को ज्ञापन सौंपकर पीजी कॉलेज (प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस) में 630 रुपए की अनुचित फीस वृद्धि वापस लेने की मांग करते हुए ज्ञापन सोपा। कॉलेज इकाई अध्यक्ष देवेंद्र सेन ने बताया कि हाल ही में मध्य प्रदेश के 55 कॉलेजों को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा दिया गया था, जिससे छात्रों को उम्मीद थी कि सुविधाएं बेहतर होंगी। सरकार ने 486 करोड़ रुपए का बजट भी घोषित किया था, लेकिन सुविधाओं में कोई सुधार नहीं हुआ। उलटा, विभिन्न मदों में फीस बढ़ाकर छात्रों पर अतिरिक्त भार डाल दिया गया।गुना पीजी कॉलेज में 630 रुपए की प्रवेश शुल्क वृद्धि की गई, जिसमें 365 रुपए बस सेवा, 180 रुपए क्रीड़ा शुल्क और 85 रुपए अन्य अज्ञात मद में जोड़े गए। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, बस सेवा के लिए प्रति छात्र 365 रुपए वसूले जा रहे हैं, जिससे कुल 62 लाख 5 हजार रुपए की राशि बनती है। लेकिन कॉलेज में केवल एक 34 सीटर बस उपलब्ध है, जो सिर्फ कैंट चौराहा तक सीमित है, जबकि अधिकांश छात्र दूर-दराज के गांवों से आते हैं और निजी बसों का किराया स्वयं वहन करते हैं।खेल शुल्क के नाम पर प्रति छात्र 180 रुपए लिए जा रहे हैं, जिससे कुल 31 लाख रुपए सालाना इकट्ठा हो रहे हैं। लेकिन कॉलेज के खेल मैदान को निजी ठेके पर दिया गया है, जिससे आम छात्र इसका उपयोग नहीं कर सकते। शहर में भी खेल मैदानों की कमी है, जिससे छात्रों के लिए खेल गतिविधियां सीमित हो गई हैं।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया एवं मंत्री राजपूत ने

फाग उत्सव के दौरान हितग्राहियों से किया संवाद, पारंपरिक नृत्य में हुए शामिल

सत्ता सुधार ■ गुना

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री एवं गुना के प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने आज जनपद पंचायत बमोरी के ग्राम डिगडोली में आयोजित फाग उत्सव कार्यक्रम की ओर जाते हुए रास्ते में बने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने हितग्राही श्रीलाल सहरिया के घर जाकर उनके अनुभव सुने। इसके उपरांत ग्राम डिगडोली में प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभांवित श्री प्रेम पटेलिया के घर भी जाकर उनसे चर्चा की।

भव्य स्वागत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

ग्रामवासियों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया। महिलाओं ने पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा निकाली, जिससे पूरे क्षेत्र में उल्लासपूर्ण वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर उपस्थित जनसमूह अत्यंत आनंदित हुआ।

जनसभा में विकास योजनाओं की जानकारी– इस अवसर पर डिगडोली तालाब के समीप आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि ÷डिगडोली में जोश और उमंग का अद्भुत माहौल है, यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सजीव रखने का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने स्थानीय कलाकारों की प्रतिभा की सराहना की और उत्सव की भव्यता की प्रशंसा की।

स्वर्गीय धारू सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

गुना। सेवा भारती अन्नपूर्णा भोजनालय में सेवा भारती के मीडिया प्रभारी एवं पत्रकार राजकुमार रजक के दादा स्वर्गीय धारू सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर सभी ने मौन व्रत रखकर गायत्री मंत्र का जाप किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।सभा में सेवा भारती परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले और परिवार को इस दुखद घड़ी में संबल प्रदान हो।इस श्रद्धांजलि सभा में डॉक्टर रामवीर सिंह रघुवंशी, अखिलेश विजयवर्गीय, प्रमोद यादव, काशीराम ऊरैया, विजय श्रीवास्तव, संतोष गुप्ता, राजेश चौहान, कमलापति सोनी, प्रफुल्ल पंडित, एस. के. भार्गव, नरेंद्र सेंगर और रामबाबू कश्यप सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रुठियाई मंगलोदय तीर्थ में भगवान श्री मुनिसुब्रतनाथ

स्वामी का महा मस्तकाभिषेक सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ रुठियाई

मंगलोदय तीर्थ में चैत्र कृष्ण अमावस्या शनिवार को मूलनायक देवाधिदेव 1008 भगवान मुनिसुब्रतनाथ स्वामी का महा मस्तकाभिषेक विधि-विधान से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सभी धार्मिक क्रियाएं बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैया (सुयश) अशोकनगर के सानिध्य में सम्पन्न हुईं।प्रथम अभिषेक शांतिधारा का सौभाग्य जयकुमार, श्रीमती कुसुम जैन, नितिन कुमार एवं श्रीमती हिना जैन, निवासी बाड़ी बरेली (रायसेन) को प्राप्त हुआ। द्वितीय अभिषेक का सौभाग्य चंद्रोदय तीर्थ चांदखेड़ी के अध्यक्ष हुकुम जैन (काका) हरसौरा परिवार कोटा एवं जितेंद्र जैन बंधु परिवार एनएफएल विजयपुर को प्राप्त हुआ।इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा कर धर्म लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम में उपाध्याय विशांत सागर महाराज जी ने

धर्मोपदेश देते हुए शांतिधारा एवं अभिषेक से पुण्य अर्जन कर मनुष्य जीवन को सार्थक बनाने की प्रेरणा दी।इस अवसर पर भगवान श्री मुनिसुब्रतनाथ जी के भक्तांबर विधान का आयोजन किया गया। रात्रि में महाआरती का सौभाग्य द्यजोगेश जैन, संयम जैन (इंदौर) एवं महिला मंडल एनएफएल विजयपुर को प्राप्त हुआ।

आरती का भव्य चल समारोह सदर बाजार से होते हुए मंगलोदय तीर्थ पहुंचा, जहां 1008 दीपों से भगवान की मंगलमय आरती की गई। इस दौरान भक्ति संगीत मंडली अनिमेष जैन एवं उनकी संगीत मंडली, म्याना (गुना) द्वारा सुंदर भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई।कार्यक्रम में वात्सल्य भोज के पुण्य अर्जक एवं सहयोगी रमेशचंद्र अंकुर जैन (वाँझल, रुठियाई) का सम्मान किया गया। वरिष्ठ चिकित्सक शरदचंद्र टाटिया जी का सम्मान भी जैन समाज रुठियाई द्वारा किया गया।समाज के संरक्षक अरविंद जैन (सेवानिवृत्त तहसीलदार, राघौगढ़) एवं श्री वीरेंद्र कुमार जैन (रुठियाई) ने कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। जैन समाज के अध्यक्ष अभिषेक जैन, मंत्री अमन जैन, उपाध्यक्ष संजय मोदी, आशीष जैन (राजा), कोषाध्यक्ष अशोक कुमार जैन (डोंगर) एवं उपमंत्री अंकुर जैन (सराफ) ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

निराकरण स्व-सहायता समूहों को किया गया प्रोत्साहित

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने बमोरी में जनसमस्याओं का किया निराकरण

सत्ता सुधार ■ गुना

केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज जनपद पंचायत बमोरी में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री एवं गुना के प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी से हुई, जिसमें केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने महिलाओं से

संवाद कर उनके उत्पादों की सराहना की एवं उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर बिक्री की व्यवस्था करने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। बमोरी बमोरी जनपद पंचायत के सभागार में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में नागरिकों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण किया गया। शिविर में आवास, चिकित्सा सहायता, अनुकंपा नियुक्ति, खसरा नामांतरण, सीमांकन, पेंशन, विद्युत एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री श्री सिंधिया ने आवेदकों की समस्याओं को स्वयं सुना और अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान जनसमस्या निवारण शिविर में लगभग 680 से अधिक आवेदन प्राप्त हुये। आवेदनों को पंजीकृत कर आवेदकों को टोकन दिये गये। इस दौरान कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया।

जिन प्रकरणों का समाधान हो गये था उन्हें मौके पर ही प्रमाण पत्र वितरित किये गये। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने जनपद पंचायत बमोरी में अजीविका भवन में संचालित उनत एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और स्थानीय उत्पादों को बाजार में उचित स्थान दिलाने के लिए सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

आज इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, जनपद अध्यक्ष बमोरी सुश्री गायत्री भील, पुलिस अधीक्षक श्री संजीव सिन्हा, वन मण्डलाधिकारी श्री अक्षय राठौर, सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक दुबे, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति शिवानी पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह में छात्रों और शिक्षकों का हुआ सम्मान

सत्ता सुधार ■ गुना

शिशु मंदिर प्रतापनगर, पुरानी छावनी में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के साथ ही बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम रहने पर विद्यालय के आचार्यों और दीदियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनिल भार्गव ने छात्रों और पालकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्या भारती के विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था उच्च कोटि की होने के साथ ही छात्रों को संस्कार भी दिए जाते हैं। उन्होंने ग्रीष्मकालीन अवकाश में माताओं से बच्चों को मोबाइल से दूर रखने का आग्रह किया ताकि वे अपनी पढ़ाई और अन्य रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि अनिल भार्गव, भारत कुशवाह और प्राचार्य रामेश्वर नागर ने माता सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ किया। प्राचार्य रामेश्वर नागर ने बताया कि विद्यालय की बोर्ड परीक्षा में कक्षा 5 और 8 के सभी छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने इस सफलता के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति, पालकों और स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

बच्चों को अच्छी आदतें सिखाने के चक्कर में इन बातों का न लें सहारा

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

लालच देकर कोई काम न कराएं

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं। इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

कैसा हो आउटफिट और मैचिंग जूलरी? वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

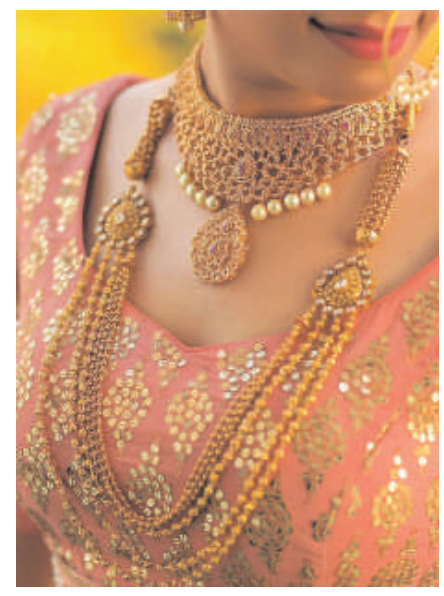

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

अवरेज हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

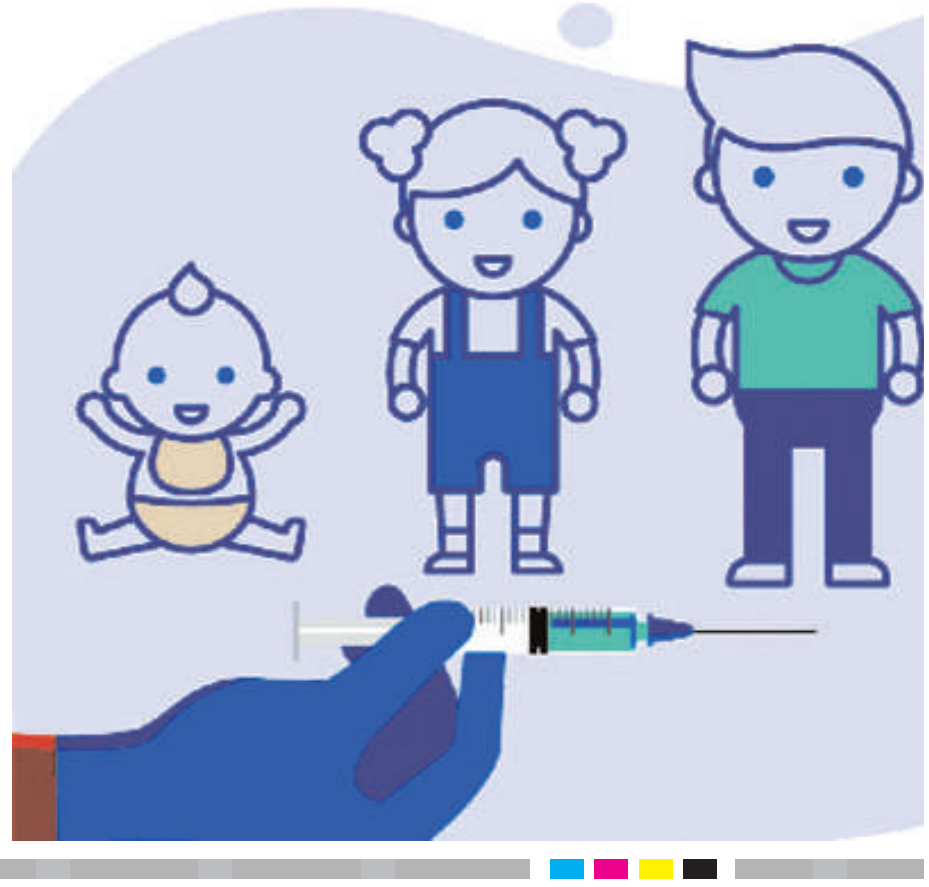

मेरे लिए सफलता का मतलब रूढ़ियों को तोड़ना: सामंथ रुथ प्रभु

हाल ही में सिडनी के भारतीय फिल्म महोत्सव के 11वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में साउथ फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी सफलता की परिभाषा पर खुलकर बात की। इस कार्यक्रम के दौरान सामंथा ने कहा कि महिलाओं के लिए सफलता केवल उपलब्धियों तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

यह सामाजिक बंधनों से मुक्त होने और अपनी शर्तों पर जीवन जीने का नाम है। उन्होंने बताया कि कैसे समाज महिलाओं पर कुछ तय सीमाएं लागू कर देता है और यह बताने की कोशिश करता है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। सामंथा ने इस मानसिकता को चुनौती देने की बात की और कहा कि सफलता वही है जो समाज के बनाए दायरों को तोड़कर अपने सपनों को खुलकर जीने में मिले। अभिनेत्री ने कहा, मैंने पहले भी कहा है कि मेरे लिए सफलता का मतलब रूढ़ियों को तोड़ना और खुद को सीमाओं से बाहर निकालना है। मैं किसी और से यह सुनने का इंतजार नहीं करती कि मैं सफल हूं या नहीं। यह एहसास खुद के भीतर से आता है। सफलता किसी बॉक्स में बंद नहीं हो सकती। हमें यह तय करने का हक होना चाहिए कि हम क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। इस दौरान सामंथा ने अपनी निजी और पेशेवर यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने अपने करियर में चुनौतियों का सामना किया और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ अपने सपनों को साकार किया। उन्होंने निर्माता बनने के अपने फैसले को भी सशक्त कदम बताया और कहा कि इससे उन्हें सार्थक कहानियों को सामने लाने का अवसर मिलेगा।

सिडनी फिल्म फेस्टिवल के डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने सामंथा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी यात्रा इस फेस्टिवल की सोच को पूरी तरह दर्शाती है। यह फेस्टिवल भी उन लोगों का मंच है जो अपनी मौलिकता, दृढ़ता और विविधता के लिए खड़े होते हैं। सामंथा का इसमें नेतृत्व करना गर्व की बात है। सामंथा की इस सोच को उनके फैंस और दर्शकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने हमेशा अपनी सोच और अभिनय से प्रेरणा दी है, और इस बार भी उन्होंने सफलता की एक नई और सशक्त परिभाषा दी है। बता दें कि सामंथा रुथ प्रभु अपनी बेबाक राय और विचारों के लिए जानी जाती हैं। वह न केवल अपनी अदाकारी से बल्कि सामाजिक मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय से भी फैंस के बीच लोकप्रिय हैं।

कावेरी कपूर अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तैयार

बालीवुड अभिनेत्री कावेरी कपूर अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट 'मासूम- द नेक्स्ट जेनरेशन' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन उनके पिता, मशहूर फिल्मकार शेखर कपूर कर रहे हैं, जो इसे 1983 की अपनी क्लासिक फिल्म 'मासूम' का सीक्वल बना रहे हैं।

इस खबर से दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। शेखर कपूर की 'मासूम' भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित पारिवारिक फिल्मों में से एक रही है, जिसमें नसीरुद्दीन शाह, शबाना आज़मी और सुप्रसिद्ध बाल कलाकार जुगल हंसराज नजर आए थे। फिल्म की भावनात्मक गहराई और पारिवारिक रिश्तों की जटिलता ने इसे एक एवरग्रीन क्लासिक बना दिया था। अब, 'मासूम 2' उसी संवेदनशीलता और गहराई को एक नए अंदाज में पेश करने का वादा कर रही है।

कावेरी कपूर पहले ही फिल्म इंडस्ट्री में एक बहुआयामी कलाकार के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। वह एक गीतकार, गायिका और अभिनेत्री भी हैं। उनके चार म्यूजिक वीडियो और पांच गाने रिलीज हो चुके हैं, जिनके जरिए उन्होंने अपनी संगीत प्रतिभा को साबित किया है। अब, 'मासूम 2' के साथ वह अपने अभिनय करियर को और ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसमें कावेरी को न केवल अपने पिता शेखर कपूर के निर्देशन में काम करने का मौका मिलेगा, बल्कि वह नसीरुद्दीन शाह और शबाना आज़मी जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ भी स्क्रीन साझा करेंगी। यह उनके लिए सीखने और खुद को एक मजबूत अदाकारा के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा अवसर होगा।शेखर कपूर ने इस फिल्म को लेकर कहा, मासूम सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि भावनाओं का एक सफर था। अब 'मासूम-द नेक्स्ट जेनरेशन' के जरिए मैं उसी दुनिया को नई पीढ़ी के नजरिए से दिखाने जा रहा हूं। बता दें कि युवा अभिनेत्री कावेरी कपूर ने हाल ही में फिल्म 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' से बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया।

मैं भगवान की बहुत आभारी हूं कि सब कुछ ठीक है: सारा अली खान

बीते दिनों अभिनेता सैफ अली खान पर उनके आवास में अज्ञात हमलावर ने चाकू से हमला कर दिया था। इस घटना के बाद उनकी बेटी और अभिनेत्री सारा अली खान ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि यह हादसा उनके लिए बेहद चौंकाने वाला था और इससे जीवन के प्रति उनका नजरिया बदल गया है। एक कायर्क्रम में शामिल होने आई सारा ने अपने पिता की सुरक्षा के लिए ईश्वर का आभार जताया। उन्होंने कहा, यह और भी बुरा हो सकता था। मैं भगवान की बहुत आभारी हूं कि सब कुछ ठीक है। हमें अपनी जिंदगी के लिए हमेशा शुक्रगुजार होना चाहिए। जब सारा से पूछा गया कि क्या इस घटना के बाद उनका परिवार और करीब आ गया है और उनके पिता से उनका रिश्ता और मजबूत हुआ है, तो उन्होंने कहा, इससे आपको एहसास होता है कि चीजें बस पल भर की हैं। इससे मुझे यह नहीं पता चला कि मैं अपने पिता से प्यार करती हूं, यह बात मैं पिछले 29 साल से जानती हूं। सारा ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से मिली सीख को साझा करते हुए कहा, इसने मुझे एहसास दिलाया कि जीवन रातोंरात बदल सकता है, तो हर दिन का हर पल सेलिब्रेशन का हकदार है। मुझे समझ आया कि जीना कितनी बड़ी बात है।

उन्होंने कहा कि इस हादसे ने उन्हें छोटी-छोटी खुशियों की सराहना करना सिखाया और अब वह हर पल को खुलकर जीने में यकीन रखती हैं। गौरतलब है कि इस हमले में सैफ अली खान को चाकू से छह बार वार किया गया था। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने खुद को संभाला और अस्पताल पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, यह हमला चोरी के इरादे से किया गया था, लेकिन जब सैफ ने हमलावर को रोकने की कोशिश की, तो उसने उन पर हमला कर दिया।

पति करता था मारपीट, बेटी ने दुत्कारा, 44 साल की एक्ट्रेस के रहे 6 रिलेशनशिप

बंगाली एक्ट्रेस स्वास्तिका मुखर्जी हिंदी सिनेमा का भी जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम किया है। कला में उन्होंने तृप्ति डिमरी की मां का किरदार निभाया था। इसके अलावा भी वह कई शानदार फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। स्वास्तिका मुखर्जी का प्रोफेशनल करियर तो उतार-चढ़ाव भरा रहा ही साथ ही उनकी निजी जिंदगी भी बेहद रोमांचक रही है। स्वास्तिका की शादीशुदा जिंदगी काफी दर्द भरी थी। उनके पति ने उनका शोषण किया तो वहीं उनकी बेटी उनसे नफरत करती है। स्वास्तिका 6 बार सीरियस रिलेशनशिप में रहीं, फिर भी उनका प्यार अधूरा रह गया। अब उन्होंने इस पर खुलकर बात की है।

स्वास्तिका मुखर्जी ने पर्सनल लाइफ पर खुलकर की बात

स्वास्तिका मुखर्जी ने जितेश पिल्लई के साथ बातचीत में बताया कि वह 6 बार सीरियस रिलेशनशिप में रहीं, लेकिन फिर भी उनकी प्रेम कहानी अधूरी ही रह गई। उन्होंने इस दौरान वो वजह भी बताई, जिसके चलते उन्हें अपनी पर्सनल लाइफ और खासतौर पर अपने अफेयर पर बोलने की जरूरत महसूस हुई। अभिनेत्री के अनुसार, उन्हें जिसके भी साथ देखा जाता है, उसके साथ अफेयर की अफवाहें चल पड़ती थीं, जैसे उनके 600 रिलेशनशिप रहे हों।

मैं 6 रिलेशनशिप में रही

स्वास्तिका मुखर्जी ने कहा- मैंने कभी कोई छल-कपट नहीं किया है। मेरी जिंदगी में ऐसा कभी नहीं हुआ कि मैंने ऐसा किया हो। लेकिन, मीडिया हर किसी के बारे में बात करना चाहता है। हर कोई... जिसके साथ आप कॉफी पीने जाते हैं। हमें इससे फर्क नहीं पड़ता, लेकिन यही सच्चाई है। ये सच है कि मेरे 6 रिश्ते रहे हैं, लेकिन इन चर्चाओं से ऐसा लगता है जैसे मेरे 600 रिलेशनशिप रहे हों। इस पर जितेश पिल्लई ने स्वास्तिका की टांग खींचते हुए कहा कि ये बहुत कम हैं। इस पर स्वास्तिका आगे कहती हैं- मैं जानती हूं कि ये बहुत बुरा है। इसलिए 50 की होने से पहले मुझे और भी करने हैं।

बेटी अन्वेषा करती है नफरत

बातचीत के दौरान स्वास्तिका मुखर्जी ने जीतेंद्र मदनानी के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी बेटी अब भी उनसे नफरत करती है। वह 6 साल तक साथ रहे और उनकी बेटी इसे लेकर अभी भी उन्हें कोसती है और कहती है कि वह उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। दरअसल, स्वास्तिका मुखर्जी की बेटी अन्वेषा जीतेंद्र मदनानी के साथ काफी अच्छा बॉन्ड शेयर करती थीं, ऐसे में जब वह उनसे अलग हुईं तो इसका प्रभाव उनकी बेटी पर भी पड़ा। स्वास्तिका कहती हैं- हम 6 साल साथ रहे और वो अभी भी मुझे कोसती है। वह कहती है कि इसमें आपकी गलती है। चाहे किसी भी कारण से ऐसा हुआ हो, लेकिन मैं आपको कभी माफ नहीं करूंगी। वह सच में उनके बहुत करीब थी। जब वो बड़ी हुई तो कहती थी- इतना अच्छा दिखने वाला आदमी, उसने क्या किया? यहां तक कि मेरी मां और बहन भी उसी का पक्ष लेते थे। वो उसकी शादी में भी गए थे। मेरी बहन रो रही थी और मैं सोच रही थी कि क्या नाटक चल रहा है। स्वास्तिका मुखर्जी तब सिर्फ 18 साल की थीं, जब उन्होंने सिंगर प्रमित सेन से शादी की थी। लेकिन, उनकी शादी ज्याद समय तक नहीं चल सकी और 2 ही साल में दोनों अलग हो गए। स्वास्तिका ने प्रमित पर शारीरिक शोषण के भी आरोप लगाए थे और उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था, जिसे बाद में खारिज कर दिया गया। इस शादी से स्वास्तिका की बेटी अन्वेषा हैं, जिनका जन्म साल 2000 में हुआ था।

एक्शन से भरपूर होगी सनी देओल की 'जाट'

हाल ही में एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'जाट' का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। इस फिल्म में बॉलीवुड के दमदार अभिनेता सनी देओल और रणदीप हुड्डा प्रमुख भूमिका में है।

इस बीच, रणदीप हुड्डा ने खुलासा किया कि सनी देओल ने उनकी फिटनेस यात्रा को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रणदीप हुड्डा ने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए बताया कि सनी देओल के प्रतिष्ठित पोस्टरों ने उन्हें और उनके दोस्तों को जिम जाने और फिट रहने के लिए प्रेरित किया था। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से सनी देओल का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। बड़े होते हुए, हमने उन्हें स्क्रीन पर जबरदस्त किरदार निभाते देखा। हमारे स्कूल के हॉस्टल में उनकी तस्वीरें लगी होती थीं, जिन्हें देखकर हम एक्सरसाइज करने के लिए प्रेरित होते थे। हुड्डा ने सनी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा, जब मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो मैं बहुत उत्साहित था। मुझे यकीन था कि मैं सनी सर जैसे दिग्गज के साथ एक अल्ट्रा माचो एक्शन स्टार की भूमिका निभा रहा हूं। उनके साथ स्क्रीन साझा करना मेरे लिए सम्मान की बात है। सनी देओल ने भी फिल्म की शुरुआत को लेकर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि 'गदर 2' की शूटिंग के दौरान ही 'जाट' की योजना बनी थी। उन्होंने कहा, हम इस प्रोजेक्ट को लेकर बहुत उत्साहित थे। कई निर्देशकों से मिलने के बाद आखिरकार गोपीचंद मलिनेनी ने इसे निर्देशित करने की सहमति दी।

'पगलैट' की कहानी दर्शाती है भावनात्मक यात्रा को

बालीवुड फिल्म निर्माता उमेश बिष्ट द्वारा निर्देशित 'पगलैट' फिल्म ने न केवल शोक और दु:ख को लेकर समाज की पारंपरिक सोच को बदला, बल्कि अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा को अपनी पीढ़ी की सबसे प्रभावशाली अभिनेत्रियों में भी स्थापित किया।

'पगलैट' की कहानी एक युवा विधवा संध्या की भावनात्मक यात्रा को दर्शाती है, जो अपने पति की मृत्यु के बाद समाज द्वारा तय किए गए शोक के नियमों से खुद को अलग पाती है। सान्या ने इस किरदार में संवेदनशीलता और आत्म-खोज के बीच की जटिलता को बखूबी उकेरा। यह फिल्म हमारे समाज में प्रचलित उस धारणा को तोड़ती है कि महिलाएँ केवल भावनात्मक रूप से कमजोर होती हैं। इसके बजाय, यह महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्णय और स्वतंत्रता की एक नई परिभाषा गढ़ती है। 'पगलैट' की सफलता के बाद सान्या मल्होत्रा के करियर को नई ऊँचाइयाँ मिलीं।

उनकी हालिया फिल्म 'मिसेज' ने एक बार फिर साबित किया कि वह जटिल और गहन कहानियों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करने में माहिर हैं। उनके आगामी प्रोजेक्ट्स, जैसे कि 'सनी संसकारी की तुलसी कुमारी' (धर्मा प्रोडक्शंस) और अनुराग कश्यप व बॉबी देओल के साथ उनका रोमांचक सहयोग, इस बात का संकेत देते हैं कि सान्या लगातार अपनी सीमाओं को आगे बढ़ा रही हैं और भारतीय सिनेमा में सबसे बेखौफ अभिनेत्रियों में से एक बनी हुई हैं। 'पगलैट' के चार साल बाद भी यह फिल्म सान्या के करियर का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनी हुई है। यह न केवल उनकी बेहतरीन अदाकारी को दर्शाती है, बल्कि भारतीय सिनेमा में महिला-प्रधान फिल्मों की बढ़ती ताकत का भी प्रतीक है।

सान्या ने इस फिल्म के जरिए यह साबित कर दिया कि वह अपनी दमदार प्रस्तुति और सशक्त किरदारों के साथ लंबे समय तक दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली हैं। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने हमेशा ऐसी भूमिकाएँ निभाई हैं जो परंपरागत धारणाओं को चुनौती देती हैं और सार्थक चर्चाओं को जन्म देती हैं। उनकी समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म 'पगलैट' अपनी चौथी वर्षगांठ मना रही है, और यह फिल्म इस बात का प्रमाण है कि सान्या अपने हर किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाने में कितनी सक्षम हैं।

ब्रीफ न्यूज

पुजा अटोदे द्वारा रनु बाईं आई निमाड़ म गीत हुआं लांच

खरगोर। निमाड़ कि मशहूर गायिका पुजा अटोदे (सांवले) के द्वारा गणगौर गीत अपनी मधुर अंदाज एवं सुरीली आवाज में एक से बढ़कर एक निमाड़ी गणगौर गीत गायें गये। वही आर्टिस्ट में राजेश्वरी पंचोली, सपना केवड़े,तन्नु केवड़े, गुनगुन नागराज, अनिता अटोदे, किरण डुडवे,व सचिना मुजाल्दे द्वारा विषेश सहयोग देकर प्रस्तुतिया दि गई। जहां विडियो रिकार्डिंग रिया विडियो विज़न के द्वारा किया गया। जहां केमरा मेन रिंकु कुशवाहा गोकुल पाटिदार द्वारा तथा म्यूजिक रिकॉर्डेड कुमार डिजिटल स्टुडियो खरगोर के द्वारा किया गया। बता दें कि पुंज अटोदे (सांवले) गणगौर गीत नवदुर्गा गरबा रास एवं आर्केस्ट्रा के माध्यम से शादी समारोह सहित अन्य कार्यक्रमो में अपनी सुरीली व मधुर आवाज में श्रोताओं का मन मोहक अंदाज में वाहवाही बटोरती रहीं हैं। वहीं निमाड़ी गायिका पुजा अटोदे ने बताया कि समय-समय पर नव दुर्गा उत्सव पर गरबा रास, गणगौर गीत सहित अन्य गीतों के माध्यम से में हमेशा सेवाएं देती रहुगी।

महर्षिगौतम जयंती पर गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज ने विशेष कार्यक्रम किए

सीहोर। हर साल की तरह इस साल भी महर्षिगौतम जयंती पर गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज ने विशेष कार्यक्रम किए। कार्यक्रम का आयोजन शहर के प्राचीन गणेश मंदिर के पीछे स्थित गौतम भवन परिसर मे गोतम जयंती पर्व सभी समाजजन द्वारा बडे हर्षउल्लास के साथ मनाया गया। समाज के आचार्य पं.ब्रजमोहन जोशी ने मंत्रोपचार कर पूजन कराया। इस मौके पर सर्वप्रथम समाज के वरिष्ठ पंडित एमडी शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, गोपालकृष्ण दुबे, राजेन्द्र दुबे, प्रवीण तिवारी ट्रस्टअध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर महर्षिके पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में बडी संख्या में महिला मंडल शामिल रहा। महर्षिकी आरती के बाद प्रसाद का वितरण समाज के युवा साथी पं. रजत व्यास को आगामी परशुराम जन्मोत्सव चलसमारोह का अध्यक्ष नियुक्त होने पर युवा संघ अध्यक्ष अंकित जोशी, जिलाध्यक्ष कमलेश व्यास, महिला मंडल अध्यक्ष अंजली दुबे, कोषाध्यक्ष मंजु तिवारी द्वारा पुष्प माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया एवं आगामी कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रवीण तिवारी ने कहाकि महर्षिगौतम की ज्ञानपरक परंपरा हमें धर्म, कर्मऔर न्याय के मार्गपर चलने की प्रेरणा देती है। उनके विचारों को आत्मसात कर समाजोत्थान में योगदान देना चाहिए।

ब्राह्मण समाज महिला मंडल के तत्वधान में इस वर्ष भी निकाला जा रहा गणगौर चल समारोह

सीहोर। ब्राह्मण समाज महिला मंडल के तत्वधान में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्षभी तेरह दिवसीय गणगौर चल समारोह का आयोजन धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है जानकारी देते समाज की अध्यक्ष नीलम शर्माने बताया कि तेरह दिवसीय आयोजन हर वर्षकिया जाता है उसी तत्वाधान में 30 मार्च गणगौर चल समारोह कार्यक्रम स्थान हरदोल लाला मंदिर से प्रारंभ हुआ जिसमें ड्रेस कोड चुंदड़ी रखी गई जो मुख्य मार्गो से होते हुए सीवन तट पर पहुंचकर झाले दिये गये साथ ही महिलाएँ एवं युवतियाँ द्वारा शिव पार्वती की प्रतिदिन पूजा अर्चना करती है तरह तरह के व्यंजनों का लाभ उठाकर मेले का भव्य रूप बनाकर गणगौर के गीत गाती है।

दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालु सलकनपुर देवीधाम

सत्ता सुधार ■ सीहोर

चैत्र नवरात्री पर विजयासन देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सलकनपुर आगमन हो रहा है। श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना एवं दर्शन में किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसके लिए कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई तथा पर्याप्त बिजली की व्यवस्था की गई है।

मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के सुगम आगमन एवं निर्गमन के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही मेला स्थल पर दुकानों को व्यवस्थित ढंग से लगाया गया है, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो। ट्रेफिक नियंत्रण के लिए भी पयाप्त संख्या में पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए हेल्थ कैंप लगाए गए हैं। जिससे श्रद्धालुओं को चिकित्सा की आवश्यकता पडने पर तत्काल रूप से मेडिकल सहायता प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही इमरजेंसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। सलकनपुर मंदिर के लिए बाहर से आने वाली बसों की पार्किंग के लिए अस्थाई बस स्टैण्ड बनाया गया है, ताकि सड़क मार्गपर बसों से होने वाले ट्रैफिक को व्यवस्थित एवं नियंत्रित किया जा सके। मुख्य स्थानों पर लगाए गए हैं हेल्प डेस्क बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में कोई परेशानी न हो, इसके लिए मुख्य स्थानों पर हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। इसके साथ ही मंदिर परिसर में कन्ट्रोल रूम भी बनाए गए हैं, जिससे ड्यूटी के दौरान सभी अधिकारी-कमज्चारी सतत संपर्कमें हैं। सलकनपुर में चल रहे देवीलोक के निर्माण कार्यएवं यातायात को दृष्टिगत रखते हुए नवरात्रि पर्वके दौरान निजी वाहनो के मंदिर परिसर तक जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए समिति द्वारा अधिकृत टैक्सी वाहन चलाए गए हैं, जिससे श्रद्धालु मंदिर तक आ-जा रहे हैं। निजी वाहनों से आने वाले श्रद्धालु नीचे बनाई गई पार्किंग में अपने वाहन खड़ा करके अधिकृत टैक्सी वाहन से मंदिर तक आ-जा रहे हैं।

भूमि पर कब्जा होने की पटवारी रिपोर्ट आने के बाद भी तहसीलदार नहीं कर रहे कार्रवाई

ग्राम मड़खेड़ा में दबंग भू-माफिया के आगे बेबस राजस्व अमला

चरनोई की शासकीय भूमि से नहीं हटवा पा रहे अवैध अतिक्रमण

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

ऐसा लगता है, कि अब दबंग भू-माफियाओं के आगे राजस्व अमला बेबस हो गया है,जो शासकीय संपत्ति को सुरक्षित रखने में नाकाम नजर आ रहा है,और चरनोई की शासकीय भूमि पर से अवैध अतिक्रमण नहीं हटवा पा रहा है। जबकि पटवारी द्वारा शासकीय चरनोई की जमीन पर कब्जा होने की रिपोर्ट तहसीलदार को सौंप दी गई है। और लोग कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। पिछले वर्ष तो जमीन डूब में आ गई थी, इस कारण अतिक्रमणकारी ने उसे खाली छोड़ दिया था, लेकिन इस वर्ष उस पर फसल बोकर खेती कर रहा है। मामला अशोक नगर तहसील अंतर्गत ग्राम मड़खेड़ा की चरनोई की भूमि पर अवैध कब्जे का है। दरअसल ग्राम मड़खेड़ा में सर्वे नंबर 9 रकवा 2.4050 हेक्टेयर शासकीय चारागाह की भूमि है,जो सड़क किनारे पुलिया के पास होने से बेशकीमती है,जिस पर गांव के दबंग भू-माफिया ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है, और मजे से खेती कर लाखों रुपए की फसल उगाकर लाभ उठा रहा है। और गांव के निराश्रित मवेशी भूखे प्यासे मारे-मारे फिर रहे हैं उन्हें उनका हक नहीं मिल रहा है। ऐसा नहीं कि राजस्व अमले को इस बात की जानकारी ना हो बल्कि हल्का पटवारी ने तो करीब 15 दिन पूर्व ही तहसीलदार को चरनोई की जमीन पर अवैध कब्जा होने की रिपोर्ट लिखकर दे दी है। लेकिन अब तहसीलदार के हाथ में है कि वह कब उक्त चरनोई की भूमि पर से अतिक्रमण हटवाकर गांव के मूक जानवरों गौ वंश को उनका हक दिलवाते हैं। जबकि इस समय कलेक्टर सुभाष द्विवेदी द्वारा जिले भर में अभियान चला कर एसडीएम की अध्यक्षता में टीम गठित कर शासकीय जमीनों से अवैध अतिक्रमण हटाने का काम किया जा रहा है। अब यह देखना होगा कि कब तक निराश्रित मवेशियों को न्याय मिलता है,और उक्त शासकीय चरनोई की जमीन को राजस्व अधिकारी कब अतिक्रमण मुक्त कराते हैं। मिली जानकारी के अनुसार उक्त सर्वे नंबर की शासकीय चरनोई की भूमि पर करीब 20 वर्षो से अतिक्रमणकारी भू-माफिया का कब्जा है,और उसने अब तक लाखों रुपए उक्त जमीन पर फसल पैदा कर कमा लिए हैं। ऐसे में आशंका है कि वह अधिकारियों से सांठ-गांठ कर अतिक्रमण की कार्यवाही से बच न जाए। और उसके कब्जे की शासकीय चरनोई की जमीन अतिक्रमण मुक्त न हो पाए ?

राजस्व अधिकारियों की मेहरबानी से नहीं हो रही काशी धाम कॉलोनी पर कोई कार्यवाही

प्लाट काटकर भू-माफिया बेच रहा सरकारी जमीन

जिले में भू-माफियाओं द्वारा शासकीय जमीनों पर अवैध कब्जा कर उसे बेचे जाने का काम जारी है,भले ही लोगों द्वारा इसकी शिकायत की जा रही हो और प्रशासन के संज्ञान में हो,लेकिन भू-माफियाओं और राजस्व अमले की सांठ-गांठ के चलते, राजस्व अधिकारी सरकारी जमीन बिकने का इंतजार कर रहे हैं।और भू-माफिया भी कॉलोनी बनाकर, प्लाट काटकर सरकारी जमीन धड़ल्ले से बेच रहे हैं,और अधिकारी भू-माफियाओं पर कोई कार्रवाई करते नजर नहीं आ रहे। जिला मुख्यालय पर ही शहर से लगी अशोकनगर तहसील के पटवारी हल्का ग्राम बरखेड़ा जागीर के ग्राम टकनेरी की शासकीय भूमि सर्वे नंबर 23 रकबा 0.2510 हेक्टेयर पर अतिक्रमणकारी कॉलोनाइजर द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि पर से कब्जा हटाने के लिए पूर्व में कई बार नोटिस दिया गया, बावजूद इसके उसने जमीन खाली नहीं की, क्योंकि एक तो जमीन वेशकीमती,दूसरे शहर से लगी हुई है, ऐसे में अतिक्रमणकारी उसे किसी भी हालत में छोड़ने के मूड में नहीं है।बल्कि उसने उक्त सरकारी जमीन को चारों तरफ से घेर लिया है, पक्की बाउंड्री बाल बनाकर उस पर काशी धाम कॉलोनी के नाम से बोर्ड लगा रखा है। और धडल्ले से प्लाट काट रहा है। इस संबंध में कई शिकायतें हो चुकीं, लेकिन अधिकारी नहीं चाहते कि उस भू-माफिया के कब्जे से शासकीय जमीन अतिक्रमण मुक्त हो, क्योंकि राजस्व अमले से गठजोड़ के चलते ही उसने शासकीय जमीन पर कब्जा किया है। और नोटिस मिलने के बाद भी खाली नहीं कर रहा।अधिकारियों का संरक्षण होने से उसे किसी भी कार्यवाही से कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। ऐसे में अब देखना होगा कि उक्त वेश कीमती शासकीय कब अतिक्रमण मुक्त होती है ?

शासकीय जमीन पर अतिक्रमण कर मजे से खेती कर रहा भू-माफिया

पटवारी रिपोर्ट आने के बाद भी नहीं हो रही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले की पिपरई तहसील अंतर्गत ग्राम महिदपुर में करीब 10 बीघा शासकीय भूमि पर गांव के दबंग भू-माफिया ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है।और उस पर मजे से खेती कर रहा है।

इतना ही नहीं अवैध कब्जा धारी ने अपने फायदे के लिए जमीन खाली करने वहां पर रखी पुरातत्व महत्व की अति प्राचीन धरोहरों से भी छेड़छाड़ कर उन्हें खुर्द कर दिया है। गांव की सर्वे क्रमांक 24/1 रकवा 8.9960 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर भू-माफिया का कब्जा है। जहां पूर्व में पुरातत्व महत्व के सेल चित्र के बड़े-बड़े पत्थर की शिला रखी हुई थीं,अनेक कीमती पत्थर रखे हुए थे। जिन पर बहुत ही आलौकिक चित्र बने हुए थे, उनको तोड़फोड़ कर,शासकीय भूमि पर कब्जा किया हुआ है। कब्जाधारी ने अवैध खुदाई कर लाखों रुपए का मुरम रोड बनाने वालों को बेच दी। मुरम की अवैध खुदाई करके बहुत बड़े-बड़े गड्ढे बना दिए। जिसके कारण पर वहां पर रहने वाले लोगों,बस्ती वालों को दुर्घटना की संभावना से जान का खतरा बना रहता है। सड़क किनारे से ही अवैध खुदाई की जिससे राहगीर आने जाने वालों को हमेशा दुर्घटना होने डर बना रहता है। जमीन पर अतिक्रमण की पटवारी रिपोर्ट तहसीलदार के पास आने के बावजूद भी अतिक्रमण हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। इससे लगता है कि राजस्व अधिकारी की उक्त अतिक्रमण हटाने में दिलचस्पी नहीं है। और वह पटवारी रिपोर्ट आने के करीब 15 दिन बाद भी उस पर कोई कार्रवाई करना नहीं चाह रहे।

चार पहिया वाहन की टक्कर से भाई बहन की मौत

खरगोन। खरगोन खंडवा मार्ग पर स्थित ग्राम बिलाली में रविवार रात करीब 9 बजे अज्ञात चार पहिया वाहन ने पुरुष और महिला को कुचल दिया । जिससे उन दोनों कि मौके पर ही बेहद दर्दनाक मौत हो गई । इस दुर्घटना की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को लगी पूरे ग्राम सहित आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई ग्राम वासियों ने इस घटना की सूचना तुरंत गोगावा थाने पर दी । मौके पर पहुंचे गोगावा थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी भीकनगांव एसडीओपी राकेश आर्य उक्त घटना की जांच कर रहे हैं । थाना प्रभारी सोलंकी ने बताया कि दोनों रूपाली पिता रामचंद्र (18) व अजय पिता रामचंद्र (21) आपस में भाई-बहन थे व वह धुलकोट के निवासी थे।

ईदगाह पर नमाज अदा, भाईचारे और सद्भावना की मांगी दुआ

सत्ता सुधार ■ सत्ता सुधार, अशोकनगर/शाढ़ौरा

नईसराय मार्ग स्थित ईदगाह पर ईद उल फितर के अवसर पर नमाज अदा की गई, जहाँ मुस्लिम समुदाय ने भाईचारे और खुशियों के लिए दुआएं मांगी। सोमवार सुबह 9 बजे, कर नईसराय मार्ग पर स्थित ईदगाह ने में मुस्लिम समुदाय ने ईद उल ात फितर के पर्व पर एकत्र होकर में नमाज अदा की। इस अवसर पर या सभी ने भाईचारे और सुख-शांति है की इबादत की। सुबह से ही बच्चों, बड़ों और जवानों या में उत्साह और उमंग देखी गई, जो नमाज अदा करने के लिए ईदगाह की ओर जाते हुए नजर आए। नमाज आयोजन को लेकर पुलिस और प्रशासन ने चाक चौबंद इंतजाम किए थे, जिससे मातहत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई। नमाज के दौरान, नगर के हिन्दू भाई भी ईदगाह पहुंचे और गले लगाकर मुस्लिम भाईयों को ईद की मुबारकबाद दी। रमजान के पवित्र माह के बाद, ईद उल फितर के इस पर्व पर भाईचारे की भावना को मजबूत किया गया, जिसमें सभी समुदायों ने मिलकर एकता और सद्भावना का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे के लिए स्वास्थ्य, खुशहाली और सामाजिक समरसता की दुआएं मांगी।

अशोकनगर में रेलवे ट्रैक पर मिला अधेड़ का शव

अशोकनगर/शाढ़ौरा। गुना से अशोक नगर की ओर जा रही ट्रेन से एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति की कटकर मौत हो गई है, जिससे आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। गुना से अशोकनगर की ओर जाने वाली गुड़स ट्रेन ने दोपहर 12 बजे के करीब एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक का सिर पटरी पर ऐसा रखा हुआ था मानो वह आत्महत्या करने का प्रयास कर रहा हो। ट्रेन चालक ने घटना की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दी, जिसके बाद पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतक की पहचान करने का प्रयास कर रहे हैं। घटना की परिस्थितियों को देखते हुए आत्महत्या की आशंका को प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया पुलिस का कहना है कि मृतक आत्महत्या की नियत से ही रेलवे ट्रेक तक पहुंचा था, जहां उसने इस दुर्घटना को अंजाम दिया।

जल गंगा संवर्धन अभियानः जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

मुंगावली विधायक यादव ने तालाब से मिट्टी खोदकर किया श्रमदान

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

मुंगावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सरदारपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए एक विशेष श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान का शुभारंभ माननीय विधायक श्री बृजेन्द्र सिंह यादव द्वारा किया गया, जिन्होंने स्वयं तालाब के गहरीकरण हेतु श्रमदान कर मिट्टी निकाली, जिससे जल संचय की क्षमता बढ़ेगी। यह अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलेगा, जिसमें जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री यादव ने स्थानीय ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए अधिक से अधिक सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि जल संकट को कम करने और प्राकृतिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाबों, कुओं और अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन, वृक्षारोपण और जनजागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य जल संरक्षण को एक जनआंदोलन का रूप देना है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और पर्याप्त जल उपलब्ध हो सके। स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासन के सहयोग से इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया गया है, जिससे क्षेत्र में जल संकट की समस्या को प्रभावी रूप से हल किया जा सके।

इस कार्यक्रम मे जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि धर्मेंद्र जैन, सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार यादव, पूर्व सरपंच प्रमोद सरवैया, महामंत्री यशपाल यादव, अनुविभागीय अधिकारी मुंगावली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुंगावली, पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

हाऊसिंग बोर्ड ओवर ब्रिज की लंबाई यथावत रखने, सीहोर स्टेशन पर सुविधाएं बढ़ाने और सभी ट्रेनों के स्थाई स्टॉपेज की मांग को लेकर रेलवे बोर्ड अध्यक्ष सह सीईओ के नाम सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

जिला कांग्रेस के पूर्व महासचिव पंकज शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टीके एक प्रतिनिधिमंडल ने सीहोर रेलवे स्टेशन पहुंचकर भारतीय रेल के सबसे बड़े अधिकारी रेलवे बोर्डके अध्यक्ष सह सीईओ सतीश कुमार के नाम संबोधित एक ज्ञापन स्टेशन प्रबंधक जेएस मिश्रा को सौंपा । ज्ञापन के माध्यम से पंकज शर्माने सीहोर में रेलवे संबंधी विभिन्न कमियों को दूर करते हुए सुविधाएं बढ़ाए जाने की मांग रेलवे बोर्ड अध्यक्ष से की ।

इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए पंकज शर्माने बताया कि सीहोर नगर के हाऊसिंग बोर्डरेलवे फाटक पर निमाणज़धीन ओवर ब्रिज की लंबाई किन्हीं कारणों से कम करवाकर तथा इसमें अनावश्यक मोड़ देकर लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसकी जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कठोर कारज़्वाई किया जाना चाहिए तथा इसकी लंबाई पूवानजुसार ही रखी जानी चाहिए । पंकज शर्माने कहा कि सीहोर रेलवे स्टेशन पर खासकर प्लेट फॉर्म क्रमांक दो पर सुविधाओं की भारी कमी है, प्लेटफॉर्मक्रमांक दो पर खाने-पीने की चीजों की दुकानें, आरक्षित तथा अनारक्षित टिकट घर, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने सहित आरक्षित टिकट खिड़की का समय बढ़ाकर शाम पांच बजे तक किए जाने की मांग रेलवे बोर्ड अध्यक्ष से की । पंकज शर्माने कहा कि कोरोना काल के बाद से यहां कई ट्रेनों का स्थाई स्टॉपेज भी बंद है, बीच-बीच में थोड़े समय के लिए कुछ ट्रेनों का अस्थाई स्टॉपेज सीहोर रेलवे स्टेशन को दिया जाता है जिसे कुछ दिनों बाद बंद कर दिया जाता है । पंकज शर्माने कहा कि सीहोर जिला एक बहुत बड़ा जिला है और यहां आसपास कई धामिज्क और ऐतिहासिक पयज़्टन स्थल हैं जिससे यहां बड़ी संख्या में रेल यात्रियों का आवागमन होता है और प्रदेश की राजधानी भोपाल तथा वाणिज्यिक राजधानी इंदौर और बड़े औद्योगिक व धार्मिक शहरों देवास और उज्जैन के निकट होने से यहां से बड़ी संख्या में लोग रोजाना रेल से अप-डाऊन करते हैं, इसलिए यहां ट्रेनों के अस्थाई नहीं बल्कि स्थाई स्टॉपेज की आवश्यकता है ताकि यहां के लोगों को भारतीय रेलवे की सस्ती तथा गुणवत्तापूर्णसुविधाओं का लाभ मिल सके और उनको रेल यात्रा के लिए दूसरे स्टेशनों पर ना भटकना पड़े । पंकज शर्माने अंत में कहा कि उनके द्वारा पूर्वमें रतलाम मंडल डीआरएम के नाम भी इन्हीं सब मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया था लेकिन अब तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है इसलिए हमारी रेलवे बोर्ड अध्यक्ष से ये मांग है कि वो जनहित की इन सभी मांगों को स्वीकार कर सीहोर जिलेवासियों के रेल के सफर को सुगम बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें तथा इन सभी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर इन्हें पूरा करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने का निर्देश रतलाम मंडल के डीआरएम को दें ताकि सीहोर जिलेवासियों को महंगे तथा कष्टदायक सफर से मुक्ति मिलकर राहत मिल सके । ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व पार्षद प्रतिनिधि सतीश दरोठिया, जनपद सदस्य प्रतिनिधि जय सिंह भारती, हर्ष गुप्ता, राजेश रैकवाल, अरुण मालवीय, सक्षम शर्मा, समर्थ शर्मा आदि कांग्रेसजन शामिल हैं ।

हिंदू समाज की शक्ति और गौ रक्षा का लिया संकल्प

शौर्य कुंभ में बजरंगियों ने भरी हुंकार, हजारों कार्यकर्ता जुटे

सत्ता सुधार ■ इंदौर

शहर के नेहरू स्टेडियम में बजरंग दल द्वारा विशाल शौर्य संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मालवा प्रांत से हजारों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रज्ञानंद महाराज ने मौजूदा सरकार को सनातनी सरकार बताते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारें मदरसे संचालित करती थीं, जबकि वर्तमान सरकार देश को सही दिशा में आगे बढ़ा रही है।

विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने हिंदू समाज से अपने सम्मान और सुरक्षा के लिए सतर्क रहने और आवश्यक कदम उठाने की अपील की। परांडे ने यह भी बताया कि बजरंग दल और विहिप हर वर्ष हजारों कन्याओं की घर वापसी कराने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं और अब इस अभियान को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। मिलिंद परांडे ने गौ रक्षा के मुद्दे पर जोर देते हुए कहा कि देश में हजारों गोमाताओं की हत्या हो रही है, जिसे रोकना हर हिंदू का दायित्व है। उन्होंने बजरंग दल को गोवंश संरक्षण में सबसे सक्रिय संगठन बताया, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि यह जिम्मेदारी केवल एक संगठन की नहीं, बल्कि संपूर्ण हिंदू समाज की है। इसके साथ ही, उन्होंने हिंदू समाज से जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट होने की अपील की। परांडे ने कहा, हिंदू वसुंधरा के सभी लोग हिंदू ही हैं, हमें अपनी अस्मिता को भूलकर एक साथ खड़ा होना होगा।

साथ ही विहिप बजरंग दल के पप्पी ठाकुर की टीम ने शौर्य कुंभ के ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मंचों से पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया

मां अहिल्या की नगरी में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल मालवा प्रांत के शौर्य कुंभ में हजारों बजरंगियों ने हुंकार भरी। इंदौर शहर में प्रदेश स्तर का इतना बड़ा शक्ति प्रदर्शन पहली बार देखने को मिला। ?मंचों से पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। जय-जय सियाराम, सनातन की जय हो के जयकारे गूंजते रहे। शौर्य कुंभ के दौरान पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा।?? आयोजन में उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, धार, शाजापुर, खरगोन, खंडवा से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। आरएनटी मार्ग स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सामने मोदी पेट्रोल पंप के सामने लगाए गए मंच से शौर्य कुंभ का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान भाजपा नेता अनूप शुक्ला, प्रोफेसर चेतन कोठवले, मनीष राय, समाजसेवी राहुल जैन, वरिष्ठ पत्रकार विनय वर्मा, मनीष शर्मा,? अरविंद तिवारी, स्वदेश गौर, रजनीश, एडवोकेट प्रकाश जोशी, समाजसेवी जय आहूजा आदि उपस्थित थे।

सदर बाजार मुख्य ईदगाह पर शहर काजी ने की नमाज अता, की देश में अमन-चैन की दुआ

शहर काजी बोले- स्वच्छता की तरह नशामुक्ति में भी नंबर वन बनें इंदौर

सत्ता सुधार ■ इंदौर

रमजान के महीने के समापन के साथ ही ईद-उल-फितर का पवित्र त्योहार सोमवार को मनाया जा रहा है। रविवार शाम को शहर काजी ने चांद नजर आने की तस्दीक कर दी। शहर काजी डॉ. इशरत की अगुआई में चांद का दीदार किया गया, साथ ही प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों से भी इसकी तस्दीक हुई।

नमाज से पहले शहर काजी डॉ. मोहम्मद इशरत अली ने सदर बाजार ईदगाह पर संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से हमारा इंदौर शहर स्वच्छता में नंबर वन रहा, इसी तरह कोशिश करना चाहिए कि नशा मुक्ति में भी हम अव्वल आए। आज नौजवान नशे की लत में पड़कर अपनी जिंदगी खत्म कर रहा है। हम सब की कोशिश होना चाहिए कि नशा बेचने वाले की खबर पुलिस को दे। शहर के अलग-अलग हिस्सों में नशा मुक्ति केंद्र खोले जाना चाहिए, जहां पर नशा करने वालों का निःशुल्क इलाज किया जाए।

शाही बग्घी में बैठा कर लाए ईदगाह

मुस्लिम समाज आज ईदुल फित्र का त्यौहार हर्षोउल्लास के साथ मना रहा है। सुबह से ही मुस्लिम बस्तियों में चहल-पहल है। नमाज के लिए शहर काजी को उनके निवास से शाही बग्घी में बैठाकर ईदगाह लाया गया और नमाज के बाद ससम्मान घर छोड़ा गया। यह जिम्मेदारी 50 सालों से सलवाड़ियां परिवार निभाते आ रहा है।

पवित्र त्योहार में अल्लाह से दुआ मांगते हैं

खजराना मस्जिद के मौलवी सैय्यद शाहिद अली ने बताया कि यह पर्व इस्लाम धर्म के लोगों की एकता और आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक है। ईद के दिन विशेष नमाज अदा की जाती है। इस दौरान हम अल्लाह का शुक्रिया अदा करते हैं और जाने-अनजाने में हुई अपनी गलतियों की क्षमा मांगते हैं। इस अवसर पर विशेष दुआएं की जाती हैं और जरूरतमंदों में फितरा व जकात बांटी जाती है।

मुंबई बाजार समेत इंदौर के बड़े मार्केट गुलजार

रमजान के पाक माह के अंतिम दिनों में दुकानदारों ने अपनी दुकानों को सजाया है और स्टॉक भी बढ़ाया है। इंदौर के प्रमुख बाजार, जैसे मुंबई बाजार, राजवाड़ा, सरवटे बाजार, जेल रोड और मालवा मिल इलाकों में ज्यादा चहल-पहल है। सेवइयों और मिठाइयों की मांग भी बढ़ी है, खासकर कोलकाता सेवइयां, रोस्टेड सेवइयां और दूध सेवइयां ग्राहकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं।

बोहरा समाज ने एक दिन पहले मनाई ईद : दाउदी बोहरा समाज ने भी ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया। दाउदी बोहरा समाज ने मस्जिदों में नमाज पढ़ी। बोहरा समाज एक दिन पहले ही ईद मनाता है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने बाजारों में अपनी निगरानी और सुरक्षा को और मजबूत किया है। राजवाड़ा से लेकर मुंबई बाजार तक, खजराना क्षेत्र, सभी मुख्य बाजारों और चौराहों पर पुलिस तैनात रही।

हम साया कौम के साथ भाईचारे के साथ रहें

शहर काज़ी ने कहा कि अपने अखलाक को अच्छा और बुलंद रखना पड़ेगा। हम साया कौम के साथ भाईचारे के साथ रहना चाहिए। एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होना चाहिए। हम साया कौम से जिस तरह की हमें उम्मीद रहती है। हमें भी वैसा ही सुलूक उनके साथ रखना चाहिए। शहर काजी ने कहा कि पानी की हिफाजत करना जरूरी है। भूजल स्तर गिर रहा है। आने वाले समय में पानी की किल्लत हो सकती है, इसलिए पानी की हिफाजत करें और जरूरत के हिसाब से ही उपयोग करें।

आपसी मसले समाज में ही सुलझाएं

शहर काजी ने कहा कि समाज में आज छोटी-छोटी बातों पर घर-परिवार बिखर रहे हैं। मामूली बातों को लेकर पुलिस और अदालत के चक्कर लगा रहे हैं। हमें चाहिए कि सभी तरह के मसले समाज में ही सुलझा लिए जाएं। अब तो अदालतें भी हर समाज में सुलह सेंटर खुल रही है। हमें इन सेंटरों पर अपने मसले सुलझाकर समय और पैसे की बर्बादी से बचना चाहिए। इंदौर में मुस्लिम समाज के सात सेंटर चल रहे हैं। यहां पर हाई कोर्ट द्वारा प्रशिक्षित मध्यस्थ मामलों को सुलझा रहे हैं।

समर सीजन हुआ लागू, इंदौर को मिलेगी नई उड़ानें

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर शहर को अब नई उड़ानें मिलना शुरू हो जाएगी। 31 मार्च से इंदौर के देवी अहिल्या बाई एयरपोर्ट पर समर सीजन लागू हो गया है। ग्रीष्मकाल में स्कूल, कॉलेजों की छुट्टियां होती है और काफी लोग घूमने निकल जाते है। इसे देखने हुए एयरलाइंस कंपनियों ने कुछ नई उड़ानें शुरू करने का फैसला लिया है।

इंदौर से शुरू होने वाली दो उड़ाने तो रायपुर और जबलपुर के लिए है, लेकिन तीसरी उड़ान पुणे के लिए होगी। इंदौर में फिलहाल 100 से ज्यादा उड़ानों का संचालन हो रहा है। मुंबई, दिल्ली, जयपुर, चेन्नई, गोवा, बेलागावी, अहमदाबाद समेत कई उड़ानें शामिल है। जिन तीन शहरों के लिए उड़ानें शुरू हुई है, वह पहले से इंदौर से कनेक्ट है। इंदौर-रायपुर की उड़ान का फायदा विशाखापट्टनम तक जाने वाले यात्रियों को भी मिलेगा। रायपुर में 20 मिनट रुकने के बाद वही विमान विशाखापट्टनम तक जाएगा। यह उड़ान सोमवार से शुरू हो गई। सुबह 6.35 बजे विमान ने इंदौर एयरपोर्ट से उड़ान भर ली।

नार्थ गोवा के लिए भी होगी उड़ान : छुट्टियों में कई लोग गोवा भी जाते है। इसे देखते हुए इंदौर से नार्थ गोवा के लिए भी एक उड़ान होगी। यह उड़ान 15 अप्रैल से शुरू होगी। इंदौर से पहले साउथ गोवा की कनेक्टिविटी भी है। इंदौर में समर सीजन में और भी नई उड़ानें मिल सकती थी, लेकिन एयरपोर्ट में रनवे के काम शुरू होने के कारण रात 12 बजे से सुबह छह बजे तक एयरपोर्ट बंद रहते है। इस कारण इंदौर में विमानों की पार्किंग नहीं हो पा रही है। पार्किंग होने से सुबह की उड़ानों का फायदा मिलता है। इसके अलावा 15 से ज्यादा उड़ानों का समय भी बदला गया है।

बाइक सवार को बचाने में पलटा ई-रिक्शा, महिला की मौत

सत्ता सुधार ■ इंदौर

आजाद नगर में एक ई-रिक्शा पलटने से 48 वर्षीय महिला की मौत हो गई। वहीदा पति मोहम्मद रफीक, निवासी जूना पीठा सदर बाजार, ईद के मौके पर अपने रिश्तेदारों से मिलने आई थीं। हादसा सोमवार दोपहर 12ः30 बजे हुआ।

आजाद नगर गोल चौराहे पर अचानक एक बाइक सवार सामने आ गया। रिक्शा चालक ने उसे बचाने के लिए ब्रेक लगाए, जिससे ई-रिक्शा पलट गया। वहीदा सड़क पर गिर गई और उनके सिर में गंभीर चोट आई। पहले उन्हें एमवाय अस्पताल ले जाया गया, फिर निजी अस्पताल शिफ्ट किया गया, जहां उनकी मौत हो गई। रिक्शा में दो अन्य लोग भी सवार थे, लेकिन उन्हें चोट नहीं आई। टीआई विजय सिसौदिया के मुताबिक घटना में बाइक के सामने आने की बात आ रही है। वही कुछ लोगों के आरोप को लेकर कार की टक्कर के मामले में सीसीटीवी खंगाले जा रहे है।

परिवार ने आरोप लगाया कि ई-रिक्शा को किसी कार ने टक्कर मारी थी। हालांकि, रिक्शा में बैठे अन्य यात्रियों ने बताया कि कार आगे चल रही थी, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि हादसे की सच्चाई सामने आ सके।

ईद मिलने गई थी वहीदा

वहीदा के पति की रजाई-गादी की दुकान है। उनके तीन बेटे और एक बेटी हैं। परिवार के कुछ सदस्य आजाद नगर में रहते हैं, इसलिए वह ईद पर उनसे मिलने गई थीं। लेकिन इस दौरान यह हादसा हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया है।

आदित्य सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में निकली प्रभात फेरी

इंदौर। दिगंबर जैन समाज के तीन प्रमुख संस्थाओं के तत्वावधान में जैन कॉलोनी मंदिर से पूज्य मुनि श्री आदित्य सागर महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। समाज के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया सोमवार को प्रातः 6ः30 बजे गाजे बाजे के साथ प्रभात फेरी पुराने आरटीओ रोड से नेमीनगर जैन कॉलोनी व आसपास के क्षेत्र में निकाली गई। यहां ध्वजारोहण के पश्चात श्री जी के कलश हुए। महावीर जयंती स्वर्ण रथ यात्रा के सारथी बने मुकेश-चंदन बालाजी पाटोदी का सम्मान जैन कॉलोनी के समाज द्वारा किया गया। तत्पश्चात मुनिश्री आदित्य सागर के प्रवचन भी मंदिर परिसर में हुए। इस अवसर पर सुशील पांड्या, राकेश विनायका, बाहुबली पांड्या, राजेंद्र सोनी, अनिल जैन, कैलाश लुहाड़िया, गिरीश काला, रितेश पाटनी, गिरीश पाटोदी, इंद्र सेठी, प्रेमचंद काला, कुशल राज जैन, संजय पापड़ीवाल सहित बहुत अधिक संख्या में समाजजन उपस्थित थे। सतीश जैन के अनुसार मंगलवार सुबह प्रभात फेरी सुदामा नगर जैन मंदिर से प्रातः 6:30 बजे निकलेगी।

जल संकट से निपटने के लिए इंदौर में शुरू हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जायेगा। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुंओं का जीर्णोद्धार कराया जायेगा। साथ ही सघन पौधारोपण भी होगा। इसके लिए जिले में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। यह अभियान आगामी 30 जून तक सतत चलेगा।

कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इस अभियान को सभी के सहयोग से जन आंदोलन के रूप में चलाया जायेगा। अभियान में जल संरक्षण के साथ ही पौधारोपण पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा। अभियान के तहत शुरुआत में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्त्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य किये जायेंगे। इस अभियान में जल स्त्रोतों और देवालयों की सफाई की योजना बनाई जाएगी। यह संतों, जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जाएगा। कार्य पूर्ण होने पर वरुण पूजन और जल अभिषेक होगा तथा रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय समुदायों को दी जाएगी।

यहां हुये कार्यक्रम : जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि अभियान के पहले दिन आज ग्रामीणों के सहयोग से विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर जिला पंचायत के माध्यम से जल संरक्षण संबंधी विभिन्न कार्यों की शुरूआत की गई। आज जिले के महू जनपद पंचायत के ग्राम जामबुजुर्ग में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तालाब निर्माण कार्य की शुरूआत की गयी। इसी तरह गांव में वर्षा जल को सहजने के लिये बोल्डर चेकडेम के निर्माण भी प्रारंभ किये गये। इसी प्रकार रामपुरिया ग्राम में भी ग्रामीणों के सहयोग से चेकडेम निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। अन्य ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी प्रकार इंदौर जनपद के ग्राम झलारिया में तालाब की साफ-सफाई का काम हाथ में लिया गया। इसी जनपद पंचायत के ग्राम खुड़ैल खुर्द में भी तालाब की सफाई के कार्य की शुरुआत की गई।

बनेंगे 19 नये अमृत सरोवर : जिले में गत वर्ष चलाये गये अभियान के तहत 101 नये अमृत सरोवर बनाये गये थे। इन सरोवरों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने की कार्यवाही की जायेगी। अभियान में अमृत सरोवर 2.0 के तहत 19 नए तालाबों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिस पर लगभग 4 करोड़ 18 लाख रुपये व्यय होना संभावित है। अब तक 10 स्थलों का चयन हो चुका है, जबकि शेष का चयन 30 मार्च 2025 तक वैज्ञानिक पद्धति से किया जाएगा।

पूर्व निर्मित जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार : पूर्व में उपयोगी रहे लेकिन वर्तमान में अनुपयोगी चेकडेम व स्टॉप डेम का सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण के आधार पर जीर्णोद्धार की कार्ययोजना तैयार कर कार्य किये जायेंगे। गाद निकालने में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक कुओं की मुण्डेर को सुव्यवस्थित किया जायेगा।

युवाओं को जलदूत बनाया जायेगा : प्रत्येक ग्राम से 1-2 युवा महिला या पुरुष का चयन कर जलदूत बनाया जायेगा। ये जलदूत जीर्णोद्धार, सफाई, शासकीय योजनाओं में हितग्राही चयन और जल के सदुपयोग हेतु जनजागरूकता बढ़ाने में सहयोग करेंगे। जलदूतों का पंजीकरण भी किया जाएगा।

तालाबों से हटेंगे अतिक्रमण

अभियान के तहत राजस्व विभाग के साथ तालाबों का सीमांकन किया जायेगा। राजस्व अभिलेखों में नवीन तालाबों को दर्ज किया जायेगा। तालाबों पर अतिक्रमण को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जायेगी। तालाबों की सीमा को दर्शाने हेतु चॉदे-मुनारे बनाये जायेंगे। तालाबों का जन भागीदारी से गहरीकरण होगा। मनरेगा एवं अन्य योजनाओं से तालाब का जीर्णोद्धार और सुदृढ़ीकरण किया जायेगा। तालाबों में जल की आवक बढ़ाने के लिये इनलेट क्षमता बढ़ायी जायेगी। तालाबों के पास पौधारोपण होगा। उपयोगकर्ता समूह बनाकर संधारण एवं रख रखाव किया जायेगा।

नदियों के स्त्रोत के कैचमेंट पर होंगे कार्य : जिले की महत्वपूर्ण नदियों के स्त्रोत से वाटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्य किये जायेंगे। रिमोट सेंसिंग और फील्ड सर्वेक्षण के आधार पर कार्ययोजना बनाकर एक वर्ष के भीतर कार्य पूर्ण किया जाएगा। गेबियन संरचना, ट्रेंच, वृक्षारोपण, चेकडेम तालाब आदि कार्य समुदाय की भागीदारी से किये जायेंगे।

गिफ्ट और प्रिंटिंग शॉप में लगी आग, लाखों की मशीनें जलकर खाक

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर के रणजीत हनुमान मंदिर के पीछे एक दुकान में रविवार रात करीब 2 बजे भीषण आग लग गई। ऊपर रहने वाले परिवार को धुआं निकलने की जानकारी मिलने पर वे नीचे आ गए और किरायेदार को सूचना दी, लेकिन तब तक आग विकराल हो चुकी थी।

स्थानीय लोगों ने काफी देर तक आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। आरोप है कि फायर ब्रिगेड करीब ढाई घंटे की देरी से पहुंची, जिससे पूरा सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड के अनुसार, यह घटना गुमाश्ता नगर स्थित जय जिनेंद्र ग्राफिक्स और गिफ्ट सेंटर में हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियां पहुंचीं और 12,000 लीटर पानी डालकर आग पर काबू पाया। दुकान मालिक संतोष जैन उर्फ मामा ने बताया कि मकान मालिक ने उन्हें धुएं की जानकारी दी थी। शटर खोलते ही धुएं और आग की लपटों ने दुकान को चपेट में ले लिया।

दुकान मालिक के मुताबिक, स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की पूरी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। फायर ब्रिगेड को बार-बार सूचना देने के बावजूद दमकल वाहन देर से पहुंचे, जिससे प्रिंटिंग मशीन समेत पूरा सामान जलकर खाक हो गया। दुकान उनके परिवार की एक महिला संचालित करती थी।

स्कीम नंबर 140 में गुमटियों में भी लगी आग

रविवार रात करीब 3 बजे स्कीम नंबर 140 में भी गुमटियों में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और तीन से चार गुमटियों में लगी आग पर काबू पाया। रात में गुमटियों के मालिक मौके पर नहीं पहुंचे, जिसके बाद दमकल की टीम दो टैंकर पानी डालकर वापस लौट गई।

ब्रीफ न्यूज

रोटरी कैम्प में स्वच्छता मित्र सफाई व्यवस्था कर रहे संचालित

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देशन में नगर निगम के स्वच्छता मित्र मेगा कैंप स्थल पर चाक चौबंद सफाई व्यवस्था संचालित कर रहे हैं।

श्योपुर और शिवपुरी से रोगियों को लेकर बसें मेगा हैल्थ कैंप में पहुंचीं

मुरैना। जिला मुख्यालय पर 2 अप्रैल तक रोटरी मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस कैम्प में श्योपुर और शिवपुरी जिले से रोगियों को लेकर बसें पहुंचीं। इस दौरान सभी को उपचार एवं भोजन की व्यवस्था कैंप स्थल पर की गई।

मेगा हैल्थ कैंप में भोपाल से आए चिकित्सको को किया सम्मानित

मुरैना। रोटरी मेगा हेल्थ कैंप में भोपाल से आए डॉ. रोहित कुमार तिवारी, डॉ. अंजलि बसोड़, डॉक्टर आनंद सैनी को मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला खनिज अधिकारी एसके निर्मल, रोटरी के पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बानमौर तालाव की सफाई की

मुरैना। जल संसाधन विभाग मुरैना द्वारा सोमवार को बानमौर तालाब पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सफाई का कार्य जन सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन संभाग के कार्यपालन यंत्री पीएस जाटव, पार्षद श्रीमती गीता लक्ष्मण सिंह, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका बानमोर भगवान सिंह, गणमान्य नागरिकों तथा विभागीय कर्मचारियों ने उपस्थित होकर श्रमदान किया। कार्यक्रम में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन पी.एस. जाटव द्वारा नागरिकों को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल की महत्वता एवं जल स्त्रोतों व संसाधनों के रखरखाव तथा इनके संरक्षण पर जोर देते हुये इस धरोहर को बचाने हेतु जागरूक किया गया।

मजदूर युवक ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

मुरैना। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के उत्तमपुरा इलाके में बीती रात्रि एक मजदूर युवक ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस द्वारा मृतक का पीएम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी है और मर्ग कायम कर मामले की जांच आरंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मजदूरी का कार्य करने वाले अर्जुन पुत्र नरेश जाटव उम्र 22 निवासी रामहेत वाली गली उत्तमपुरा स्टेशन थाना द्वारा बीती रात्रि अज्ञात कारण के चलते घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

विधानसभा अध्यक्ष और सांसद ने रोटरी कैम्प का अवलोकन किया

मुरैना। स्वर्गीय श्रीमती मोहन प्यारी माहेश्वरी की स्मृति में 2 अप्रैल तक मुरैना मुख्यालय पर रोटरी का वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है। शिविर में हजारों व्यक्ति पंजीयन कराकर स्वास्थ्य लाभ भी ले रहे हैं। कैंप के छठवें दिन विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुरैना श्योपुर के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने सोमवार को पहुंचकर चल रहे कैंप का अवलोकन किया।

नमाज अता कर एक दूसरे के गले लगकर कहां ईद मुबारक

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सोमवार को ईद-उल-फितर का त्यौहार मुस्लिम भाइयों द्वारा उत्साह के साथ मनाया गया; सुबह शहर के ईदगाह एवं जिले की सभी मस्जिदों पर नमाज अता की गई और उसके बाद सभी ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर तमाम राजनीतिक दलों के लोग भी कब्रिस्तान स्थित ईदगाह पहुंचे और मुस्लिम भाइयों को ईद की शुभकामनाएं दी। ईद की नमाज को देखते हुए प्रशासन एवं पुलिस द्वारा सफाई पीने के पानी एवं सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। शहर की सभी मस्जिदों पर सुरक्षा संभालने के लिए पुलिस के जवान तैनात थे। जिला मुख्यालय पर कब्रिस्तान स्थित ईदगाह पर प्रातः 9:15 बजे ईद की नमाज अदा की गई, जिसमें सैकड़ो की संख्या में मुस्लिम बंधु उपस्थित थे, वहीं कलेक्ट्रेट के सामने

स्थित मस्जिद पर ईद की नमाज लगभग 9:30 बजे आरंभ हुई। इसी प्रकार अन्य स्थानों पर भी 9 से 9:30 बजे के बीच नमाज अता की गई। ईद को देखते हुए सुबह से ही सभी मस्जिदों के आसपास साफ सफाई कर पीने के पानी की व्यवस्था की गई, वहीं पुलिस अधिकारी एवं जवान सुरक्षा के लिए तैनात थे। ईद की नमाज अता करने के बाद सभी मुस्लिम भाइयों, बच्चों ने एक दूसरे के गले लग कर ईद की मुबारकबाद दी और यह सिलसिला दोपहर से लेकर शाम तक चलता रहा। ईद-उल-फितर का त्यौहार मनाने के पीछे मान्यता है कि मक्का से मोहम्मद पैगंबर के प्रवास के बाद पवित्र शहर मदीना में ईद-उल-फितर का उत्सव शुरू हुआ। मान्यता है कि पैगंबर हजरत मुहम्मद ने बद्र की लड़ाई में जीत हासिल की थी, इस जीत की खुशी में उन्होंने सबका मुंह मीठा करवाया था। इसी दिन को मीठी ईदी या ईद-उल-फितर के रूप में मनाया जाता है।

भारतीय जैन मिलन का क्षेत्रीय अधिवेशन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी में संपन्न

देश भर से क्षेत्र क्रमांक 2 की 127 शाखों ने शिरकत की

सत्ता सुधार ■ मुरैना

दो दिवसीय भारतीय जैन मिलन का 38 वॉ वार्षिक अधिवेशन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी में संपन्न हुआ। जिसमें देश भर से क्षेत्र क्रमांक 2 की 127 शाखों ने शिरकत की। दो दिवसीय कार्यक्रम में गेम्स लकी ड्रॉ सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अवार्ड सेरेमनी का कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर वर्ष भर में किए गए शाखों के द्वारा कार्यों को यहां पुरस्कृत किया जाता है। इस कार्यक्रम में भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी के साथ-साथ विभिन्न स्थानों से शाखा अध्यक्ष मंत्री सदस्य गण एवं क्षेत्र के अन्य

अधिकारी एवं सदस्य गण शामिल हुए। कार्यक्रम में जैन मिलन महिला राजुल मुरैना को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शाखा, जैन मिलन बालिका मुरैना को बालिका वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शाखा का अवार्ड सहित अध्यक्ष सुनीता जैन को एवं मंत्री आशिमा जैन को श्रेष्ठ कामों के लिए अवार्ड दिया गया। साथ ही क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शिल्पी जैन को उनके सहयोग एवं कार्यों के लिए अवार्ड दिया गया। इस मौके पर संस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत मुरैना की बालिकाओं ने प्रस्तुति दी। बालिका वर्ग में बालिका मुरैना की अध्यक्ष दीक्षा एवं मंत्री साक्षी जैन तथा उनके सहयोगी सदस्य द्वारा बनाई गई रिपोर्ट फाइल को जैन मिलन महिला राजुल की फाइल को विशेष पुरस्कार दिया गया। महिला राजुल मुरैना को उनके हाइजीन के ऊपर चलाएं जा रहे कार्यक्रम के लिए विशेष सम्मानित किया गया। पुरुषों में वीर नवनीत जैन वीरेंद्र जैन एवं मनीष जैन को सम्मानित किया गया, क्षेत्रीय अधिवेशन के अंतर्गत राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतिवीर विजय जैन एवं राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर अजय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरांगना शीला जैन, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अतिवीर राजेश जैन, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अतिरिक्त महेंद्र जैन, क्षेत्रीय अध्यक्ष वीरांगना अनीता जैन, क्षेत्रीय मंत्री अति वीर महेंद्र जैन, अतिवीरा रेनू जैन सभी ने मुरैना शाखा को बधाई दी। इस कार्यक्रम मे मुरैना की महिला, बालिका, पुरुष शाखाओं ने शिरकत की।

अखंड सौभाग्य के लिए महिलाओं ने की गणगौर पूजा

सत्ता सुधार ■ जौरा

गणगौर के त्यौहार को लेकर सुहागन महिलाओं ने सोमवार को गणगौर व्रत करते हुए मिट्टी से शिव पार्वती की प्रतिमा तैयार कर रोली सिन्दूर लगाकर अक्षत चढ़ाकर कथा सुनी। कथा के दौरान महिलाओं ने घरों में तैयार किए गए पकवानों को थाली में सजाकर शिव-पार्वती की प्रतिमा के समक्ष रखा और शिव पार्वती से पति की दीर्घायु व अखंड सौभाग्य की कामना की गई।

व्रत की कथा सुनने से पूर्व सुहागन महिलाओं ने ना सिर्फ सुंदर वस्त्र व आभूषण धारण किए बल्कि मेंहदी महावर लगाकर सोलह श्रृंगार किया गया। दोपहर के समय कथा सुनने के बाद व्रत रखने वाली महिलाओं ने सामूहिक रुप से एकत्रित होकर माता गौरा को पानी पिलाकर अपना व्रत खोलकर अन्न, जल ग्रहण किया गया। शास्त्रों के अनुसार आज के दिन ही माता पार्वती बालू से भगवान भोलेनाथ की शिवलिंग का निमार्ण कर उनकी पूजा की भोग लगाकर दो कण का प्रसाद ग्रहण किया और माथे पर टीका लगाया। उस पार्थिव शिवलिंग से शिवजी स्वयं प्रकट हुए और उन्होंने माता पार्वती को वरदान दिया कि आज के दिन जो महिला मेरा पूजन करेगी और तुम्हारा व्रत करेगी उनका जीवन साथी चिरंजीवी रहेगा।

देवकीनंदन ठाकुर की कथा से पूर्व निकाली भव्य कलश यात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

मुरैना। समाजसेवी लेखराज परमार के द्वारा सेल टैक्स बैरियर स्थित सागोरिया का पुरा में प्रख्यात कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर की श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इससे पूर्व सोमवार की सुबह श्री राम जानकी मंदिर जीवाजी गंज मुरैना से 1100 कलश की एक भव्य कलश यात्रा निकली, जिसमें महिलाएं एवं बच्चियों पीले वस्त्र में सिर पर कलश लिए हुए चल रही थी और आगे जड़ेरूआ सरकार रथ पर सवार थे। भव्य कलश यात्रा जीवाजी गंज से नैनागढ़ एवं नेशनल हाईवे होते हुए सागोरिया का पुरा पहुंची। इस दौरान जगह-जगह कलश यात्रा का पुष्प वर्षा एवं शीतल पैय पदार्थ के द्वारा स्वागत किया गया। यह कथा 1 अप्रैल से दोपहर 12:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित की जाएगी, जिसकी संपूर्ण तैयारी हो चुकी हैं और विशाल प्रांगण श्रद्धालुओं के लिए तैयार है।

सीएम हेल्पलाइन पर तमाम शिकायतें...

निगम ने जवाब दिया नाला निर्माण के लिए फंड नहीं

सत्ता सुधार ■ मुरैना

नगर पालिका निगम मुरैना के पास ठेकेदारों को भुगतान करने के लिए बजट है, लेकिन जनता को एक नाले की वजह से हो रही परेशानी दूर करने के लिए बजट नहीं है। इसका खुलासा शिकायत करता प्रवेशकांत द्वारा सीएम हेल्पलाइन के स्क्रीनशॉट देकर बताया गया है कि दो दर्जन शिकायतों के बाद भी नगर निगम ने क्षतिग्रस्त पड़े नाले को मरम्मत नहीं किया है और जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

संजय कॉलोनी वार्ड क्रमांक 36 के निवासी प्रवेश कांत ने मुख्य मार्ग पर जाम पड़े नाले एवं क्षतिग्रस्त पुलिया को बनवाने के लिए नगर निगम को शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद मार्च की शुरुआत से लेकर 24 मार्च तक वह लगातार सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतकर्ता रहा तथा सीएम

हेल्पलाइन के अधिकारी कर्मचारी नगर निगम को रिमाइंडर करते रहे, लेकिन नगर निगम हर बार एक ही जवाब देता रहा कि उनके पास नाला निर्माण के लिए फंड नहीं है। लगभग एक माह बीत चुका है, लेकिन नाला दुरुस्त नहीं कराया गया, जिससे आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रवेशकांत का कहना है कि जब सीएम हेल्पलाइन पर उच्च अधिकारियों तक शिकायत करने के बाद भी जनता की सुनवाई नहीं हो रही तो फिर क्या होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम मुरैना पर अनुपयोगी कार्यों एवं ठेकेदारों को भुगतान करने के लिए बजट होता है, लेकिन जनता से जुड़ी समस्या का निराकरण करने के लिए उनके पास कोई बजट नहीं है।

भदावली गांव से हुई चोरी को पुलिस ने किया ट्रेस, आरोपी माल सहित पकड़ा

मुरैना। जिले के नगरा थाना अंतर्गत भदावली गांव से 25 मार्च को हुई चोरी को ट्रेस करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का माल बरामद किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी रामकुमार गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 मार्च की रात फरियादित शिवकुमार पुत्र ब्रजराज तोमर निवासी भदावली परिवार के साथ घर में सो रहे थे, तभी अज्ञात चोर सोने-चांदी के जेवर, मोबाइल फोन एवं नगदी रुपए चोरी कर ले गया। घटना की रिपोर्ट 28 मार्च को दर्ज कराई गई, जिसके बाद थाना प्रभारी श्री गौतम ने मुखबिर की सूचना पर रविवार की देर शाम आरोपी होम सिंह तोमर निवासी ग्राम मयाशी को भिंड रोड पोरसा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 03 सोने की अँगूठी, 01 बृजवाला, 01 सोने की चैन मय पेडेंल, 01 मंगलसूत्र एवं 02 मोबाईल फोन कुल कीमत करीबन 88,000 रूपये का बरामद कर आरोपी को न्यायालय में पेश करते हुए जेल भेज दिया।

नौकरी से निकालने पर युवक ने दुकान मालिक पर किया हमला

कट्टा लहराने वाले युवक के साथ तीन अन्य गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिटी कोतवाली के अंतर्गत गणेशपुरा नाला नंबर एक पर नमाज के बाद घर के सामने खड़े एक युवक पर उसके नौकर ने गाली-गलौज करते हुए हमला बोल दिया और ईंट मार कर घायल कर दिया। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया गया है। इधर कोतवाली पुलिस ने इस्लामपुरा इलाके में रविवार को उत्पात मचाने वाले एक तमंचाधारी तथा तीन अन्य युवकों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया है।

सिटी कोतवाली थाना प्रभारी दीपेंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि शानू खान निवासी नाला नंबर एक गणेशपुरा मुरैना की दुकान पर आबिद खान नामक युवक नौकरी करता था, जिसे कुछ दिन पहले उसने नौकरी से हटा दिया था। इसी बात से रंजिश रखते

हुए सोमवार की सुबह नमाज अदा करने के बाद जब शानू खान अपने घर के बाहर खड़ा था, तभी आरोपी वहां पहुंच गया और गाली-गलौज कर मारपीट करने लगा। इस दौरान आरोपी युवक ने उस पर ईंट मार दी, जिससे उसे चोट आई है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस वालों के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा शानू खान की रिपोर्ट पर से मामला दर्ज किया गया है।

इधर इस्लामपुरा इलाके में रविवार की दोपहर कुछ युवक हंगामा कर रहे थे तथा एक युवक का वीडियो तमंचा लहराते हुए पुलिस को मिला, जिस पर से कोतवाली थाना प्रभारी ने कार्रवाई करते हुए शोएब खान को आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया तो वहीं तीन अन्य युवकों को धारा 151 शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

छात्र शहनवाज ने 5वीं क्लास में प्राप्त किए 86 प्रतिशत अंक

मुरैना। शहर के मध्य स्थित गंगा पब्लिक स्कूल के कक्षा पांचवी के छात्र शहनवाज हुसैन पुत्र अब्दुल समीम ने बोर्ड परीक्षा में 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर 5वीं कक्षा उत्तीर्ण की है। छात्र की सफलता पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक सहित पारिवारिक जनों एवं शुभचिंतकों ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सत्ता न्यूज | पंडित गोपालदास वरैया की 159वीं जयंती मनाई

जैन धर्म का मूल सिद्धांत अहिंसा परमो धर्मः सक्सेना

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जैन धर्म का मूल सिद्धांत अहिंसा परमो धर्म एवं जियो ओर जीने दो है। गुरुनाम गुरु पंडित गोपालदास जी वरैया जैसे महान व्यक्तित्व के धनी जैसे लोगों ने जैन समाज को गौरवान्वित किया है। आज हम सभी मुरैना के जैन संस्कृत विद्यालय के संस्थापक श्री वरैया जी की 159वीं जयंती पर उन्हें याद करते हुए अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उक्त उद्गार पंडित गोपालदास वरैया जन्म जयंती समारोह में मुख्य अथिति मुरैना जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कुमार सक्सैना ने व्यक्त किए। विद्यालय परिवार के उपमंत्री सुरेशचंद जैन बाबूजी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार भारत गौरव स्वस्तिधाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के आशीर्वाद एवं निर्देशन में जैन संस्कृत विद्यालय का संचालन हो रहा है। जैन संस्कृत विद्यालय की पूर्व परम्परा के अनुसार प्रतिवर्ष विद्यालय में अध्ययनरत एक छात्र का सम्मान किया जाता है। इस वर्ष विद्यालय के पूर्व छात्र जैन विद्वत अरविंद कुमार जैन (गुलगंज) रुड़की को शॉल, श्रीफल, मणिमाला, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। उनके प्रशस्ति पत्र का वाचन विद्यालय प्राचार्य चक्रेश जैन शास्त्री ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय परिवार के कोषाध्यक्ष एडवोकेट दिनेशचंद जैन वरैया एवं प्रतिष्ठाचार्य राजेंद्र जैन शास्त्री मंगरोनी ने आभार व्यक्त किया।

पायोनीयर चिल्ड्रंस एकेडमी ग्रुप द्वारा जिला स्तरीय लक्ष्य ज्ञान प्रतियोगिता का निःशुल्क आयोजन

मुरैना। हर वर्ष की भांति शिक्षा को लेकर बच्चों और युवाओं में शिक्षा की क्रांति जागृत करने हेतु पायोनीयर चिल्ड्रंस एकेडमी ग्रुप द्वारा-विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित कर उनको शिक्षा के अधिकार का स्मरण कराता रहा है। इस वर्ष भी पायोनीयर चिल्ड्रंस एकेडमी ग्रुप द्वारा विद्यार्थियों का बेस मजबूत करने के लिए जिला स्तरीय लक्ष्य ज्ञान प्रतियोगिता का महा आयोजन बिल्कुल निःशुल्क किया जा रहा है, जिसमें कक्षा 1 से 5वीं तक, 6वीं से 8वीं तक, 9वीं से 12वीं तक एवं ऑल कंपटीशन तक सेशन वाइज सभी विद्यार्थी बिल्कुल फ्री में पार्टिसिपेट कर सकते हैं। पायोनीयर चिल्ड्रंस एकेडमी ग्रुप ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों को तैयारी के लिए चार से पांच माह का समय देते हुए जिनकी सेशन वाइज परीक्षाएं सितंबर माह की 7, 14, 21, 28 तारीख को कराई जाएंगी एवं पुरस्कार सम्मान समारोह 12 अक्टूबर को रखा गया है, जिसमें विद्यार्थियों को पुरस्कृत प्रशासनिक अधिकारियों एवं स्कूल-कोचिंग संचालक व पत्रकार साथियों द्वारा किया जाएगा। इस क्रम में 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस के शुभ अवसर पर विशेष रूप से पत्रकार सम्मान समारोह रखा गया है।

ब्रीफ न्यूज

जटाशंकर क्षेत्र में भारत माता की मूर्ति बनी आकर्षण का केंद्र

दमोह। हिंदू नव वर्ष चैत्र नवरात्रि के इस पावन पर्व के उत्सव में दमोह शहर के जटाशंकर कॉलोनी में भव्य

भारत माता की मूर्ति हुई, युवा कोरी समिति के पर्यवेक्षक ने बताया कि प्रतिदिन की आरती का समय 8:30 बजे रहेगा। इस कार्यक्रम में- भारत माता सेवा समिति, युवा कोरी, मोनू पाठक, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे, श्रवण पाठक, सत्यम साभार, कृष्ण रैकवार, राम आश्रम, हर्ष जैन, लकी ठाकुर, शिवम गुप्ता, अनिल दीक्षित, किशन कुमार खरे, दिनेश पाठक, प्रशांत, अभिषेक, कृष्णा पटेल, अरुण कोरी, युवा मित्र, योगेश सेन और भी युवा मौजूद रहे।

तेजगढ़ में पुरानी बावड़ी के सफाई एवं जीर्णोद्धार कार्य का हुआ शुभारंभ

दमोह। तेजगढ़ में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पुरानी बावड़ी के सफाई एवं जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया गया। श्रमदान कार्य कर अभियान की शुरुआत की गई। यह अभियान केवल तेजगढ़ क्षेत्र ही नहीं, बल्कि समूचे प्रदेश की प्राचीन धरोहरों एवं जल संरचनाओं को सहेजने, संवारने एवं पुनर्जीवित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर नितेंद्र सिंह, हरि सिंह, बट्टू यादव, भारत सिंह, देवेंद्र सिंह, वेडी सिंह, संग्राम सिंह, डॉ. अनूप सिंह, जाहर सिंह, भोजराज जैन, विनजय जैन, राजकुमार सिंह, अखलेश सिंह, हेमेंद्र सिंह, राजीव बड़ेराय, गोलू सोनी, कमलेश साहू, पवन यादव, दुर्गेश दुबे, लक्ष्मण सिंह लोधी, सीईओ जनपद मनीष बागरी, एसडीओ, उपयंत्री, पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव, सहित गणमान्य नागरिकों ने श्रमदान किया।

जल संरक्षण एवं धरोहर पुनर्जीवन की दिशा में बड़ा कदम : इस अभियान से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिला, बल्कि एक ऐतिहासिक धरोहर को पुनर्जीवित करने का कार्य भी संपन्न हुआ। संस्था पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी प्रदेशभर में प्राचीन जल संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सतत कार्य किया जाएगा।

पालीवाल समाज की कुलदेवी मां आशापूर्णा माताजी की भव्य मूर्तियां

खण्डवा। पालीवाल मस्जिद समाज की कुलदेवी माँ आशापूर्णा की भव्य महिमा नगर के मुख्य मार्गो से. पलीवाल धर्मशाला का शुभारंभ हुआ, एमजी रोड, केवलराम चौक, रविवारा, सराफा, हरीगंज में आयोजित पलीवाल धर्मशाला का समापन हुआ। बग्गी में मां आशापूर्णा माताजी का फोटो के साथ पं. आनंद उपाध्याय वास्तुशिल्प थे।

हिंदू नव वर्ष आदिकाल से चली आ रही परंपरा है

आज हमारी युवा पीढ़ी को अंग्रेजी हैप्पी न्यू ईयर नहीं हिंदू नव वर्ष का अध्ययन कराना है : मंत्री शाह

सत्ता सुधार ■ खंडवा

गुड़ी पड़वा हिंदू नव वर्ष पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव द्वारा पूरे प्रदेश भर में विक्रमादित्य महोत्सव कार्यक्रम आयोजित कर नव वर्ष का एक अच्छा संदेश देने का सफल प्रयास किया गया, महाकाल की नगरी भगवान श्री कृष्ण का शिक्षा शिक्षस्थली, विक्रमादित्य की जन्मस्थली उज्जैन में जन्म लेने वाले मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को ईश्वर का ही आशीर्वाद है जिन्होंने हमारे सारे धार्मिक त्योहारों को शासकीय रूप में भी मानने का निर्णय लेकर युवा पीढ़ी को देश की धर्म और संस्कृति का एक अच्छा संदेश दिया है यह बात प्रदेश के जनजाति कल्याण मंत्री डॉक्टर कुंवर विजय शाह ने

किशोर भवन में आयोजित विक्रमादित्य महोत्सव कार्यक्रम के पश्चात पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही, समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि मध्य प्रदेश में मध्यप्रधदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ .विजय शाह ने हिंदू नववर्ष को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए इसकी व्याख्या शानदार तरीके से की । उन्होंने प्रखर वक्ता जैसे सम्राट विक्रमादित्य, डॉ मोहन यादव और उज्जैन को जोड़ा, वह विजय शाह की वाकपटुता को झलकाता है। मंत्री श्री शाह ने कहा कि अंग्रेजों के छुपे गए नए वर्षों को भूलकर हमे विक्रम संवत के नए वर्षों को अपनाना है और हमारे युवा पीढ़ी को भी 31 न्यू ईयर नहीं गुड़ी पड़वा हिंदू नव वर्ष को धार्मिक उत्साह के साथ मनाना है मध्यप्रदेश के आदिम जाति कल्याण मंत्री विजय शाह के राजनीति के तरीकों में लगातार निखार आता जा रहा है। उनके काम करने के तरीके और शब्दों का चयन खंडवा में देखने को मिला। विजय शाह ने गुड़ी पड़वा पर एक आयोजन में उज्जैन की व्याख्या शानदार तरीके से की।

प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि हिंदू नववर्ष और विक्रम संवत पर श्री शाह ने कहा कि हिंदू जीवन पद्धति अनादिकाल से चली आ रही है। मध्य प्रदेश का भी सौभाग्य है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी उज्जैन से आते हैं। भगवान महाकाल, सम्राट विक्रमादित्य और विक्रम संवत का उल्लेख वेदों और पुराणों में भी है।अंग्रेजी नववर्ष गुलामी का प्रतीक अंग्रेजी नववर्ष को श्री शाह ने गुलामी मानसिकता बताते हुए कहा कि समृद्ध इतिहास इसका गवाह है कि अक्षांश और देशांत रेखाएं उज्जैन में ही मिलती हैं। यहां गणित, भूगोल और विज्ञान के आविष्कार व गणना से उज्जैन भरपूर रहा है। गुड़ी पड़वा के समय ही ईद, होली, फसलें, पलाश के फूल भी प्रकृति का वरदान है। समय की गणना अंग्रेज़ों से पहले उज्जैन में ही हुई थी। अंग्रेजों के हजारों साल पहले यह खोज की जा चुकी थी। इस अवसर पर मंत्री श्री शाह के साथ महापौर अमृता अमर यादव, विधायक कंचन मुकेश तनवे, जिला पंचायत अध्यक्ष की पिंकी वानखेडे सुनील जैन उपस्थित थे।

तेज गर्मी के पहले शहर में ठंडे पेय पदार्थों की बिक्री

बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरित असर

मार्च माह से ही नगर में जहां एक ओर रंगीन कुल्फियां तैयार करने वाली फैक्ट्रियां सजकर तैयारी हो चुकी, वहीं दूसरी ओर नगर के चौक-चौराहों पर भी बाहर से आये हुए लोगों के अनेक प्रकार के शेक आईस्क्रीमों के ठेले भी दिखाई देने लगे है।

सत्ता सुधार ■ हरदा

आधुनिकता की लहर के चलते ठंड के मौसम में भी अब शादी समारोह में आईस्क्रीम नजर आने लगी है और आमतौर पर बारिश, ठंड के मौसम में भी नगर में अनेक प्रकार के ठंडे पेय पदार्थ दुकानों की फ्रीजरों में रखे देखे जा रहे है। जिसके चलते इस समान की बिक्री हो रही है। इतना ही नहीं जिले में कुछ दुकानों पर तो स्थिति इस प्रकार से देखी जाती है कि नामी गिरामी कंपनियों की सूरत में बिकने वाली गुणवत्ता हीन पेय पदार्थ सस्ता होने के चलते बच्चों को मोहित करने से नहीं चूकते है।

बच्चों के स्वास्थ्य की अभिभावकों को चिंता : जानकारी के अनुसार मार्च माह में ही नगर में जहां एक और रंगीन कुल्फियां तैयार करने वाली फैक्ट्रियां सजकर तैयारी हो चुकी, वहीं दूसरी ओर नगर के चौक-चौराहों पर भी बाहर से आये हुए लोगों के अनेक प्रकार के शेक आईस्क्रीमों के ठेले भी दिखाई देने लगे है। शहर में बच्चों द्वारा ठंडे पेय पदार्थ खाने से उनके स्वास्थ्य पर विपरित असर दिखाई देने से नहीं चूक पा रहा है। इस सच्चाई के चलते शहरवासियों को बच्चों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ने को लेकर चिंता सताने लगी है, क्योंकि इस समय मौसम में न तो अधिक ठंडक है और न ही गर्मी दिखाई दे रही है।

बीमार हो रहे बच्चे : इस प्रकार से मौसम के मिजाज के चलते स्कूली बच्चे अपने आप ही अनेक प्रकार की बीमारियों और मौसम में आते हुए देखे जा रहे है, वहीं दूसरी ओर मौसम के विपरीत होने के बाद भी बिक रहे पेय पदार्थों के चलते बीमारियों में इजाफा होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार से विक्रय होने वाली ठंडे पेय पदार्थों के चलते बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरित असर पड़ने की संभावना दिखाई दे रही है।

रंग बिरंगी कुल्फी बाजार में : इस हालत में जिस तरह अचानक कुल्फियां बनाने वाले ठिकानों पर कामकाज बढ़ा तो आशंका है कि शहर और क्षेत्र के गांवों में बच्चों को ललचाने वाली रंग बिरंगी कुल्फी की बिक्री शुरू हो चुकी है। वही शहर में जगह-जगह ठंडे पेय पदार्थों के लगे ठेले भी बच्चों को आकर्षित करते हुए देखे जा रहे हैं। इस प्रकार से जिले में बिकने वाली अमानक स्तर की कुल्फियों को लेकर अभिभाव कों का कहना है कि बीते हुए कुछ वर्ष पूर्व अमानक स्तर से बनाई गई कुल्फी खाने से जिले में दर्जनों बच्चों के बीमार होने का उदाहरण देते हुए बताया कि यह कुल्फियां सस्ती बिकती है पर उनमें सेकरीन का मिश्रण रहता है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति जहां तहां बिकने वाले काजू शेकों में भी देखी जाती है।

मार्च महीने में कुल्फियां बिकने से अभिभावक परेशान -

जिले के कुछ चिकित्सकों का कहना है कि इस समय लगातार बदल रहे मौसम में इन कुल्फियों की बिक्री इन दिनों बच्चों के हित में ठीक नहीं है, वहीं दूसरी ओर कि मार्च का महीना परीक्षाएं होने से विद्यार्थियों, अभिभावकों के लिए कठिनाई वाला साबित होता है। अभिभावक चाहते है कि उनके बच्चे खूब पढ़ाई कर परीक्षा में सर्वोत्तम अंक लाने का प्रयास करें। यह बात है कि अभिभावक परीक्षाकाल में बच्चो को भरपूर सहूलियतें देते है, जिसके चलते परीक्षाओं में जुटे हुए बच्चों के अभिभावकों ने शासन प्रशासन से गुहार लगायी है।

आज हमारे बच्चों एवं युवा पीढ़ी को धर्म संस्कृति एवं नैतिक विचारों के संस्कारों की आवश्यकता है : विदुषी श्री माताजी

नव वर्ष की पावन बेला में श्री सम्मेद शिखर मंडल विधान एवं रत्नजडीत प्रतिमाओं का अभिषेक कार्यक्रम संपन्न

सत्ता सुधार ■ खंडवा

पूर्व भव में हमारे द्वारा किए गए अच्छे कर्म के चलते हमें मानव जीवन मिला है, मानव जीवन के साथ ही हम सब का सौभाग्य है कि हमें त्याग की भावना से परिपूर्ण जैन कुल प्राप्त हुआ है, मानव जीवन को सार्थक करने के लिए हम सब का दायित्व है कि हम सभी समय का सदुपयोग करें एवं देव शास्त्र गुरु के प्रति अपनी आस्था बनाए रखें।

यह उदगार हिंदू नव वर्ष की पावन मेला में बजरंग चौक स्थित महावीर दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण में श्री सम्मेद शिखर मंडल विधान की पूजा एवं रत्नजडीत 24 तीर्थंकर भगवान के अभिषेक, शांति धारा के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खंडवा में विराजमान विदुश्री श्री माताजी ने व्यक्त किये, समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मंदिर के द्वितीय तल पर शिखर जी की रचना में विराजमान रतन जड़ीत 24 तीर्थंकर भगवान की प्रतिमाओं का अभिषेक एवं शांति धारा के साथ सभी के कल्याण के लिए श्री सम्मेद शिखर मंडल विधान की पूजा माताजी के ससंघ सानिध्य में आयोजित हुई, बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओ ने धार्मिक आयोजन में उपस्थित होकर पुण्य प्राप्त किया, विदुषी श्री माताजी ने कहां की आज के इस आधुनिकता की दौड़ में हमारा जीवन अस्त व्यस्त होता जा रहा है, आज के जीवन में कोई सुखी नहीं है हर कोई न कोई दुख से पीड़ित है, नए युग में युवा वर्ग भी लगातार भटकाव की ओर आगे बढ़ रहा है आवश्यकता है हमारे बच्चे एवं युवाओं में धर्म संस्कृति और नैतिक विचारों के संस्कारों की, माताजी ने खंडवा में आयोजित संस्कार शिविर की तारीफ करते हुए कहा कि यह हमारे बच्चों के लिए अत्यंत जरूरी है, स्कूली शिक्षा के साथ हमारे बच्चों में धर्म के संस्कारो का होना भी जरूरी है, समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि वर्ष में एक बार रत्नजडीत प्रतिमाओं का अभिषेक कार्यक्रम आयोजित होता है, सौभाग्य का विषय है कि इस वर्ष विदुश्री माताजी के ससंघ सानिध्य मे हम सबको यह अवसर प्राप्त हुआ।

पंधाना विधायक छाया मोरे ने किया प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार का भूमि पूजन

सत्ता सुधार ■ खंडवा,पंधाना

जनपद पंचायत पंधाना के ग्राम पंचायत घाटीखास में शनिवार को 300 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य का भूमि पूजन किया गया। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि यह कार्य जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है। भूमि पूजन कार्यक्रम में पंधाना विधायक छाया मोरे ने भाग लिया और क्षेत्र में जल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। इसके साथ ही विधायक छाया मोरे ने ग्राम पंचायत घाटीखास में 5 लाख 80 हजार रुपये की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण भी किया। इस सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी और विकास कार्यों को गति मिलेगी। इसके अलावा, बड़े महादेव में भी एक अन्य बावड़ी के जीर्णोद्धार के लिए भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष फकीरचंद कुशवाह, ग्राम पंचायत सरपंच डिग्रीलाल शिंदे, जनपद पंचायत सीईओ सुरेश टेमने, जयपाल सिंह गौड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विधायक छाया मोरे ने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण और जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों से जल संरक्षण में सहयोग करने की अपील की और क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि चुने हुए जनप्रतिनिधि का दायित्व निभाते हुए पंधाना विधायक छाया मोरै क्षेत्र के विकास के लिए लगातार सक्रिय प्रयास कर रही है और विकास कार्यों को बढ़ावा दे रही है, कार्यक्रम में ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत किया और विकास कार्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस पहल से क्षेत्र में जल संरक्षण और विकास को नई दिशा मिलेगी।

प्रशासन की लापरवाही आदेश के बावजूद जारी है नरवाई जलाने की घटनाएं

हरदा। बीती रात शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में नरवाई फसल अवशेष जलाने से जहरीला धुआं फैल गया, जिससे नागरिकों को आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और गले में दर्द जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। इस संबंध में कलेक्टर को पत्र लिखकर शिकायत की है। कलेक्टर द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश जारी किए गए थे, लेकिन हकीकत यह है कि आदेश जारी होने के बावजूद प्रशासन इसे लागू करवाने में पूरी तरह विफल रहा है।

प्रशासनिक आदेश केवल औपचारिकता बने : नेता प्रतिपक्ष, नगर पालिका परिषद ने आरोप लगाया कि गांव-गांव में नियुक्त कोटवारों को इसकी जानकारी होती है कि कहां खेतों में आग लगाई जा रही है, फिर भी वे कोई सूचना नहीं देते और न ही कार्यवाही होती है। यदि प्रशासन इच्छाशक्ति दिखाए तो कोटवारों के माध्यम से सर्वे करवाकर यह आसानी से पता लगाया जा सकता है पालिका परिषद के विपक्षी पार्षद इस मुद्दे को लेकर जल्द ही बड़ा विरोध दर्ज कराएंगे।

गर्मी के साथ बढ़ रही मौसमी व रसीले फलों की मांग

सत्ता सुधार ■ हरदा

लगातार बढ़ती गर्मी और चिलचिलाती धूप की मार पड़ने के साथ ही लोगों के बीच मौसमी और रसीले फलों की मांग बढ़ने लगी है। लेकिन मौसमी फलों के दाम भी बढ़ी गर्मी के साथ आसमान छूने लगे हैं। इन दिनो बाजार में गर्मी और लू से बचाने वाले मौसमी फल तरबूज, खरबूज, ककड़ी, अंगूर, संतरा, अनानाश सहित अन्य मौसमी फलों की अच्छी आवक बनी हुई है। माना जाता है कि इस तरह के मौसमी फलों के सेवन से मौसमी बिमारियों से आसानी से बचा जा सकता है।

अपने भोजन तथा नास्ते में ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन कर रहे हैं जिसमें प्राकृतिक रूप से भरपूर मात्रा में मिनरल्स, विटामिन तथा शीतलता मौजूद रहे। इस मौसम में इन सभी गुणों से भरपूर फल तरबूज, खरबूज व ककड़ी है। जिनकी पूछ परख इन दिनों खासी बनी हुई है। जिले के गलियों तथा चौक चौराहों में आसानी से मिलने वाले ये फल गर्मी में शीतलता तो प्रदान करते ही हैं साथ ही ये अपने प्राकृतिक गुणों के कारण मानव शरीर में ताजगी व ऊर्जा बनाए रखते हैं। सूर्य की तेज किरणों तथा झुलसा देने वाली गर्म हवाओं ने लोगों का जीना हराम कर दिया है। बढ़ी हुई गर्मी से राहत पाने के लिए लोग रहन सहन के साथ-साथ खानपान पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। इन्हीं विशेषताओं के कारण इन फलों को समाज के सभी वर्गों के द्वारा खासा पसंद किया जाता है। नदी के कछारों में फलने-फूलने वाले इन फलों को हंडिया, छीपानेर, नेमावर नर्मदापुरम सहीत अनेक नदियों के किनारों से पैदा होने वालों से मंगाया जाता है। नगर में तरबूज की कीमत 15 रूपये से 60 रूपये तक प्रति नग है। खरबूज भी 30-40 रूपए प्रतिकिलो बिक रहा है। वहीं ककड़ी 20 रूपये प्रतिकिलो बिक रही है। इसके साथ बाजार में अंगूर की भी अच्छी आवक देखी जा रही है जो 80 रूपये प्रति किलो के भाव से खूब बिक रहा है। लेकिन दूसरी तरफ अनार, सेव फल जैसे फलों के दाम डेढ़ सौ से एक सौ अस्सी रूपये प्रति किलो के पार पहुंच गये है। फिर भी लोग इन रसीले और मौसमी फलों का उपयोग कर इस भीषण गर्मी के दौर में राहत पाने की जुगत भिड़ा रहे हैं।

आयोजन हिंदू नववर्ष अपनी भारतीय संस्कृति को, सनातन संस्कृति को प्रकट करने वाला नववर्ष है

हिंदू नववर्ष अपने आप में एक विशेष महत्व रखने वाला नववर्ष है : राज्य मंत्री लोधी

सत्ता सुधार ■ दमोह

विक्रमोत्सव,सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 कोटि सूर्योपासना कार्यक्रम का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी की गरिमामय मौजूदगी में किया गया।

इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने 2082 की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा आज हिंदू नववर्ष के रूप में भी हम इसे मानते हैं, इसके साथ-साथ नव संवत्सर भी है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन यह नव संवत्सर प्रारंभ होता है। उन्होंने कहा हमारा नव वर्ष को बड़ी ही वैज्ञानिक दृष्टि से बनाया गया है, जब हमारा नववर्ष प्रारंभ होता है तब प्रकृति एक नया श्रृंगार करती है, पेड़ों में नए पत्ते आ जाते हैं, नई फसल आ जाती है। कहते हैं इसी दिन भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी, यह सृष्टि का आरंभ दिन है, सारे शंवतों का यह प्रारंभ दिन है। हिंदू नववर्ष अपने आप में एक विशेष महत्व रखने वाला नववर्ष है, यह अपनी भारतीय संस्कृति को, सनातन संस्कृति को प्रकट करने वाला नववर्ष है। यह नववर्ष रात के 12 बजे से शुरू नहीं होता है, यह नव वर्ष जब सूर्य की किरण प्रारंभ होती है तब यह नववर्ष प्रारंभ होता है। उन्होंने कहा अभी हमने परम पवित्र भगवा ध्वज का भी पूजन किया है, यह ध्वज कहीं ना कहीं जब सूर्य की किरण उदित होती है तो जिस प्रकार से आसमान में जो रंग दिखाई देता है वही हमें भगवा रंग ध्वज में दिखाई देता है। हमारे पूर्वजों ने इस ध्वज को संस्कृति का प्रतीक माना है, इतिहास में हमारे पूर्वजों ने जितना भी संघर्ष किया, उस युद्ध में धर्म ध्वज के रूप में यह परम पवित्र भगवा ध्वज विजय का प्रतीक रहा है। आज हमने इस ध्वज का पूजन कर सनातन संस्कृति को प्रकट करने का काम

किया है, इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने विक्रम उत्सव के माध्यम से यह नई परंपरा शुरू की है इस परंपरा के माध्यम से कहीं ना कहीं हम अपनी संस्कृति पर गौरव कर सकते हैं, हम अपने पूर्वजों पर गौरव कर सकते हैं। हमारा जो नव वर्ष है चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, इस दिन से हमने हर काम शुरू किया है।

मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा आज के दिन से सृष्टि की शुरुआत थी और अपने यहां एक नए कार्यक्रम की शुरुआत हुई है, जो प्रदेश के भीतर उज्जैन से जहां भगवान श्री कृष्ण ने दीक्षा ली थी, वहां के विक्रम संवत और विक्रमादित्य के पुरुषार्थ की कहानियों को आमजन तक कैसे सुविधा पूर्ण पहुंचाएं और जो नेतृत्व करता है वह अनेक कष्ट सहकर के गरीब लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते थे ऐसे महाराज पुरुष थे महाराजा सम्राट विक्रमादित्य। निश्चित रूप से उनके कारण हमारे देश की गरिमा और बढ़ेगी यह अद्भुत कार्यक्रम है इसके लिए मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देते हैं, उन्होंने अपनी परंपरा को पुनः जीवित करने की शुरुआत की है।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने सभी को नववर्ष की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देते हुए कहा चैत्र शुक्ल प्रतिपदा है, नव वर्ष का प्रारंभ हुआ है। आज सुबह बेलाताल पर ब्रह्म मुहूर्त में ध्वजा स्थापित किया गया और पूजा अर्चना की गई। उसके बाद मुख्य कार्यक्रम पीजी कॉलेज दमोह में आयोजित किया गया, जिसमें राजीव अयाची जी के निर्देशन में बहुत सुंदर नृत्य नाटिका महाराजा सम्राट विक्रमादित्य के ऊपर मनचित की गई।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे, जनपद अध्यक्ष श्रीमती ठाकुर सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, गायत्री परिवारजन, छात्र-छात्राएं एवं सम्माननीय मीडियाजन मौजूद रहे।

सकल हिन्दू समाज ने किया सर्व धर्म आराधना सभा का आयोजन

सकल हिन्दू समाज जिला दमोह एवं समस्त सामाजिक संगठनों के सहयोग से हिन्दू नववर्ष के आरंभ होने की पूर्व संध्या पर गजानन टेकरी संतोषी माता पहाड़ी पर सर्व प्रथम सकल हिन्दू समाज के संरक्षक दमोह नगर पुरोहित पंडित चंद्र गोपाल पौराणिक जी के मार्गदर्शन में समस्त सामाजिक संगठनों के मुखियाओं के साथ 51 फुट की ऊंचाई पर धर्म ध्वजा चढ़ाई गई। वर्ष प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 हिन्दू नववर्ष पर सर्व धर्म आराधना सभी का आयोजन किया गया। जहां पर सर्व प्रथम सिंधी समाज जिला दमोह के द्वारा भगवान झूलेलाल चालीसा का पाठ, सिख समाज जिला दमोह के द्वारा अरदास पाठ, जैन समाज जिला दमोह के द्वारा संगीतमय भक्तांबर पाठ और हिन्दू समाज के द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान गजानन टेकरी से सामाजिक समरसता की धुन गूंजती रही। सभी समाजों के महिला और पुरूषों के साथ छोटे छोटे बच्चों की भी विशेष रूप से मौजूदगी रही। तो शहर में इस तरह का यह पहला आयोजन था जो शहर में खासा चर्चा का विषय बना रहा। इस दौरान सकल हिन्दू समाज जिला दमोह के समस्त पदाधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के प्रमुखो की मौजूदगी रही।

ब्रीफ न्यूज

अंतिम एवं चौथे चरण का मूल्यांकन 8 अप्रैल से होगा प्रारंभ

सागर। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं का मूल्यांकन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सागर में चल रहा है इस मूल्यांकन कार्य में अब तक दो चरणों में 86 हजार से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जा चुका है कलेक्टर श्री संदीप जी आर के निर्देशानुसार मूल्यांकन कार्य के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन के द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है जिसके तहत मूल्यांकन कार्य करने के पूर्व सभी मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है प्रशिक्षण के उपरांत ही मूल्यांकन का कार्य करने की अनुमति प्राप्त होती है समन्वय संस्था के प्राचार्य सुधीर तिवारी ने बताया कि कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशानुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कराई गई है जिसमें माध्यमिक शिक्षा मंडल की निर्देशों का अक्षरशः पालन भी कराया जा रहा है और मूल्यांकन कार्य का सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से लगातार मॉनिटरिंग भोपाल स्तर पर की जा रही है उन्होंने बताया कि अब तक दो चरणों में 86 हजार से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य कराया जा चुका है। तीसरे चरण का मूल्यांकन कार्य 31 अप्रैल रविवार से प्रारंभ हुआ है और चौथे चरण का मूल्यांकन 8 अप्रैल से प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में कक्षा दसवीं की हिंदी, आई टी, विषय का मूल्यांकन किया जा चुका है ,जबकि कक्षा बारहवीं की हिंदी एवं अंग्रेजी का मूल्यांकन संपन्न किया गया है उन्होंने बताया कि इसी प्रकार दूसरे चरण में कक्षा दसवीं की अंग्रेजी संस्कृत एग्रीकल्चर एवं फिजिकल एजुकेशन का मूल्यांकन भी समाप्ति की ओर है इस प्रकार कक्षा दसवीं में 45 हजार 920 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 90 से अधिक मूल्यांकन कर्ता शिक्षकों के द्वारा किया गया है। इसी प्रकार कक्षा 12 वीं में अब तक 40 हजार 80 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जा चुका है इस मूल्यांकन कार्य में 149 शिक्षकों ने कार्य किया है। इसी प्रकार आज से तीसरे चरण का मूल्यांकन भी 100 शिक्षकों के द्वारा प्रारंभ किया गया है इस प्रकार अब तक 350 से अधिक शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक एवं सुंदरकांड आज

सागर। भाजपा की प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन सोमवार को भोपाल में किया गया जिसमें सागर जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी एवं प्रदेश मंत्री प्रभु दयाल पटेल ने सहभागिता की प्रदेश स्तरीय बैठक उपरांत मंगलवार को सागर के धर्म श्री स्थित संभागीय भाजपा कार्यालय में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी की अध्यक्षता में किया जाएगा बैठक दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगी बैठक में स्थानीय प्रदेश ,जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष एवं मोर्चा अध्यक्ष शामिल होंगे। जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया की बैठक उपरांत शाम 04 बजे से संभागीय भाजपा कार्यालय में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया है।

शासन की मंशा है कि सेवानिवृत्ति पर सेवानिवृत कर्मचारी को सभी सेवानिवृत लाभ यथा समय प्राप्त हो जाना चाहिये

कलेक्टर की संवेदनशीलता से 75 परिवार हुए लाभान्वित, श्रद्धांजली एक सार्थक पहल

सत्ता सुधार ■ सागर

कलेक्टर संदीप जी आर की संवेदनशीलता के कारण जिले के 75 परिवार लाभान्वित हुए और अब सभी परिवार अपने परिवार का भरण पोषण करने में सक्षम हो गए हैं और सरकारी नौकरी प्राप्त करने के बाद अपने परिवार की सभी ज़रूरतें भी पूरी करने में सक्षम हो गए हैं। कलेक्टर संदीप जी आर ने श्रद्धांजलि योजना के माध्यम से शासकीय सेवा में रहते निधन हुए कर्मचारियों के परिवार को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की और अनुकंपा नियुक्ति प्रदान कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। कलेक्टर संदीप जी आर ने बताया कि श्रद्धांजलि योजना के माध्यम से न केवल अनुकंपा देने का कार्य किया जा रहा है बल्कि इस योजना के माध्यम से समय सीमा में मृत्यु प्रमाण पत्र, अंत्येष्टि सहायता राशि, नामांतरण ,बटवारा, उनके सभी शासकीय देयकों का समय पर दिलाना भी प्रमुख है। शासन की मंशा है कि सेवानिवृत्ति पर सेवानिवृत कर्मचारी को सभी सेवानिवृत लाभ यथा समय प्राप्त हो जाना चाहिये। शासन के यह भी निर्देश है कि यदि किसी शासकीय कर्मचारी की सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो जाती है और उसका कोई वैध वारिस है तो उसके अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरण तैयार किये जाकर तत्परता से कार्यवाही की जायें । अपने जीवन को शासकीय सेवा में लगा देने सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं वरिष्ठ नागरिक अपने सेवानिवृत्त के स्वत्वों के भुगतान के लिये भटकते रहते है। उनके पेंशन प्रकरणों का समय पर निराकरण न हो पाने के कारण पी.पी.ओं जारी नहीं हो पाने से उनके स्वत्वों का भुगतान भी समय पर नहीं हो पाता।इसको भी पूरा करने का कार्य किया गया। शासकीय सेवा के दौरान मृत कर्मचारियों के स्वत्वों के भुगतान एवं अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों के लिए रिक्त पदों की जानकारी विभागों द्वारा न दिये जाने कारण ये अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरणों वर्षों तक लम्बित बने रहते थे। इस प्रकार शासकीय सेवा के दौरान अपना

जीवन खो देने वालों के परिवारों कोसही मायने में सांत्वना नहीं मिल पा रही थी। जिसको भी कलेक्टर संदीप जी आर के द्वारा पूरा किया जा रहा है वह समय पर सभी कार्य किए जा रहे है। सागर कलेक्टर के पद पर पदस्थ होने के बाद श्री संदीप जी.आर. ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं तथा सेवा के दौरान मृत कर्मचारियों के आश्रित को समय पर अनुकम्पा नियुक्ति न मिल पाने की समस्या की ओर ध्यान दिया। जिले के वरिष्ठ नागरिकों को अपने सेवानिवृत्ति लाभों तथा सेवा के दौरान मृत शासकीय कर्मचारियों के आश्रितों का अनुकम्पा नियुक्ति के लिये भटकना न पड़े इसके लिए उन्होंने कार्रवाई करनी का निश्चय किया।उन्होने सभी विभागों को सेवा निवृत होने वाले कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण उनकी सेवानिवृति के दो माह पूर्व ही तैयार करा लेने के लिये पावंद किया तथा जिले में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी/अधिकारियों को उनका सम्मान करते हुये पी.पी.ओ. का कलेक्टर कार्यालय से नियत दिन को वितरण कराना तय किया। कलेक्टर सागर की इस व्यवस्था से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मान मिला और उनके भटकने के दिन समाप्त हो गये। सेवा के दौरान मृत्यु हो जाने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति देने का अभियान चलाया गया। इस योजना को ÷श्रद्धांजली÷ नाम दिया गया। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये जिले में एक नोडल ऑफीसर बनाया गया तथा सभी विभागों को प्रतिमाह आरक्षण रोस्टर के अनुसार रिक्त पदों की जानकारी देने के लिये निर्देशित किया गया। अनुकम्पा नियुक्ति की पात्रता रखने वाले मृतक कर्मचारियों के आश्रितों का अपने आवेदन कलेक्ट्रेट में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। जहाँ इनका परीक्षण कर उन विभागों को भेजा गया जहा पद रिक्त थे। उन विभागों द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति की कार्यवाही त्वरित गति से की गई। उसका परिणाम यह हुआ कि लम्बे समय से अनुकम्पा नियुक्ति के लिये भटक रहे मृत कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी प्राप्त हो गई। सेवाकाल में मृतक कर्मचारियों को यह सही अर्थों में श्रद्धांजली थी। श्रद्धांजली योजना का समाज में सकारात्मक प्रभाव देखा गया। इसमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला। शासकीय कार्यालयों में रिक्त पद भरने से अतिरिक्त कार्मिक उपलब्ध हुये जिससे उनके कार्य में गुणवत्ता आई। श्रद्धांजली योजना के तहत विभिन्न विभागों में निम्नानुसार कर्मचारियों को नियुक्ति प्रदान की गई जिसमें शिक्षा विभाग से सहायक ग्रेड 3 के लिए तीन पदों पर ,भृत्य के 19 पदों पर नियुक्ति प्रदान की गई। इसी प्रकार जिला पंचायत में ग्राम पंचायत सचिव पर 18 व्यक्तियों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान कर श्रद्धांजलि दी गई। नगर निगम सागर में सफाई संरक्षक के पद पर 15, भृत्य के पद पर तीन एवं सफाई दरोगा के पद पर दो लोगों को नियुक्ति देकर श्रद्धांजलि दी गई ,इसी प्रकार राजस्व विभाग में सहायक ग्रेड 3 के पद पर तीन लोगों को एवं भृत्य पर दो लोगों को नियुक्ति प्रदान की गई ,जेल विभाग में जेल प्रहरी के पद पर चार व्यक्तियों को नियुक्ति प्रदान की गई ,इसी प्रकार महिला बाल विकास विभाग में सहायक ग्रेड 3 के पद पर तीन व्यक्तियों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई एवं सामाजिक न्याय एवं निशक्त जन कल्याण विभाग में सहायक ग्रेड 3 के पद पर तीन लोगों को अनुकंपा नियुक्ति देकर दिवंगत शासकीय सेवक को श्रद्धांजलि देकर उनके परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंप गए इस प्रकार कुल 75 शासकीय सेवकों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंप गए और श्रद्धांजलि जिला प्रशासन के द्वारा दी गई।

नववर्ष भारत के अभ्योदय की शुरुआत है, हम अपनी संस्कृति सभ्यता की ओर लौट रहेः विधायक

चकराघाट पर हुई गंगा आरती में भजन संगीत, दीपदान, आतिशबाजी हुई, 56 भोग का प्रसाद वितरित किया गया

सत्ता सुधार ■ सागर

ऐतिहासिक लाखा बंजारा झील को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने हेतु नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जन-जागरुकता लाने के उद्देश्य से चकराघाट स्थित विट्ठल मंदिरके सामने प्रत्येक सोमवार को गंगा आरती का आयोजन किया जा रहा है। हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2082 गुड़ी पड़वा के अवसर पर 30 मार्च को गंगा आरती के साथ ही भजन संध्या एवं आतिशबाजी की गई तथा वि शासन आदेश अनुसार वर्षा जल संचयन,जल संरक्षण को बढ़ावा देने एवं सभी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार हेतु 30 जून तक चलने वाले प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ विधायक शैलेंद्र जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी,स्मार्ट सिटी सह कार्यकारी निदेशक एवं नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री सहित विभिन्न वार्डो के नागरिकों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मां गंगा को 56 व्यंजनों का भोग लगाया गया तथा प्रसाद वितरण किया गया तथा। विधायक शैलेंद्र जैन ने दीपदान कर गर्मी में पक्षियों को पानी के लिए सकोरे वितरित किए। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट सिटी सह कार्य कारी निदेशक एवं नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में ऐतिहासिक झील सहित अन्य जलस्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित कर पर्यावरण के संरक्षण करने हेतु

नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने हेतु प्रत्येक सोमवार को चकराघाट पर गंगा आरती के आयोजन के साथ ही नेशनल क्लीन एयर प्रोगाम के अनुरूप शहर की साफ-सफाई और स्वच्छ पर्यावरण हेतु नागरिकों को जागरुक कर झील को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त करने का कार्य किया जा रहा है।

विधायक शैलेंद्र जैन ने जल गंगा संवर्धन अभियान में सहयोग करने का आग्रह किया

नगर विधायक शैलेंद्र जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी एवं स्मार्ट सिटी सह कार्यकारी निदेशक एवं नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री की उपस्थिति में हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2082 एवं गुड़ी पड़वा के उपलक्ष्य में गंगा आरती के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें भक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई तथा आतिशबाजी कर हिंदू नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नवसंवत्सर विकम संवत 2082 की नगर वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि आज चैत्र प्रतिपदा गुड़ी पड़वा से हिंदू नववर्ष नवसंवत्सर विक्रम संवत 2082 प्रारंभ हो रहा है उन्होंने सभी नगरवासियों को नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि आज हम अपनी संस्कृति, सभ्यता, मान्यता की ओर लौद चुके हैं यह भारतवर्ष के अभ्योदय की शुरुआत है चूंकि यह शक्ति की उपासना का पर्व है इसलिए हम सब स्वयं एवं शहर की प्रगति की प्रार्थना करें। विधायक जी ने कहा कि नववर्ष मनाने की यह शुरूआत है अब प्रतिवर्ष हम सब नववर्ष मनाएंगे यह संकल्प लेते हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन क्षिप्रा तट से प्रदेश व्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया है यह अभियान 30 जून तक पूरे प्रदेश में 90 दिनों तक चलेगा जिसमें वर्षा जल संचयन के लिए शहर में स्थित जल संरचनाओं की साफ-सफाई एवं स्वच्छ कर उनका जीर्णोद्धार किया जाएगा तथा लोगों को जागरूक किया जाएगा । उन्होंने कहा कि कि सभी लोग जल का संरक्षण करें जिससे भूजल स्तर बना रहे औरआने वाले समय में पानी की समस्या उत्पन्न न हो । इस?? अवसर पर नगर निगम के पार्षद, भाजपा पदाधिकारी एवं शहर के प्रबुद्ध नागरिक सहित नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मकरोनिया द्रुत गति से विकास की ओर अग्रसर हो रहा हैः लारिया

वार्ड -9 में सी.सी.रोड एवं वार्ड -7 में डामरीकृत सड़क,पार्क निर्माण शांतिपुरम के भूमिपूजन सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ सागर

नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया ने नागरिकों के सुगम आवागमन को दृष्टिगत रखते हुऐ सोमवार को नपा मकरोनिया अंतर्गत वल्लभ भाई वार्ड क्र.-9 में सीसी रोड (लागत 16.75 लाख) एवं रामलला वार्ड क्र.-7 में डामरीकृत रोड(लागत 5 लाख) एवं शांतिपुरम पार्क निर्माण (लागत 12 लाख रू.) का मंत्रोच्चार के अनुगूंजन के मध्य जनप्रतिनिधि एवं वार्डवासियों की मौजूदगी में भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायक लारिया ने कहा कि आज नपा क्षेत्र में 33.75 लाख रू. के निर्माण कार्यों का श्री गणेश किया गया है। सीसी रोड का एवं डामरीकृत सड़क का निर्माण होने से वार्ड के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। नगर पालिका परिषद मकरोनिया के समस्त वार्डों में लगातार विकास कार्य करने के साथ-साथ विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की जा रही है। मकरोनिया द्रुत गति से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष मकरोनिया, पाषर्दगण, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सीएमओ मकरोनिया एवं वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थिति रहे।

विधायक ने रेल्वे गेट नंबर 28 पर चल रहे निर्माण कार्य को 30 अप्रैल तक पूर्ण कराने अधिकारियों को लिखा पत्र

सत्ता सुधार ■ सागर

मकरोनिया-झांसी रोड पर स्थित रेलवे गेट नंबर 28 पर बहुप्रतीक्षित रेलवे ओवर ब्रिज बीते 7 सालों से निर्माणाधीन है लेकिन अब तक इसका निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। निर्माण की धीमी गति के कारण यह ब्रिज कछुआ चाल से आगे बढ़ रहा है जिससे क्षेत्र सहित जिले के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।इस संदर्भ में नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया ने रेलवे मंडल प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर, कलेक्टर,जिला सागर और कार्यपालन यंत्री, सेतु निर्माण संभाग, सागर को रेलवे गेट नंबर 28 पर चल रहे निर्माण कार्य को 30 अप्रैल 2025 तक पूर्ण कराने पत्र लिखा। यह पत्र लोकहित में लिखा गया है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि निर्माण कार्य समय पर पूरा हो और लोगों को इसका लाभ मिले। विधायक लारिया ने पत्र में उल्लेख किया है कि अनेकों बार उनके द्वारा, जनप्रतिनिधियों के द्वारा एवं जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। अनेकों बार कार्य पूर्णता की तिथियां बढ़ाई गई। अधूरे निर्माण से जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मकरोनिया एवं सदर के नागरिकों,विद्यार्थियों एवं सैन्यजनों को लगभग 7-8 किलोमीटर से अधिक का चक्कर लगाकर आना-जाना पड़ता है जिससे उनका अर्थ एवं समय व्यय हो रहा है।विधायक लारिया के द्वारा 8 मार्च 2025 को उक्त निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान कार्य एजेंसी द्वारा 30 अप्रैल 2025 तक कार्य पूर्ण करने की डेट लाइन दी गई।विधायक लारिया ने पत्र में लेख किया है कि इस निर्माण कार्य में लंबा समय व्यतीत होने के कारण जनता के धैर्य की प्रतीक्षा समाप्त हो गई है। जनमानस में इस अधूरे निर्माण कार्य को लेकर आक्रोश व्याप्त है।जनता में व्याप्त आक्रोश को दृष्टिगत रखते हुए अन्य कोई अप्रिय स्थिति निर्मित न हो इस हेतु निर्माण एजेंसी को 30 अप्रैल 2025 तक रेलवे गेट नंबर 28 के अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण कराने अधिकारियों से सख्त निर्देश प्रसारित कराने लेख किया गया है।

उन्होंने कहा, आपको बार-बार विधायक लारिया ने मेनपानी में निर्माण होने वाले इस्कान मंदिर स्थल का निरीक्षण किया

सत्ता सुधार ■ सागर

पूरी देश दुनिया में जिस तरह से इस्कान के मंदिर बने है, इस तरह सागर में मेनपानी में मंदिर का निर्माण होने जा रहा है। सागर इस्कान के प्रमुख कृष्णार्चन प्रभु जी के आमंत्रण पर नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया मेनपानी में इस्कान मंदिर निर्माण स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे।कृष्णार्चन प्रभु जी ने बताया कि करीब 50 करोड़ की लागत से सागर के भक्तों द्वारा मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। इस्कान मंदिर निर्माण की संभावित तिथि 30 अप्रैल 2025 होगी। इस वृहद आयोजन की व्यवस्थाओं के संबंध में एवं भूमिपूजन आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की विशेष उपस्थिति के लिए समय प्रदान कराने विधायक लारिया से अनुरोध किया। विधायक लारिया ने यथोचित सहयोग हेतु आश्वस्त किया। इन्हीं सब व्यवस्थाओं के संबंध में कृष्णार्चन प्रभु जी से औपचारिक भेंट

करने एवं स्थानीय ग्रामवासियों से सहयोग हेतु बात करने विधायक लारिया स्थल निरीक्षण हेतु मेनपानी पहुंचे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष आफिसर यादव, मेनपानी सरपंच अर्जुन, कपिल कुशवाहा,पार्षद विवेक सक्सेना,बाबूलाल रोहित, धर्मेंद्र कुशवाहा, गजेंद्र सिंह बन्नाद, वीरेंद्र घोसी सहित स्थानीय गणमान्यजन उपस्थित रहे।

गिरफ्तार पुलिस ने ब्लूटूथ और हार्ड डिस्क जब्त की, दुकान में चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

बीना से 73 किमी दूर चोरी करने सागर आया

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

सागर के मोतीनगर थाना पुलिस ने चोरी का शातिर आरोपी गिरफ्तार किया है।आरोपी बीना से 73 किमी दूर सागर चोरी करने आया था। उसके पास से चोरी गया सामान जब्त किया गया है। मामले में पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रहा है।पुलिस के अनुसार, 6 मार्च को फरियादी सुमित पिता रमेश साहू उम्र 26 साल निवासी शास्त्री वार्ड ने शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि रात करीब 8 बजे मैं अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था। दूसरे दिन सुबह करीब 7 बजे मैंने अपनी दुकान पर जाकर देखा तो मेरी दुकान के ताले टूटे थे।ब्लूटूथ, ईयर फोन, डीवीआर हार्ड डिस्क हुई थी चोरी दुकान के अंदर जाकर देखा तो पूरा सामान बिखरा हुआ

था। दुकान में रखे ब्लूटूथ, ईयर फोन, लैपटॉप स्टैंड,टार्च, डीवीआर हार्ड डिस्क व अन्य सामान नहीं मिला। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।वारदात स्थल पर पहुंचकर जांच की।एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए।साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की गई। मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया।

संदिग्ध का नाम सामने आया, पूछताछ की तो सच उगला

जांच के दौरान संदिग्ध का नाम सामने आया।जिसके आधार पर पुलिस ने दबिश देकर हर्ष उर्फ प्रिंस पिता दिलीप सिंह राजपूत उम्र 22 साल निवासी कॉलेज तिग्गडा बीना को हिरासत में लिया। थाने लाकर पूछताछ की गई। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में चोरी की वारदात करना स्वीकार किया है।उसके कब्जे से चोरी गए ब्लूटूथ, डीवीआर समेत अन्य सामान जब्त किया गया है। मामले में अन्य मामलों में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

ट्रक-ट्रैक्टर और बाइक भिड़े, दो की मौत, गढ़ाकोटा रोड पर हादसा

सत्ता सुधार ■ सागर

जिले के सानौधा थाना क्षेत्र में ट्रक, ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार महिला-पुरुष की मौत हो गई। ट्रक, ट्रैक्टर को ओवरटेक कर रहा था तभी सामने से बाइक आ गई और आपस में भिड़ंत हो गई। हादसा सोमवार दोपहर गढ़ाकोटा रोड पर चौधरी पेट्रोल पंप के पास हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा है। सानौधा थाना प्रभारी भरत सिंह ठाकुर ने बताया कि ट्रैक्टर को ओवर ट्रक करते समय बाइक सामने आ गई। भारी वाहन की चपेट में आने से बाइक पर सवार महिला और पुरुष की मौत हुई है। मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। वाहनों को जब्त किया गया है। प्राथमिक जांच में मृतक की पहचान उमाशंकर (29) पिता सुनील विश्वकर्मा निवासी सौरई है। महिला की पहचान नहीं हो सकी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

ब्रीफ न्यूज

प्रेसिडेंट कप से क्रिकेटरों को एक्सपोजर मिलेगा: बीसीए अध्यक्ष राकेश तिवारी

पटना। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने कहा है कि आगामी प्रेसिडेंट कप का उद्देश्य बिहार में लाल गेंद वाले क्रिकेट में प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अपनी क्षमता दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है। बीसीए ने पटना में 1 अप्रैल से शुरू होने वाले पहले प्रेसिडेंट कप की घोषणा की है। बीसीए अध्यक्ष ने यह भी कहा कि इस टूर्नामेंट में खेलने का अनुभव खिलाड़ियों को अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक एक्सपोजर देगा। तिवारी ने कहा, यह टूर्नामेंट राज्य में क्रिकेट के विकास के लिए बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को लाल गेंद वाले क्रिकेट में अपनी क्षमता दिखाने और अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक एक्सपोजर प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। प्रेसिडेंट कप 2/3-दिवसीय प्रारूप का पालन करेगा, जिसमें कुल 8 टीमें होंगी जिन्हें दो समूहों में विभाजित किया जाएगा। इन टीमों का चयन बिहार के विभिन्न जिलों से किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि राज्य भर के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।

एसआरएच अपनी बल्लेबाजी में काफी 'स्मार्ट' नहीं थी : चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट से मिली हार में बहुत अधिक मेहनत की लेकिन अपनी बल्लेबाजी में पर्याप्त स्मार्ट नहीं थे। बीते दिन को डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में, एसआरएच 37/4 पर सिमट गई और अनिकेत वर्मा की शानदार 41 गेंदों में 74 रनों की पारी के बावजूद, एसआरएच अपने 18.4 ओवरों में केवल 163 रन ही बना सकी, क्योंकि डीसी ने चार ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल किया। पुजारा ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, सबसे पहले मैं वास्तव में हैरान था कि उन्होंने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जब आप दोपहर का मैच खेल रहे होते हैं, तो आप जानते हैं कि पिच थोड़ी धीमी होगी, उस समय आप आमतौर पर गेंदबाजी करना पसंद करते हैं और यह गेंदबाजी करने का आदर्श समय होता है, बल्लेबाजी करने का आदर्श समय नहीं। मुझे लगा कि उन्हें पहले गेंदबाजी करनी चाहिए थी। लेकिन उनकी बल्लेबाजी के बारे में बात करते हुए, मुझे लगता है कि वे बहुत ज्यादा आक्रामक थे और वे काफी समझदार नहीं थे। उन्होंने यह भी महसूस किया कि अगर एसआरएच का अल्ट्रा-अटैकिंग दृष्टिकोण कुछ मैच के दिनों में काम नहीं करता है, तो उन्हें प्लान बी का सहारा लेना चाहिए। ÷तो आपकी सफलता क्या है। अगर आप 10 में से सिर्फ दो जीत रहे हैं, तो इसका कोई मतलब नहीं है। आपको और अधिक मैच जीतने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आपको बार-बार उस निरंतरता को दिखाने की जरूरत है।

कोनर्स-फेडरर के क्लब में जगह बनाने से चूके जोकोविच

19 साल के मेन्सिक ने जीता मियामी ओपन का खिताब

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चेक रिपब्लिक के उभरते सितारे जाकुब मेन्सिक ने सर्बिया के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को हराकर मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले पुरुष एकल के फाइनल में मेन्सिक ने 7-6, 7-6 से जीत दर्ज की। वहीं, महिला एकल के फाइनल में बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने जेसिका पेगुला को हरा दिया और अपना 19वां टूर खिताब जीता।

19 साल के मेन्सिक ने 37 साल के जोकोविच को हराया

19 साल के मेन्सिक और विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज मेन्सिक ने जोकोविच को हराकर उन्हें 100वें पेशेवर खिताब से दूर कर दिया। 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके जोकोविच ने इस मैच में अहम मौकों पर कई गलतियां कीं। वहीं, मेन्सिक ने 14 एस के साथ जोकोविच पर

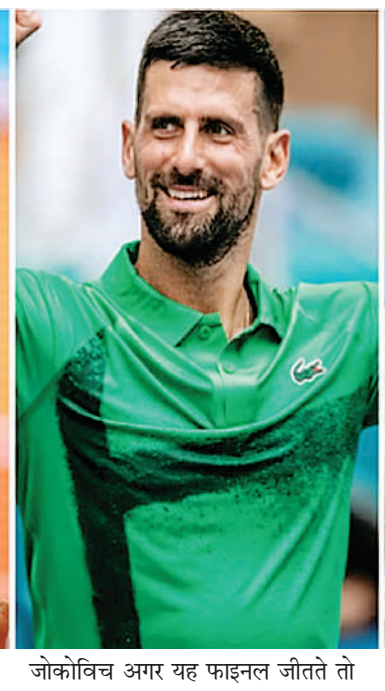

ताबड़तोड़ हमले किए। 37 साल के जोकोविच अगर यह फाइनल जीतते तो वह जिमी कोनर्स और रोजर फेडरर के क्लब में शामिल हो जाते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कोनर्स ने अपने करियर में 109 पेशेवर खिताब और फेडरर ने 103 पेशेवर खिताब जीते थे। यह दोनों ओपन एरा में 100 या इससे ज्यादा करियर टाइटल्स जीतने वाले खिलाड़ी हैं।

दोनों फाइनलिस्ट के बीच 18 साल का अंतर

दोनों फाइनलिस्ट के बीच 18 साल 102 दिन का अंतर था, जो कि 1976 के बाद किसी भी एटीपी-1000 स्तर के फाइनल या किसी भी टूर स्तर के फाइनल में सबसे बड़ा उम्र का अंतर था। इससे पहले यह रिकॉर्ड आंद्रे अगासी और राफेल नडाल के बीच मॉन्ट्रियल मास्टर्स 2005 के फाइनल मुकाबले के नाम था। तब अगासी 35 साल और नडाल 19 साल के थे और फाइनल में दोनों के बीच उम्र का अंतर 16 साल 35 दिन का था। मैच में बारिश ने खलल डाला। साढ़े पांच घंटे की देरी से मैच शुरू हुआ। दोनों ही सेट टाइ ब्रेकर में गए, लेकिन मेन्सिक जोकोविच के खिलाफ इसमें बेहतर करने में सफल रहे।

महिलाओं में सबालेंका बनीं चैंपियन

वहीं, महिला एकल में बेलारूस की शीर्ष वरीय सबालेंका ने अमेरिका की चौथी वरीय पेगुला को 7-5, 6-2 से हराकर पहली बार मियामी ओपन का खिताब जीता जो उनके करियर का 19वां टूर खिताब है। सबालेंका ने 24 विनर्स लगाए और 11 लाख डॉलर की इनामी राशि अपने नाम की। तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सबालेंका ने अमेरिकी ओपन 2024 के फाइनल में भी पेगुला को सीधे सेट में 7-5, 7-5 से हराया था। मार्सेलो अरेवालो और मेट पाविच की शीर्ष वरीय जोड़ी ने जूलियम कैश और लॉयड ग्लासपूल की छठी वरीय जोड़ी को 7-6, 6-3 से हराकर पुरुष युगल खिताब जीता।

हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता, एमओयू पर हस्ताक्षर

हीरो एशिया कप राजगीर बिहार 2025 का आयोजन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बिहार 2025 की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। सोमवार को हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच हुए समझौता ज्ञापन (रूप) के बाद इस आयोजन की आधिकारिक घोषणा की गई। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा। जो भारत के खेल बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और बिहार को वैश्विक खेल हब के रूप में उभरने का संकेत है। यह राजगीर द्वारा आयोजित दूसरा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होगा। इससे पहले, नवंबर 2024 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का सफल आयोजन हुआ था, जिसमें भारत ने विजेता का खिताब जीता था। महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें संस्करण में आठ टीमें भाग लेंगी, जिनमें भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया शामिल हैं। शेष दो टीमें क्वालिफाइंग टूर्नामेंट एएचएफ कप के माध्यम से अपनी जगह सुनिश्चित करेंगी। पुरुषों के एशिया कप के इतिहास में दक्षिण कोरिया सबसे सफल टीम रही है, जिसने पांच खिताब (1994, 1999, 2009, 2013 और 2022) जीते हैं। इसके बाद भारत (2003, 2007 और 2017) और पाकिस्तान (1982, 1985 और

1989) हैं, जिन्होंने तीन-तीन बार यह टूर्नामेंट जीता है। हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 का महत्व इस वजह से भी बढ़ जाता है क्योंकि यह 2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए एक क्वालिफाइंग इवेंट होगा, जिसे बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित किया जाना है। इस टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप में सीधा स्थान प्राप्त करेगा, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक हो जाएगी, क्योंकि सभी टीमें ट्रॉफी उठाने और अपनी योग्यता सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक देंगी। राजगीर में इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी पर बात करते हुए बिहार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव, डॉ. बी. राजेंद्र ने कहा, हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन (रूप) पर हस्ताक्षर, बिहार को एक प्रमुख खेल गंतव्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी करना हमारे राज्य के लिए गर्व की बात है, और हम टूर्नामेंट के सुचारू आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम बिहार के बढ़ते खेल बुनियादी ढांचे का प्रमाण है, और हमें पूरे एशिया की शीर्ष टीमों का स्वागत करने की खुशी है। यह आयोजन न केवल अंतरराष्ट्रीय खेलों में बिहार की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगा बल्कि क्षेत्र में हॉकी के नए खिलाड़ियों को प्रेरित भी करेगा। मैं हॉकी इंडिया और एशियन हॉकी फेडरेशन का समर्थन के लिए धन्यवाद करता हूं और हमें इस टूर्नामेंट को विश्व स्तरीय बनाने की उम्मीद है।

उत्साही हॉकी संस्कृति बनाएगी टूर्नामेंट को शानदार

इस अवसर पर, एशियन हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष, दातो फुमियो ओगुरा ने कहा, हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025, एशियाई हॉकी के इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ता है। भारत हमेशा हमारे महाद्वीप में हॉकी के विकास में एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है, और राजगीर को मेजबान शहर के रूप में चुनना इस खेल को पारंपरिक केंद्रों से आगे ले जाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बिहार में नया बुनियादी ढांचा और उत्साही हॉकी संस्कृति इस टूर्नामेंट को शानदार बनाएगी। चूंकि यह टूर्नामेंट विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग इवेंट है, इसलिए मुकाबले अत्यधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, और हम एएचएफ में उच्च स्तरीय हॉकी देखने के लिए उत्साहित हैं। मैं हॉकी इंडिया और बिहार सरकार को इस आयोजन को भव्य सफलता बनाने के लिए उनके समर्पण के लिए धन्यवाद देता हूं।

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में दीपक पूनिया और उदित को रजत, दिनेश को कांस्य

एजेंसी ■ अम्मान/जोर्डन

भारतीय पहलवान दीपक पूनिया ने एशियाई चैंपियनशिप में तीसरी बार रजत पदक जीता, जबकि उदित को लगातार दूसरी बार दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे पूनिया ने बेकजात राखिमोव के खिलाफ 92 किग्रा वर्ग के कड़े मुकाबले में जीत के साथ वापसी की। पूनिया को किर्गिस्तान के प्रतिद्वंद्वी से कड़ी टक्कर मिली, लेकिन वह क्वार्टर फाइनल में 12-7 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। पूनिया को जापान के ताकाशी इशिगुरो से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद थी, लेकिन भारतीय पहलवान ने उन्हें आसानी से 8-1 से हरा दिया। स्वर्ण पदक के मुकाबले में ईरान के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अमीरहुसैन बी फिरोजपोरबांदपेई ने उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। पूनिया ने एशियाई चैंपियनशिप में चार पदक जीते हैं। वह 2021 में अल्माटी और 2022 में उलानबटोर में फाइनल में हार गए थे, जबकि 2019 और 2020 में कांस्य पदक जीते। उदित ने भी 61 किग्रा में किर्गिस्तान के बेकबोलोट मिर्जानजार उलु को 9-6 से हराने के बाद चीन के वानहाओ झोउ को 2-0 से शिकस्त दी। उन्होंने पिछले साल रजत पदक जीता था। स्वर्ण पदक के मुकाबले में उन्हें दुनिया के नंबर एक पहलवान ताकारा सूडा ने 6-4 से हराया।

भारत के मुकुल दहिया ने भी दो जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। सिंगापुर के वेंग लुएन गैरी चाउ को दहिया ने बिना अंक गंवाए तकनीकी दक्षता के आधार पर हराने के बाद किर्गिस्तान के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी मुहम्मद अब्दुल्लाव को 3-1 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में दहिया को हालांकि ईरान के दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अबुलफजल वाई रहमानी फिरौजाई के खिलाफ तकनीकी दक्षता के आधार पर शिकस्त झेलनी पड़ी।

खो-खो सीनियर नेशनल्स की अब तक की सबसे अधिक भागीदारी के साथ शुरुआत

पुरी। 57वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप ने अब तक की सबसे अधिक भागीदारी और प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचारों पर जोर देने के साथ नए मानक स्थापित किए हैं, जिससे यह राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में एक बेहतरीन संस्करण बन गया है। सोमवार को शुरू हुई पांच दिवसीय चैंपियनशिप पुरी के जिला खेल परिसर में 4 अप्रैल तक चलेगी, जिसमें 30 राज्यों की टीमों के साथ-साथ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), महाराष्ट्र पुलिस, सशस्त्र सीमा बल

(एसएसबी), कर्नाटक पुलिस, अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड (एआईपीएससीबी), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और रेलवे जैसी प्रमुख संस्थागत टीमें भी भाग ले रही हैं। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स पर किया जा रहा है।

इश्मीत सिंह ओपन एंड चिल्ड्रन प्राइज मनी शतरंज फेस्टिवल में ओपन श्रेणी में बने चैंपियन

चंडीगढ़। इश्मीत सिंह 5.5 अंकों के साथ चंडीगढ़ शतरंज अकादमी ओपन एंड चिल्ड्रन प्राइज मनी शतरंज फेस्टिवल 2025 में ओपन श्रेणी में चैंपियन बने, जबकि अमोघ अग्रवाल ने 5.5 अंकों के साथ अंडर-14 श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया। माधव गर्ग ने 5.5 अंकों के साथ अंडर-10 श्रेणी में जीत हासिल की। महिला और बालिका वर्ग में ओपन वर्ग में काम्या कुमारी को सर्वश्रेष्ठ महिला का खिताब दिया गया। अंडर-14 वर्ग में कृति अग्निहोत्री को सर्वश्रेष्ठ

लड़की, अंडर-10 वर्ग में त्रिमन कौर गिल को सर्वश्रेष्ठ लड़की और अंडर-07 वर्ग में इनायत कौर को सर्वश्रेष्ठ लड़की का खिताब दिया गया। अंडर-07 वर्ग में दिव्यांश गर्ग को सर्वश्रेष्ठ लड़के का खिताब दिया गया। इस टूर्नामेंट का आयोजन चंडीगढ़ शतरंज अकादमी द्वारा किया गया था और इसमें उत्तरी भारत के विभिन्न राज्यों से 130 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इनमें से 41 अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब के पूर्व डीजीपी डॉ. चंद्र शेखर, आईपीएस और विशिष्ट अतिथि के रूप में चंडीगढ़ बैपटिस्ट स्कूल, सेक्टर-45डी के प्रबंध निदेशक अरुण मसीह उपस्थित थे। शेखर ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए और एक प्रेरक भाषण दिया।

विश्व मुक्केबाजी कप और कुछ अन्य को अंतिम चार में पहुंचने के लिए बस एक जीत की आवश्यकता है

लक्ष्य चाहर ओलंपियन वांडरले परेरा के खिलाफ भारत के अभियान की शुरुआत की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय पुरुष दल 5 अप्रैल तक ब्राजील में खेले जाने वाले बहुप्रतीक्षित विश्व मुक्केबाजी कप 2025 में पदक जीतने वाले प्रदर्शन पर नजर रखेगा, क्योंकि उन्हें मिश्रित ड्रॉ मिला है, जिसमें दो मुक्केबाजों को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिला है और कुछ अन्य को अंतिम चार में पहुंचने के लिए बस एक जीत की आवश्यकता है। विश्व मुक्केबाजी कप का पहला चरण, जिसे आधिकारिक तौर पर विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 - फोज डू इगुआकु के रूप में जाना जाता है, 19 देशों के 130 से अधिक मुक्केबाज पदक और रैंकिंग अंक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। अगले दो चरण कजाकिस्तान और भारत में आयोजित किए जाएंगे और सर्वोच्च रैंकिंग वाले मुक्केबाज फिर सीजन के अंत में होने वाले विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे। विश्व मुक्केबाजी कप 2025 सीरीज का आयोजन विश्व मुक्केबाजी द्वारा किया जा रहा है, जिसे इस साल फरवरी में अंतरराष्ट्रीय

ओलंपिक समिति द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई थी, जिससे 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में खेल को शामिल करने का रास्ता साफ हो गया। 10 सदस्यीय भारतीय दल में 2022 एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र सहित नौ मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन शामिल हैं और वे दो स्वर्ण सहित कम से कम आधा दर्जन पदक जीतने की उम्मीद कर रहे हैं। लक्ष्य चाहर 80 किग्रा वर्ग में प्रतियोगिता के पहले दिन मैदान में एकमात्र भारतीय मुक्केबाज होंगे और उन्हें पहले दौर में पेरिस ओलंपियन और पूर्व विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता ब्राजील के वांडरले परेरा से भिड़ना होगा। अन्य भारतीयों में सचिन (60 किग्रा) और विशाल (90 किग्रा) को पहले दौर में बाई मिली है और वे सीधे सेमीफाइनल में उतरेंगे, जबकि जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा) को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पिछले साल के विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल के रजत पदक विजेता ग्रेट ब्रिटेन के एलिस ट्रोब्रिज को हराना होगा। निखिल दुबे (75 किग्रा) स्थानीय उम्मीद काउ बेलिनी पर जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच सकते हैं, जबकि नरेंदर का क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के दानियाल सपरबे से मुकाबला होगा। अन्य भारतीय मुक्केबाजों में मनीष कुमार (55 किग्रा), अभिनव जामवाल (65 किग्रा) और हितेश (70 किग्रा) को भी पहले दौर में बाई मिली है। मनीष का दूसरे दौर में ऑस्ट्रेलिया के पेरिस ओलंपियन यूसुफ चोथिया या यूएसए के डेब्यूटेंट ऑरलैंडो जमोरा से मुकाबला होने की संभावना है, जबकि जामवाल का सामना जर्मनी के डेनिस ब्रिल से होगा।

रजनीगंधा अचीवर्स ने जीता आदित्य बिड़ला मेमोरियल पोलो कप 2025

नई दिल्ली। रजनीगंधा अचीवर्स ने जिंदल पैंथर के खिलाफ एक कड़े मुकाबले के बाद बीते दिन को आदित्य बिड़ला मेमोरियल पोलो कप 2025 जीत लिया। आदित्य बिड़ला मेमोरियल पोलो कप 2025 का ग्रैंड फिनाले रोमांच से कम नहीं था, जिसने दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखा। डिनो धनखड़, शमशीर अली, अभिमन्यु पाठक, बीके श्री डैनियल ओटामेंडी से मिलकर बनी रजनीगंधा अचीवर्स ने जिंदल पैंथर के खिलाफ एक कड़े मुकाबले के बाद प्रतिष्ठित ट्रॉफी उठाई।

दैनिक
सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

मथुरा। मथुरा के छाता क्षेत्र के गांव सेमरी में लगने वाले नरी-सेमरी देवी मेले का शुभारंभ देवी मां की आरती के साथ हुआ। पहले दिन हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर में हाजिरी लगाई और देवी मां की पूजा कर मनौती मांगी। यहां आगरा वालों की तीज की चमत्कारिक आरती हुई। पुजारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि गांव में चैत्र नवरात्र पर 10 दिवसीय देवी मेले का आयोजन होता है।

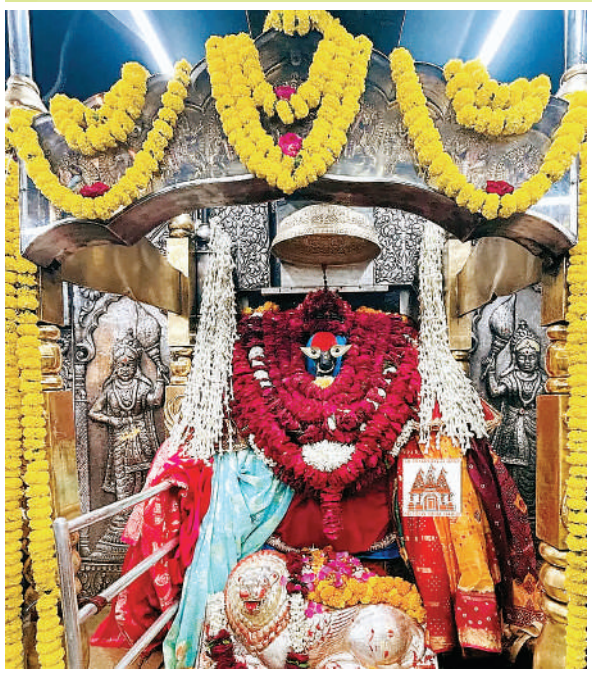

मां विंध्यवासिनी के दरबार में दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

- चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन मां के जयकारे से गूंज उठा धाम
- भक्तों ने लाइन में लग कर मां का दर्शन और पूजन किया

सत्ता सुधार ■ मिर्जापुर

जगत कल्याणी मां विंध्यवासिनी की चौखट पर शीश नवाने सोमवार की सुबह से श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन देवी धाम पहुंचे आस्थावानों ने दर्शन पूजन कर मंगल कामना की। भोर में दिव्य मंगला आरती और भव्य श्रृंगार पूजन उपरांत विंध्यवासिनी माता के अलौकिक स्वरूप का दर्शन कर भक्त निहाल हो उठे। देवी मंदिरों में सुबह से आदिशक्ति जगत जननी के जय जयकार गूंजते रहे। चैत्र नवरात्र मेला के दूसरे दिन देश के कोने-कोने से आए भक्तों ने देवी दरबार में मत्था टेका। गंगा स्नान कर घंटों कतार में खड़े होने के उपरांत धाम पहुंचे श्रद्धालु माता के दिव्य स्वरूप का दर्शन कर निहाल हो उठे।

जयघोष से मंदिर गुंजायमान

विंध्य दरबार में महिला, पुरुष और बच्चे माता की भक्ति में तल्लीन नजर आए। मंदिर पहुंचे श्रद्धालु माता की एक झलक पाने को बेताब दिखे। घंटा, घड़ियाल, शंख के साथ बजते नगाड़े की धुन के बीच पहाड़वाली के जयघोष से संपूर्ण मंदिर परिसर गुंजायमान हो रहा था। धाम की छत पर जगह-जगह आसन

पर बैठे साधकों का पूजन अनुष्ठान अनवरत चलता रहा।

वहीं अष्टभुजा पहाड़ पर भी दूरदराज से आए संत महात्मा और साधक विविध मंत्रों के बीच आदिशक्ति के पूजन अनुष्ठान में तन्मयता से तल्लीन नजर आए। त्रिकोण परिक्रमा पथ पर विराजमान महाकाली और मां अष्टभुजी के दरबार में भी सुबह से दर्शन पूजन का सिलसिला अनवरत चलता रहा। गुड़हल, कमल और गुलाब के पुष्पों से किया गया देवी मां का भव्य श्रृंगार का दर्शन कर श्रद्धालु विभोर हो उठे।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधाओं के दृष्टिगत देवी धाम क्षेत्र में प्रशासनिक तौर पर बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। गंगा घाटों पर स्नान ध्यान करने के लिए भक्तों का रेला लगा रहा। मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन करने के उपरांत श्रद्धालु गलियों में भ्रमण कर सजी दुकानों से जरूरत के सामानों की खरीदारी की। दूसरे दिन मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत प्रशासन की तरफ से बेहतर इंतजाम नजर आए।

ब्रीफ न्यूज

शमी के बहन-बहनोई समेत 12 से होगी दस लाख की वसूली

अमरोहा। क्रिकेटर मोहम्मद शमी के बहन-बहनोई का पंजीकरण मनरेगा मजदूर के रूप में होने और उनके खाते में मजदूरी के पैसे आने के मामले में वसूली होगी। डीसी मनरेगा अमरेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि जोया ब्लॉक के पलौला गांव में मनरेगा में गड़बड़ी की रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी। डीएम के निर्देश पर नोटिस और रिकवरी की कार्रवाई की जाएगी। मोहम्मद शमी की बहन शबीना की शादी जोया ब्लॉक के पलौला गांव निवासी गजनबी के साथ हुई है। शबीना की सास गुले आयशा गांव की प्रधान हैं। कुछ दिन पहले यह जानकारी सामने आई थी कि शबीना, उसके पति और दो देवर का नाम मनरेगा मजदूर के रूप में दर्ज है। इस मामले की डीएम निधि गुप्ता वत्स ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में यह जानकारी सामने आई कि मनरेगा में मजदूरी पाने को प्रधान के परिवार की और से फर्जीवाड़ा किया गया है। शबीना और गजनबी समेत परिवार के आठ लोगों ने मजदूरी हासिल की है।

बेटे की शादी का कार्ड बांटने जा रही मां को रोड रोलर ने कुचला, मौत

औरैय। किशनी-बिधूना मार्ग पर दोबा मोड़ के पास बेकाबू होकर एक बाइक सड़क पर गिर गई। हादसे में पीछे से आ रहे रोड रोलर ने बाइक सवार मां को कुचल दिया। इससे महिला मीरा देवी की मौत हो गई। महिला अपने बड़े बेटे की शादी के कार्ड बांटने छोटे बेटे के साथ बाइक से जा रही थी। दोबामाफी निवासी बलराम प्रजापति का परिवार अहमदाबाद में रहता है। उनके बड़े बेटे अजीत की शादी छह मई को अहमदाबाद में ही होनी है।

बरेली पहुंचे उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा

तीन तलाक, हलाला और श्रद्धा जैसे हत्याकांड पर अंकुश लगाएगा यूसीसी

- देवभूमि की नदियों की भांति यूसीसी भी पूरे देश में पहुंचेगा
- यूसीसी से एक धर्म विशेष में व्याप्त कुरीतियों से मिली निजात

सत्ता सुधार ■ बरेली

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यूसीसी कानून संविधान का मूल है, जिसे उत्तराखंड में लागू करके संविधान निर्माताओं को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। समान कानून से तीन तलाक, हलाला जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। लिव इन रिलेशनशिप पंजीकरण से दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड नहीं होंगे। कानून लागू करने की वजह ये भी है कि ऐसी घटनाओं को देख नहीं सकता। उम्मीद है कि देवभूमि की नदियों की भांति ये कानून भी पूरे भारत तक पहुंचेगा। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता कानून लागू करने पर सीएम धामी का बरेली में स्वागत किया गया। इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी में सोमवार का आयोजित स्वागत और अभिनन्दन समारोह में धामी ने कहा कि कानून लागू होने के बाद से जब भी उत्तराखंड की मुस्लिम महिलाएं उनसे मिलती हैं तो आभार जताती हैं। क्योंकि इस कानून से एक धर्म विशेष में व्याप्त कुरीतियों से भी निजात मिल है है। मामूली बातों पर तीन बार तलाक कहकर घर से बाहर नहीं निकाला जा सकता। अब कोई आफताब किसी श्रद्धा को जाल में फंसकर टुकड़े-टुकड़े नहीं कर सकता।

बरेली मेयर ने धामी को बताया धाकड़ सीएम

समारोह के दौरान इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति एवं मेयर उमेश गौतम ने कहा कि उत्तराखंड में ऐसे देवस्थल हैं, जिनके बारे में लोगों को पता नहीं था, उसे छिपाकर रखा था। जिन्हें सामने लाने का साहस धाकड़ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया। आदि कैलाश समेत अन्य देव स्थलों के दर्शन कराने के लिए जोरदार काम किया। तमाम परिवहन व्यवस्था की। जो कानून लागू हुआ वह असंभव प्रतीत हो रहा था पर मुख्यमंत्री धामी ने वो कर दिखाया। जिसे अन्य किसी राज्य में लागू कर पाना मुमकिन नहीं है। इससे सबक लेकर अन्य राज्य भी अनुसरण करेंगे। ऐसी उम्मीद जताई।

अब एक समान कानून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम एक सशक्त भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में अनेक निर्णय लिए गए हैं। पीएम मोदी के कार्यों से प्रेरणा लेते हुए हमने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी के लिए एक समान व्यवस्था, एक समान कानून सुनिश्चित करना है।

यूसीसी लागू होना सपने के सच होने जैसा- कानूनविद् प्रो.हरिवंश दीक्षित ने समान नागरिक संहिता कानून लागू होने पर कहा कि यह सपने के सच होने जैसा है। जब संविधान निर्माता देश का संविधान बना रहे थे, तब देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का संकल्प लिया था। ताकि समानता रहे, पर तत्कालीन सरकारों ने इसमें कोई रुचि नहीं ली। बल्कि वोट बैंक की राजनीति के लिए संविधान दांव पर रखा।

पुष्कर सिंह धामी ने सच कर दिखाया...

भाजपा ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य ने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करना सामान्य बात नहीं है। जहां वोटों की चिंता हो, धार्मिक आधार पर वोट के ध्रुवीकरण के दौर में समान नागरिक कानून उत्तराखंड सरकार के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लागू किया। पीएम मोदी से पहले के मुख्यमंत्री कहते थे कि प्राकृतिक और आर्थिक संसाधन पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। देश में बंटवारा करके वोट लेना चाहते थे। पर पीएम ने सबका साथ सबका विकास का सपना देख। जिसे पुष्कर सिंह धामी ने सच कर दिखाया।

वर्धानी क्लासेज छात्रों के लिए 100 फीसदी छात्रवृत्ति और बेहतरीन कोचिंग का अनूठा संगम

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए वर्धानी क्लासेज ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए 100 फीसदी छात्रवृत्ति और बोर्ड व प्रतियोगी परीक्षाओं की समग्र तैयारी का अनूठा अवसर प्रस्तुत किया है। इस संस्थान की विशेषता सिर्फ शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास को भी बढ़ावा देता है। वर्धानी क्लासेज का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक शिक्षा तकनीकों के साथ सफलता की ओर अग्रसर करना है। वर्धानी क्लासेज में आपको डेली ओरल टेस्ट, कोटा पैटर्न पर आधारित सिलेबस, कमजोर छात्रों के लिए विशेष क्लासेस, प्रतियोगी टेस्ट जैसी सुविधाएं मिलेगी जिससे विद्यार्थी मुश्किल विषयों को आसान बना कर पढ़ एवं समझ सकता है और इसी के साथ साथ वर्धानी क्लासेज में वन-टू-वन डाउट सेशन एवं बोर्ड परीक्षा की रियल प्रैक्टिस मॉक टेस्ट, लैब और लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं मिलेगी वर्धानी क्लासेज हर साल सुपर 100 स्कॉलरशिप टेस्ट आयोजित करता है, जिसमें अव्वल आने वाले छात्रों को फुल फीस माफी दी जाती है। यह टेस्ट एनसीईआरटी और एडवांस्ड लेवल के प्रश्नों पर आधारित होता है, जिससे छात्रों को उनकी मेहनत का उचित सम्मान मिलता है।

डॉ. करण वर्धानी
निर्देशक, वर्धानी बायोलॉजी क्लासेज

अभी संपर्क करें: 9144255864
ईमेल: vardhaniclasses123@gmail.com

हर तरफ छाया ईद का उल्लास...दुआ में उठे हाथ

लखनऊ सहित पूरे अवध में पढ़ी गई नमाज

- सीएम योगी और राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को ईद की दी बधाई
- ईदगाह पर पहुंचे डिप्टी सीएम सहित अलग-अलग दलों के नेता
- ऐशबाग में होने वाली मुख्य नमाज में महिलाओं ने नमाज अदा की
- **रायबरेली:** ईदगाहों पर पढ़ी गई नमाज, पर्व का दिखा उत्साह
- **अंबेडकरनगर:** अदा की ईद की नमाज, अमन चैन की दुआ मांगी
- **बलरामपुर:** ईदगाह में अदा हुई नमाज, ईद मुबारक की रही गूंज
- **गोंडा:** मुल्क की तरक्की और खुशहाली के लिए मांगी दुआएं
- **सीतापुर:** ड्रोन कैमरे से हुई निगरानी, अदा हुई ईद की नमाज
- **अयोध्या:** कड़ी सुरक्षा के बीच रामनगरी में सकुशल पढ़ी गई नमाज
- **सुल्तानपुर:** धूमधाम से मनी ईद, सेक्टरवार किए गए सुरक्षा के इंतजाम

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

सोमवार को ईद का त्योहार पूरे देश में मनाया गया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तय समय पर मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज पढ़ी और गले मिलकर एक-दूसरे को बधाई दी। इस दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे और ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई। रविवार को चांद दिखने के बाद ईद मनाए जाने की घोषणा की गई थी। लखनऊ में भी सोमवार को ईद मनाने की घोषणा हुई। लखनऊ की

अलग-अलग मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। ऐशबाग में होने वाली मुख्य नमाज में महिलाओं ने भी नमाज अदा की। लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह में ईद की नमाज में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी पहुंचे और सभी को ईद की मुबारकबाद दी। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने भी प्रदेशवासियों को ईद की बधाई दी।

काली पट्टी बांधकर पहुंचे नमाजी

लखनऊ में कई जगहों पर नमाज अदा की गई। नमाज पढ़ने का यह कार्यक्रम सुबह नौ बजे से लेकर दोपहर 11 बजे तक चला। कई जगह वक्फ बिल के विरोध में नमाजी काली पट्टी बांधकर नमाज अदा करने पहुंचे।

अमन चैन की मांगी दुआ

अमेठी जिले में सोमवार को ईद उल फितर का त्योहार बड़े धूमधाम से मनाया गया। अल्लाह की बारगाह में लोगों ने सजदा किया। मुल्क में अमन चैन और तरक्की के लिए दुआ मांगी गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए थे। अमेठी शहर स्थित जामा मस्जिद पर ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना साजिद रजा खान ने तकरीर में कहा कि हमारे मुल्क की संस्कृति गंगा जमुनी है। इसके साथ ही लोगों का ईद मुबारक देने का सिलसिला शुरू हुआ।

पांच अप्रैल को ताल रिंग रोड-गोरक्ष एन्क्लेव का उद्घाटन

- गोरखपुर में जनसभा को भी संबोधित करेंगे सीएम

सत्ता सुधार ■ गोरखपुर

गोरखपुर के बहुप्रतिक्षित ताल रिंग रोड और गोरक्ष एन्क्लेव का उद्घाटन पांच अप्रैल को दोपहर बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इसके अलावा चंपा देवी पार्क में बनने वाले कन्वेंशन सेंटर का भी शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर चंपा देवी पार्क में एक जनसभा भी होगी। रामगढ़ताल के दूसरे किनारे पर्यटन गतिविधियां बढ़ाने के साथ ही पैडलेगंज से सीधे कुनराघाट को जोड़ने के लिए रामगढ़ताल के किनारे टू लेन सड़क का निर्माण कराया गया है।

जनवरी में ही इस सड़क को पूरा होना था, लेकिन पुलिया निर्माण में देरी की वजह से पिछले सप्ताह यह पूरी हुई। इसके बाद जीडीए ने उद्घाटन की अनुमति मांगी। लोकार्पण-शिलान्यास समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा के लिए चंपा देवी पार्क के बगल में खाली जमीन का चयन किया गया है। यहीं पर गोरखपुर महोत्सव का आयोजन किया गया था। इसके लिए जीडीए उपाध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ तीनों परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद जनसभा स्थल को भी देखा। लोकार्पण के बाद ताल रिंग रोड लोगों की आवाजाही के लिए आधिकारिक तौर पर खोल दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं गाँधी नगर, बस स्टैंड के पास, भिण्ड से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. एमपीएचआईएन/2008/28334 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट। शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।